MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | सोमवार, 30 मार्च, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-86

अंतिम चरण

ईरान ने दी महाविनाश की चेतावनी

नयी दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालिबफ ने अमेरिका को कड़ा संदेश देते हुए साफ कहा है कि ईरान किसी भी कीमत पर झुकेगा नहीं और यह जंग जीत के बिना खत्म नहीं होगी। उन्होंने आत्मसमर्पण की किसी भी संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। एक महीने से ज्यादा समय से जारी संघर्ष के बीच कालिबफ ने दावा किया कि ईरान और उसके सहयोगियों ने अमेरिका और उसके साझेदारों को भारी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि लेबनान, इराक और यमन में मौजूद प्रतिरोधी ताकतें लगातार मजबूत हो रही हैं।

अमेरिका पर दोहरे रवैये का आरोप

मोहम्मद बाकिर कालिबफ ने अमेरिका पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि एक तरफ वॉशिंगटन सार्वजनिक तौर पर बातचीत की बात करता है, वहीं दूसरी तरफ पर्दे के पीछे सैन्य हमलों की तैयारी भी जारी है। उन्होंने कहा, दुश्मन बातचीत की बात करता है, लेकिन हमले की योजना बनाता है, और लोगों को ऐसे बयानों से भ्रमित न होने की चेतावनी दी।

सेना भेजने की तैयारी कर रहा अमेरिका!

इस बीच पेंटागन की ओर से ईरान में संभावित जमीनी अभियान की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। खबरों के मुताबिक, हजारों अमेरिकी सैनिक और मरीन पहले से ही मिडिल ईस्ट में तैनात हैं। अमेरिका सीमित लेकिन प्रभावी हमलों की योजना बना रहा है, जिसमें मिसाइल सिस्टम, एयर डिफेंस और तटीय ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। हालांकि अमेरिकी अधिकारी इसे पूर्ण युद्ध नहीं बता रहे, लेकिन योजनाओं में तेज और छोटे ऑपरेशन शामिल हैं, जो कुछ हफ्तों तक चल सकते हैं। इसके अलावा 'आखिरी बड़ा वार जैसे विकल्पों पर भी विचार हो रहा है। इसमें ईरान के अहम तेल केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा या नाकाबंदी, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास रणनीतिक ठिकानों पर हमला और परमाणु ठिकानों से जुड़ी सीमित जमीनी कार्रवाई शामिल हो सकती है।

ईरान ने दी अमेरिका को चेतावनी

कालिबफ ने संकेत दिया कि ईरान ऐसी किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि दुश्मन के लिए ईरान में घुसना आसान नहीं होगा और मिसाइल हमले जारी रहेंगे। साथ ही उन्होंने दावा किया कि ईरान के दुश्मनों में डर और घबराहट देखी जा रही है। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर अमेरिका ईरान को झुकाने की कोशिश करेगा तो उसे नाकामी ही मिलेगी। उन्होंने कहा, जब तक वे ईरान के आत्मसमर्पण की बात करेंगे, जवाब साफ है, हम अपमान स्वीकार नहीं करेंगे।

हमले का जवाब दिया जाएगा

मोहम्मद बाकिर कालिबफ ने इस संघर्ष को वैश्विक टकराव का हिस्सा बताते हुए ▶10पर

केमिकल लीक!

इजरायल के सबसे बड़े हब पर हमला

तेल अवीव, 29 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान ने इजरायल के प्रमुख केमिकल हब पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है, जिससे वहां भीषण आग लग गई है। दक्षिणी इजरायल के नियोत होवाव औद्योगिक क्षेत्र में हुए इस हमले के बाद लगी आग से केमिकल रिसाव की आशंका ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर ला दिया है। नियोत होवाव पर हुए इस हमले से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, जिनमें धुएं का भारी गुबार उठता नजर आ रहा है।

इजरायली मीडिया आउटलेट द टाइम्स ऑफ इजरायल के अनुसार, दमकल और बचाव दल क्षतिग्रस्त स्टोरेज यूनिट्स को सील करने और स्थिति को काबू में लाने में जुटे हुए हैं। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। आसपास के लोगों को घरों में रहने और खिड़कियां बंद रखने की सलाह दी गई है। ▶10पर

ओल्ड इज़ गोल्ड

केरोसीन में

नयी दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के चलते तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे दुनिया के कई देश ईंधन संकट का सामना कर रहे हैं। भारत को भी इस संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार कई कदम उठा रही है। इसी सिलसिले में सरकार ने अब घरों तक केरोसिन (मिट्टी का तेल) की आपूर्ति सुगम बनाने के लिए पेट्रोलियम सुरक्षा और लाइसेंसिंग नियमों में अस्थायी ढील दी है।

21 राज्यों में 60 दिनों के लिए अस्थायी व्यवस्था

केंद्र सरकार के 29 मार्च को जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत 60 दिनों के लिए सुपीरियर केरोसिन ऑयल (एसकेओ) की एड-हॉक आपूर्ति की अनुमति दी है ताकि आम लोगों को ईंधन की कमी का सामना न करना पड़े। इनमें दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गुजरात भी शामिल हैं। इन बदलावों के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा संचालित चुनिंदा पेट्रोल पंपों को केरोसिन स्टोर और वितरित करने की अनुमति दी गई है। प्रत्येक चयनित आउटलेट अधिकतम 5,000 लीटर तक केरोसिन रख सकेगा और हर जिले में अधिकतम दो पेट्रोल पंपों को इसके लिए नामित किया जाएगा।

लाइसेंसिंग नियमों में छूट और सुरक्षा प्रावधान

अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि केरोसिन के स्टोरेज, ट्रांसपोर्टेशन और डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़े डीलरों और वाहनों को पेट्रोलियम रूल, 2002 के कुछ लाइसेंसिंग प्रावधानों से छूट दी गई है, ताकि सप्लाई चेन को तेज किया जा सके और अंतिम छोर तक डिस्ट्रीब्यूशन सुनिश्चित हो सके। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि केरोसिन की आपूर्ति केवल घरेलू उपयोग- जैसे खाना पकाने और रोशनी के लिए ही की जाएगी, ताकि इसका दुरुपयोग रोका जा सके। इस फैसले के तहत उन क्षेत्रों में भी अस्थायी रूप से पीडीएस के जरिए केरोसिन आपूर्ति फिर शुरू की जा रही है, जहां इसे पहले चरणबद्ध तरीके से बंद कर दिया गया था, ताकि मौजूदा फ्यूल रिटेल नेटवर्क के जरिए तेजी से डिस्ट्रीब्यूशन सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन (पीईएसओ) की ओर से जारी सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश और ऑपरेशनल प्रोटोकॉल लागू रहेंगे।

केरोसिन बैन नहीं, चरणबद्ध तरीके से हुआ था बंद

बता दें कि भारत में केरोसिन की बिक्री पर पूरी तरह एक साथ देशभर में रोक नहीं लगाई गई थी, बल्कि इसे चरणबद्ध तरीके से कम किया गया। केंद्र सरकार ने 2015 के बाद से उज्ज्वला योजना और सौभाग्य योजना के जरिए एलपीजी और बिजली कनेक्शन को बढ़ावा देना शुरू किया। साथ ही पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस /राशन दुकानों) के माध्यम से ▶10पर

तेलंगाना विधानसभा में ऐतिहासिक विधेयक पारित

सरकारी कर्मचारियों पर माँ-बाप की ज़िम्मेदारी

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना विधानसभा ने रविवार को एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक, 2026 पारित कर दिया। इस कानून का मुख्य उद्देश्य उन बुजुर्ग माता-पिता को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है जिन्हें उनके बच्चों द्वारा उपेक्षित छोड़ दिया गया है।

विधेयक की बारीकियों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बताया कि यह कानून उपेक्षा के सिद्ध मामलों में कर्मचारी के कुल वेतन से कटौती को अनिवार्य बनाता है। कानून के अनुसार, ऐसे मामलों में कर्मचारी के वेतन का 15 प्रतिशत या 10,000 रुपये (जो भी कम हो) सीधे माता-पिता को भुगतान किया जाएगा।

पीड़ित माता-पिता अपनी शिकायत लेकर जिला कलेक्टर जैसे सक्षम अधिकारियों के पास जा सकते हैं। यदि कोई पक्ष फैसले से संतुष्ट नहीं है, तो इसकी अपील वरिष्ठ नागरिक आयोग के समक्ष की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने इसे एक बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि यह कानून बुजुर्गों के सम्मान को बहाल करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

अंतिम वर्षों में कोई भी माता-पिता असहाय न रहे

सदन में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने दृढ़ता से कहा, किसी भी माता-पिता को उनके जीवन के अंतिम वर्षों में असहाय नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि हालांकि कोई भी कानून हर मामले को पूरी तरह हल नहीं कर सकता, लेकिन यह निवारक के रूप में कार्य करेगा और ▶10पर

केरल में मोदी लहर

अब की बार भाजपा सरकार का दावा

तिरुवनंतपुरम, 29 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दावा किया कि केरल में जनभावना बदलाव का संदेश दे रही है और आगामी चुनावों के बाद राज्य में एनडीए अपनी सरकार बनाएगी। 9 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले चुनाव प्रचार की कमान संभालते हुए मोदी ने एलडीएफ और यूडीएफ के बीच गुप्त समझौते पर तीखा हमला किया और उन पर बारी-बारी से केरल को लूटने का आरोप लगाया।

भारतीयों की सुरक्षा पर चिंता

पालक्काड़ में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि इस संकट का भारत पर कम से कम

प्रभाव पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि केरल के कई लोग संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और उनकी सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मोदी ने कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए खतरनाक बयानबाजी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसी टिप्पणियां खाड़ी देशों में रहने वाले लगभग एक करोड़ भारतीयों के जीवन को जोखिम में डाल सकती हैं।

एलडीएफ-यूडीएफ पर प्रहार: एक भ्रष्ट, दूसरा महाभ्रष्ट

वामपंथी और कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधनों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, दशकों से केरल स्वार्थी राजनीति के दो चेहरोंएलडीएफ और यूडीएफ के बीच फंसा हुआ है। एक भ्रष्ट है, तो दूसरा उससे भी अधिक भ्रष्ट। उनकी नीतियां केवल वोटबैंक के इर्द-गिर्द घूमती हैं, उन्हें केरल के विकास की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि दोनों गठबंधन अब भाजपा को निशाना बना रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि भाजपा के सत्ता में आते ही उनके भ्रष्टाचार की पोल खुल जाएगी।

विकसित केरल का संकल्प और युवाओं का समर्थन

प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल में युवा, महिलाएं और किसान बड़े पैमाने पर भाजपा के समर्थन में आ रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि एनडीए सरकार लूट का पैसा वापस लाएगी और विकास की गति को तेज करेगी। उन्होंने पालक्काड़ में आईआईटी की स्थापना और स्मार्ट इंडस्ट्रियल सिटी की योजनाओं जैसे केंद्र के कार्यों को गिनाते हुए कहा कि अब केरल में भी वही बदलाव दिखेगा जो शेष भारत में दिख रहा है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 23^0

नेवी की सुरक्षा में निकले तेल के 2 टैंकर

होर्मुज में बजा भारत का डंका!

नयी दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में जंग के चलते तनाव लगातार बना हुआ है। दुनियाभर में तेल और गैस संकट गहराता जा रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रुकावट से वैश्विक स्तर पर परेशानी बढ़ रही है। भारत के कई तेल और गैस से लदे जहाज भी इस मार्ग में फंसे हैं, जिन्हें निकालने के लिए भारत लगातार प्रयास कर रहा है। इसी बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। भारत के लिए पेट्रोलियम उत्पाद लेकर आ रहे दो और व्यापारिक जहाज इस समय स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सुरक्षित गुजर रहे हैं।

वहीं, भारतीय नौसेना के युद्धपोत जरूरत पड़ने पर सहायता के लिए तैयार हैं। भारतीय नौसेना ने खाड़ी क्षेत्र में अपने युद्धपोत तैनात किए हैं ताकि व्यापारिक जहाजों को सुरक्षा और सहयोग मिल सके। नौसैनिक इकाइयां भारतीय ध्वज वाले और भारत की ओर आ रहे जहाज़ों की मदद के लिए तैनात हैं। यह तैनाती इस अहम समुद्री मार्ग से सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। शनिवार को भी दो एलपीजी टैंकरों ने बीडब्ल्यू ईएलएम और बीडब्ल्यू टायर जारी जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट को पार किया है। बीडब्ल्यू ईएलएम की कुल लंबाई (एलओए) 225.27 मीटर और चौड़ाई 36.62 मीटर है, जबकि बीडब्ल्यू टायर की कुल लंबाई (एलओए) ▶10पर

चार देशों का भाईचारा

नयी दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)।

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच इस्लामाबाद में रविवार (29 मार्च) को एक अहम कूटनीतिक बैठक हुई। इसमें मिस्र, तुर्किये और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के साथ खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम करने के मुद्दे पर चर्चा की। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान का संघर्ष दूसरे महीने में प्रवेश कर चुका है। बैठक से पहले चारों नेताओं ने एक साथ समूह फोटो भी खिंचवाई। बैठक में मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलअत्ती, तुर्किये के हाकान फ़िदान और सऊदी अरब के फैसल बिन फरहान ने हिस्सा लिया। पाकिस्तान के

विदेश मंत्री इशाक डार ने एक्स पर मीटिंग की एक तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, मुझे अपने प्यारे भाइयों-सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्रियों का इस्लामाबाद में स्वागत करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उनकी उपस्थिति के लिए मैं उनका आभारी हूं, हमारी बातचीत के दूसरे दौर के लिए यह हमारे भाईचारे के संबंधों को दिखाता है। हमारी स्पष्ट और रचनात्मक चर्चाएं बदलती क्षेत्रीय परिस्थितियों और शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं, साथ ही हम विभिन्न क्षेत्रों में अपनी साझेदारी को सुदृढ़ करने और सहयोग को और अधिक गहरा बनाने पर भी बल दे रहे हैं।

मध्यस्थ के तौर पर उभर रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान इस पूरे संकट में संभावित मध्यस्थ के तौर पर उभर रहा है। इससे एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बातचीत की थी। बैठक से पहले इशाक डार ने अपने तुर्किये और मिस्र के समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय वार्ता भी की। ▶10पर

अमेरिका को दी सीधी चेतावनी, हमले का बहाना ढूंढ रहे किम, किया एक और परमाणु परीक्षण

प्योंगयांग, 29 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी भीषण संघर्ष के बीच अब उत्तर कोरिया ने भी अपनी सैन्य गतिविधियों से वैश्विक चिंताएं बढ़ा दी हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की मौजूदगी में रविवार को एक शक्तिशाली सालिड फ्यूल इंजन का सफल परीक्षण किया गया। साथ ही अमेरिका को चेतावनी देते हुए ईरान पर हो रहे हमलों को लेकर अमेरिका और इजरायल की कड़ी आलोचना की है।

इस इंजन का मुख्य उद्देश्य ऐसी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें तैयार करना है, जो सीधे अमेरिकी मुख्यभूमि (मेनलैंड) तक मार करने में सक्षम हों। जानकारों का मानना है कि यह परीक्षण उत्तर कोरिया के उस पांच साल के सैन्य अभियान का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अपनी परमाणु और मिसाइल क्षमता को सर्वोच्च स्तर पर पहुंचाना है।आधिकारिक बयानों के अनुसार, किम जोंग उन ने ईरान पर हो रहे हमलों को लेकर अमेरिका और इजरायल की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिका के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए उसे आतंकवादी तक कह डाला। उत्तर कोरिया द्वारा परीक्षित यह नया इंजन 2500 किलोटन तक का पेलोड (हथियार) ले जाने की क्षमता रखता है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में भी इसी तरह के एक इंजन का परीक्षण किया गया था, जिसकी क्षमता 1900 किलोटन थी। इंजन की शक्ति में यह भारी बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि उत्तर कोरिया अब एक ही मिसाइल पर कई परमाणु आयुध लगाने की तकनीक पर काम कर रहा है, जिससे अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदना आसान हो सके। रणनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि ठोस ईंधन (सालिड फ्यूल) आधारित मिसाइलें तरल ईंधन वाली मिसाइलों की तुलना में अधिक खतरनाक होती हैं, क्योंकि इन्हें गुप्त रूप से तैनात किया जा सकता है और इनके प्रक्षेपण का पहले से पता लगाना बेहद कठिन होता है। किम जोंग उन ने इस परीक्षण को देश की सामरिक सैन्य ताकत को बढ़ाने के लिए मील का पत्थर बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती अमेरिका विरोधी भावनाओं के बीच उत्तर कोरिया एक मजबूत भूमिका निभाएगा। हालांकि अपने भाषण में किम जोंग उन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सीधा नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि उनके दुश्मन चाहे टकराव का रास्ता चुनें या शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का, उत्तर कोरिया हर स्थिति का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

न्यूज ब्रीफ

इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान के बीच सुलह के लिए होगी बैठक, पहुंचेंगे कई विदेश मंत्री

इस्लामाबाद। पश्चिम एशिया में जारी भीषण सैन्य संघर्ष के बीच शांति की एक नई किरण दिखाई दे रही है। इस सप्ताह के अंत में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद एक बेहद महत्वपूर्ण कूटनीतिक वार्ता की मेजबानी करने जा रही है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को कम करना और क्षेत्र में युद्धविराम की संभावनाओं को तलाशना है। सूत्रों के मुताबिक, इस उच्च स्तरीय शांति वार्ता में शामिल होने के लिए सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्री रविवार को इस्लामाबाद पहुंचेंगे। दो दिनों तक चलने वाली इस चर्चा में क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों पर गहन विमर्श किया जाएगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस कूटनीतिक पहल की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ एक घंटे से अधिक समय तक फोन पर विस्तृत बातचीत की है। इस वार्ता में संकट के समाधान और शांति बहाली के संभावित रास्तों पर चर्चा हुई। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार इस पूरी प्रक्रिया का नेतृत्व करेंगे। संभावना जताई जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बैकचैनल कूटनीति से जुड़े प्रतिनिधि भी इसमें शामिल हो सकते हैं।

नेपाल की नई सरकार ने जेन जी आंदोलन में मारे गए 27 छात्रों के परिजनों को दी सरकारी नौकरी

काठमांडू। नेपाल की बालेन्द्र शाह (बालेन) सरकार ने पिछले साल 08 सितंबर को हुए जेन जी आंदोलन में पुलिस की गोली लगने से मारे गए 27 छात्रों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने का फैसला किया है। इस फैसले के तत्काल बाद सभी को बिजली विभाग में नौकरी देने का प्रस्ताव भेज दिया गया। बालेन सरकार के इस फैसले के बाद दिवंगत छात्रों निकटतम परिजनों को बिजली विभाग में नौकरी दे गई। नेपाल विद्युत प्राधिकरण ने इन सभी को नौकरी देने की अधिसूचना जारी कर दी है। इनको उनके गृह जिले में ही उनकी क्षमता और शैक्षणिक योग्यता के आधार पर नौकरी देने की प्रस्ताव किया गया है। प्राधिकरण ने विज्ञप्ति में कहा कि यह सभी लोग 35 दिनों के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी कर नियुक्ति पत्र प्राप्त कर लें। बालेन ने चुनाव घोषणा पत्र में मारे गए छात्रों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया था।

जेलेंस्की ने कहा- सैटेलाइट तस्वीर बता रही है रूस कर रहा है ईरान की भरपूर मदद

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ा दावा करते हुए रूस

और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग की ओर इशारा किया है। जेलेंस्की के अनुसार, सऊदी अरब स्थित प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर ईरान द्वारा किए गए हालिया हमले से ठीक पहले रूसी उपग्रहों ने इस सैन्य ठिकाने की कई बार विस्तृत तस्वीरें ली थीं। उन्होंने आशंका जताई है कि रूस ने ये खुफिया जानकारियां ईरान के साथ साझा की हो सकती हैं, जिससे हमले को अंजाम देने में मदद मिली।यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट का हवाला देते हुए राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि रूस के सैटेलाइट ने 20 मार्च, 23 मार्च और 25 मार्च को इस एयरबेस की निरंतर निगरानी की थी। इन तस्वीरों के लिए जाने के ठीक एक दिन बाद, 26 मार्च को ईरान ने इस ठिकाने पर भीषण हमला कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में ईरान ने 6 बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे थे, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 15 सैनिक घायल हुए। घायल सैनिकों में से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। प्रिंस सुल्तान एयरबेस अमेरिका और सऊदी अरब के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक केंद्र माना जाता है। जेलेंस्की ने अपने देश के युद्ध के अनुभव साझा करते हुए कहा कि रूस की कार्यप्रणाली काफी हद तक पूर्वानुमानित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि रूसी सैटेलाइट किसी स्थान की एक बार तस्वीर लेते हैं तो वह तैयारी का हिस्सा होता है, दूसरी बार की तस्वीर अभ्यास का संकेत देती है, और यदि तीसरी बार भी तस्वीर ली जाए, तो इसका सीधा अर्थ है कि अगले 24 से 48 घंटों में हमला निश्चित है। हालांकि, इन दावों की पुष्टि के लिए अभी तक कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किए गए हैं, लेकिन वैश्विक सुरक्षा एजेंसियां इसे गंभीरता से ले रही हैं। वर्तमान में जेलेंस्की खाड़ी देशों के दौरे पर हैं।

तेहरान में शक्तिशाली धमाके, इराक के कुर्द इलाके में हमला

तेहरान/बगदाद, 29 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान की राजधानी तेहरान में एक साथ कई धमाके हुए हैं। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी। उधर, इराक के कुर्द इलाके में हमलों में तेजी से चिंता बढ़ गई है। अमेरिका-इजराइल और ईरान की इस लड़ाई में इराक में मौजूद हथियारबंद गुट सराया औलिया अल-दाम ने अमेरिकी हितों पर हमला किया है। अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, फार्स ने बताया कि उत्तरी तेहरान में दो जोरदार धमाके हुए। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया निशाना किसे बनाया गया। उधर, इराक में खासकर स्वायत्त कुर्द इलाके में हमलों में अचानक तेजी आई है। दुहोक में कुर्द इलाके के राष्ट्रपति नेचिरवान बरज़ानी के घर को निशाना बनाने की कई कोशिश हुई है। एक बयान में, बरजानी ने बगदाद में केंद्र सरकार से इन हमलों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की अपील की।

इराक में मौजूद हथियारबंद समूह सराया औलिया अल-दाम ने विज्ञप्ति जारी की है। इस समूह के ईरान से संबंध हैं। समूह ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में उसने कम से कम छह ऐसे इलाकों को निशाना बनाया है जिनका संबंध अमेरिकी हितों से है। इस समूह ने कोया जिले में विस्थापितों के कैंप और हरीर में अमेरिका के सैन्य बेस पर हमला किया है। इस समूह ने एरबिल में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन से हमला करने की भी कोशिश की।बताया गया है कि इन हमलों को अमेरिकी हवाई सुरक्षा प्रणाली ने विफल कर दिया। इस बीच बगदाद में भी कुछ देर पहले आसमान में धमाकों की तेज सुनी गई है।

उल्लेखनीय है कि सराया औलिया अल-दाम इराक में स्थित ईरान समर्थित शिया मिलिशिया समूह है। यह समूह उत्तरी इराक, विशेष रूप से एरबिल में अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन और राकेट हमलों के लिए जिम्मेदार है। यह समूह मुख्य रूप से अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने के लिए ईरान की सैन्य कार्रवाई में उसका साथ दे रहा है। इसे असाइब अहल अल-हक मिलिशिया से जुड़ा फ्रंट ग्रुप माना जाता है। यह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक का हिस्सा है। यह समूह खुद को इराकी प्रतिरोध के हिस्से के रूप में पेश करता है और ईरान के खिलाफ इजराइल-अमेरिका युद्ध के जवाब में सक्रिय है।

अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध क्षेत्र में जमे हुए हैं। ईरान ने बहरीन के एक एल्युमिनियम प्लांट पर हमला किया है। हमले में प्लांट के दो कर्मचारी घायल हो गए हैं। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने ली है। यह औद्योगिक प्लांट बहरीन की प्रमुख एल्युमिनियम कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) का है। औद्योगिक प्लांट पर हुए हमले ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है।

आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में यूएई के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) प्लांट को लक्षित किया गया।

ईरान ने मध्य पूर्व में स्थित इजराइली और अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर हमले करने की धमकी दी है। यमन के हूती विद्रोहियों ने ईरान के समर्थन में इजराइल पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया है। ईरान ने कहा है कि इजराइल और अमेरिका देश पर लगातार हमले कर रहे हैं। बुशेहर प्रांत और खुजेस्तान प्रांत में हुए हमले का हर हाल में बदला लिया जाएगा।

अमेरिका और इजराइल के बुशेहर प्रांत में किए गए हमले में एक परिवार के चार सदस्य मारे गए। दोनों देशों ने खुजेस्तान प्रांत में एक जल सुविधा पर हमला किया। इसके जवाब में, तेहरान ने मध्य पूर्व में स्थित इजराइली और अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर जवाबी हमला करने की धमकी दी है। इसके अलावा यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर मिसाइलों और ड्रोन से दूसरा हमला किया है।

ईरान के प्रेस टीवी ने कहा कि शनिवार को हमले में इजराइली रडार सेंटर और एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। यह हमला इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी), ईरानी सेना और मध्य-पूर्व में तेहरान के सहयोगियों ने संयुक्त रूप से किया। ईरान ने दावा किया है कि हमले में आईआरजीसी ने एक अमेरिकी एमक्यू 9 ड्रोन को मार गिराया और एक एफ-16 लड़ाकू विमान को भी निशाना बनाया।

ईरानी सेना ने हाइफा बंदरगाह शहर में इजराइली सैन्य एयरोस्पेस काम्प्लेक्स में स्थित एक इलेक्ट्रानिक युद्ध और रडार सेंटर को निशाना बनाया। इस सेंटर को इजराइली रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी चलाती है;। साथ ही डेविड बेन गुरियन एयरपोर्ट पर एक ईंधन भंडारण केंद्र को भी निशाना बनाया गया।

ईरानी मीडिया की अमेरिका को सख्त चेतावनी, फ्रंट पेज पर लिखा-नरक में स्वागत है

तेहरान, 29 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईरानी मीडिया ने कड़ा रुख अपनाते हुए अमेरिका को सीधी चेतावनी दी है। तेहरान टाइम्स ने अपने फ्रंट पेज पर नरक में स्वागत है शीर्षक के साथ एक तीखा संदेश प्रकाशित किया, जिसमें कहा गया है कि अगर अमेरिकी सेना ईरान की जमीन पर कदम रखती है, तो वह ताबूत में ही वापस जाएगी। यह बयान ऐसे समय सामने आया है जब खबरें हैं कि अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संभावित जमीनी कार्रवाई (ग्राउंड आपरेशन) के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, हालांकि इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। यदि अमेरिका ईरान के पास मौजूद संवेदनशील परमाणु सामग्री तक पहुंच बनाना चाहता है, तो उसे बड़े पैमाने पर सैन्य तैनाती करनी पड़ सकती है। बताया जा रहा है कि यह सामग्री जमीन के काफी अंदर सुरक्षित स्थानों पर रखी गई है, जिससे किसी भी आपरेशन को जटिल और जोखिमपूर्ण बनाया जा सकता है। ईरान पहले भी स्पष्ट कर चुका है कि यदि उस पर जमीनी हमला होता है, तो वह कड़ा जवाब देगा। अखबार में सैनिकों की तस्वीरें प्रकाशित कर यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि देश किसी भी संभावित हमले का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस घटनाक्रम ने क्षेत्र में पहले से जारी तनाव को और बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर चिंता भी बढ़ती जा रही है।

गोल्डन डोम : लागत और चीनी अंतरिक्ष चुनौती ने बढ़ाई अमेरिका की चिंता

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति की हालिया सुनवाई के दौरान प्रस्तावित गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली की व्यवहार्यता और उसकी भारी-भरकम लागत को लेकर गंभीर बहस छिड़ गई है। वरिष्ठ अमेरिकी सीनेटर मार्क केली ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर सवाल उठाते हुए चेतावनी दी है कि यह प्रणाली भविष्य की चुनौतियों और भौतिकी की सीमाओं के सामने अपर्याप्त साबित हो सकती है। केली ने आशंका जताई कि यदि अमेरिका इस पर 500 अरब से 1 ट्रिलियन डालर तक खर्च कर देता है और अंत में यह प्रभावी रूप से काम नहीं करती, तो यह एक बड़ा रणनीतिक जोखिम होगा। प्रस्तावित गोल्डन डोम एक बहु-स्तरीय सुरक्षा ढाल है, जिसे हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल्स और उन्नत क्रूज़ मिसाइलों जैसे जटिल खतरों को रोकने के लिए डिजाइन किया जा रहा है। सुनवाई के दौरान सीनेटर केली ने जोर देकर कहा कि यद्यपि एक मजबूत मिसाइल रक्षा ढांचा डिटरेंस बाय डिनायल (प्रतिरोध के माध्यम से सुरक्षा) को मजबूत कर सकता है, लेकिन अलग-अलग दिशाओं से आने वाली और चाल बदलने में सक्षम मिसाइलों को रोकना तकनीकी रूप से बेहद कठिन है। एडमिरल रिचर्ड कारेल ने इसके जवाब में स्पष्ट किया कि इस परियोजना का पहला चरण उन्नत डिटेक्शन और ट्रैकिंग सेंसर विकसित करना होगा।

पाक से संघर्ष खत्म करने के लिए अफगानिस्तान बातचीत को तैयार

काबुल, 29 मार्च (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के विदेशमंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने कहा है कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दों को बातचीत और आपसी समझ के जरिए हल करने का इच्छुक है। अफगान विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, मुत्ताकी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन ज़ायेद अल नाहयान के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान यह बातें कहीं।

पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इस चर्चा में द्विपक्षीय संबंध, अफगानिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच चल रहे मुद्दे, क्षेत्रीय स्थिति और अफगानिस्तान-पाकिस्तान संबंधों में हाल के घटनाक्रम शामिल रहे। मुत्ताकी ने एक अमेरिकी कैदी की रिहाई सुनिश्चित करने में सफल मध्यस्थता के लिए संयुक्त अरब अमीरात का आभार भी व्यक्त किया और कूटनीतिक जुड़ाव के माध्यम से मुद्दों को हल करने के प्रति अफगानिस्तान की प्रतिबद्धता को दोहराया।

अफगान विदेशमंत्री ने ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल से जुड़े संघर्ष की आलोचना की और चेतावनी दी कि इस तरह के घटनाक्रम क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में युद्ध के बढ़ने को चिंताजनक और निंदनीय बताया और यूएई के धैर्य और कूटनीतिक दृष्टिकोण की प्रशंसा की।

पाकिस्तान के साथ संबंधों के संबंध में मुत्ताकी ने इस बात पर जोर दिया कि अफगानिस्तान एक पड़ोसी देश के रूप में चाहता है कि सभी विवाद शांतिपूर्ण बातचीत के माध्यम से सुलझाए जाएं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि अफगान क्षेत्र का उपयोग पाकिस्तान के खिलाफ नहीं होने दिया जाएगा। इस संबंध में पहले ही गंभीर कदम उठाए जा चुके हैं।

इस बीच, यूएई के विदेश मंत्री ने दोहराया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ता तनाव किसी भी देश के हित में नहीं है और आश्वासन दिया कि यूएई तनाव कम करने में मदद करने के लिए अपने प्रयास जारी रखेगा। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया झड़पें 26 फरवरी की रात को तब शुरू हुईं, जब अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तान की सीमा चौकियों को निशाना बनाया। इसके जवाब में, पाकिस्तान ने गजब लिल-हक आपरेशन के तहत जवाबी कार्रवाई शुरू की।

बहरीन में अल्बा के एल्युमिनियम प्लांट पर ईरान का हमला, दो कर्मचारी घायल

मनामा (बहरीन), 29 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान ने बहरीन के एक एल्युमिनियम प्लांट पर हमला किया है। हमले में प्लांट के दो कर्मचारी घायल हो गए हैं। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने ली है। यह औद्योगिक प्लांट बहरीन की प्रमुख एल्युमिनियम कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) का है। औद्योगिक प्लांट पर हुए हमले ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है।

बहरीन न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अल्बा ने रविवार को पुष्टि की कि उसके औद्योगिक संयंत्र को शनिवार को हुए हमले में निशाना बनाया गया। इस घटना में कंपनी के दो कर्मचारियों को मामूली चोटें आई हैं। अल्बा ने बयान में कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और घायल कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई है। अल्बा ने कहा कि फिलहाल प्लांट को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही संचालन को सामान्य बनाए रखने के प्रयास जारी हैं।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। ईरानी सरकारी मीडिया आईआरआईबी के अनुसार, आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में यूएई के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) प्लांट को लक्षित किया गया।

आईआरजीस ने आरोप लगाया कि ये औद्योगिक इकाइयां अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग से जुड़ी हैं। ये संयंत्र अमेरिकी सैन्य उत्पादन को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देते हैं। ईरान ने कहा कि यह हमले उसके औद्योगिक ढांचे पर हुए कथित अमेरिकी-इजराइल हमलों के जवाब में किए गए हैं।

उधर, ईरान ने मध्य पूर्व में स्थित इजराइली और अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर हमले करने की धमकी दी है। यमन के हूती विद्रोहियों ने ईरान के समर्थन में इजराइल पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया है। ईरान ने कहा है कि इजराइल और अमेरिका देश पर लगातार हमले कर रहे हैं। बुशेहर प्रांत और खुजेस्तान प्रांत में हुए हमले का हर हाल में बदला लिया जाएगा।

अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजराइल के बुशेहर प्रांत में किए गए हमले में एक परिवार के चार सदस्य मारे गए। दोनों देशों ने खुजेस्तान प्रांत में एक जल सुविधा पर हमला किया। इसके जवाब में, तेहरान ने मध्य पूर्व में स्थित इजराइली और अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर जवाबी हमला करने की धमकी दी है। इसके अलावा यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर मिसाइलों और ड्रोन से दूसरा हमला किया है।

अल जजीरा का दावा है कि इजराइल के तेल अवीव और अमेरिकी शहरों में प्रदर्शनकारी ईरान के खिलाफ युद्ध का विरोध करने के लिए रैलियां कर रहे हैं। वहीं, लेबनान में लोग इजराइल के हमले में तीन पत्रकारों को मारे जाने के विरोध में बेरूत की सड़कों पर उतर आए हैं। ईरान के जवाबी हमलों से इजराइल और खाड़ी क्षेत्र में जान-माल का नुकसान हुआ है।

मन की बात : प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा में नवाचार पर दिया जोर, बेंगलुरु के अन्वेषण पहल की सराहना की

नयी दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में शिक्षा में प्रयोग आधारित सीख के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने करत-करत अभ्यास के, जड़मत होत सुजान कहावत का जिक्र करते हुये कहा कि निरंतर अभ्यास से ही ज्ञान और समझ बढ़ती है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि छात्र सबसे बेहतर तब सीखते हैं, जब वे किसी विषय में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और खुद प्रयोग करके समझते हैं।

श्री मोदी ने बेंगलुरु में चल रही एक अनूठी पहल का जिक्र किया, जहां प्रयोग शिक्षा अनुसंधान संस्थान की टीम स्कूल स्तर पर विज्ञान शिक्षा को लोकप्रिय बनाने का कार्य कर रही है। इस टीम द्वारा शुरू किए गए अन्वेषण कार्यक्रम के तहत 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को केमिस्ट्री, अर्थ साइंस और वेलनेस जैसे विषयों में नवाचार और रिसर्च करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से छात्रों को न केवल अनुसंधान का व्यावहारिक अनुभव मिलता है, बल्कि उन्हें अपने प्रोजेक्ट्स को प्रकाशित करने का मंच भी उपलब्ध होता है।श्री मोदी ने कहा कि परीक्षा पर चर्चा के दौरान कई छात्रों ने विज्ञान पढ़ने की इच्छा जताई, लेकिन साथ ही डर भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 'अन्वेषण' जैसी पहलें छात्रों को विज्ञान से जोड़ने और उसे आसान व रोचक बनाने में मदद करती हैं। जब छात्र खुद प्रयोग करते हैं, तो उनमें जिज्ञासा और रुचि दोनों बढ़ती हैं।श्री मोदी ने विश्वास जताया कि ऐसे प्रयासों से देश में नई पीढ़ी के वैज्ञानिक तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि यह कहना मुश्किल नहीं कि आज के यह छात्र ही भविष्य में देश और दुनिया के बेहतरीन वैज्ञानिक बन सकते हैं।

मोदी का नागरिकों से जल संरक्षण का संकल्प दोहराने का आग्रह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संचय को आवश्यक बताते हुए कहा है कि देश के कई हिस्सों में गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है और जल संकट से बचने के लिए देशवासियों को जल संरक्षण के अपने संकल्प को दोहराने की आवश्यकता है।

श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी से प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 132वीं कड़ी में कहा कि पिछले 11 वर्षों में जल संचय अभियान ने लोगों को काफी जागरूक बनाया है। इस अभियान के तहत देश भर में करीब 50 लाख कृत्रिम जल संचय ढांचे बनाए गए हैं।

उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर अच्छा लगता है कि अब जल संकट से निपटने के लिए गाँव-गाँव में सामुदायिक स्तर पर प्रयास होने लगे हैं। कहीं पुराने तालाबों की सफाई हो रही है, तो कहीं वर्षा जल को सहेजने के प्रयास किए जा रहे हैं। अमृत सरोवर अभियान के तहत भी देशभर में करीब 70 हजार सरोवर बनाए गए हैं। बारिश का मौसम आने से पहले इनकी साफ-सफाई भी शुरू हो गई है। मैं इस बारे में आपसे कुछ प्रेरक उदाहरण भी साझा करना चाहता हूँ। ये उदाहरण बताते हैं कि जनभागीदारी से जल संरक्षण का काम कितना व्यापक हो जाता है।

उन्होंने त्रिपुरा का उदाहरण देते हुए कहा कि जंपुई पहाड़ियों में बसा वांगमुन गाँव, जो लगभग 3000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, कभी गंभीर जल संकट से जूझ रहा था। गर्मियों में लोगों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। बाद में ग्रामीणों ने वर्षा जल की हर बूंद को सहेजने का संकल्प लिया। आज इस गाँव के लगभग हर घर में वर्षा जल संचयन के उपाय किए गए हैं और यह गाँव जल संरक्षण की प्रेरक मिसाल बन गया है।

प्रधानमंत्री ने एक अन्य उदाहरण देते हुए कहा, इसी तरह छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में भी एक अनोखी पहल देखने को मिली है। यहाँ के किसानों ने अपने खेतों में छोटे-छोटे रिचार्ज तालाब और सोखता गड्ढे बनाए, जिससे वर्षा का पानी खेतों में ही रुकने लगा और धीरे-धीरे जमीन में समाने लगा। आज इस क्षेत्र के 1200 से अधिक किसान इस मॉडल को अपना चुके हैं और भूजल स्तर में सुधार हुआ है। इसी तरह तेलंगाना के मंचेरियाल जिले के मुधिगुंटा गाँव में भी लोगों ने मिलकर पानी की समस्या दूर की है। गाँव के 400 परिवारों ने अपने घरों में सोखता गड्ढे बनाए और जल संरक्षण को जन-आंदोलन बना दिया। इससे गाँव का भूजल स्तर बढ़ा है और प्रदूषित पानी से होने वाली बीमारियाँ भी काफी कम हो गई हैं।''

अमित शाह ने असम में कांग्रेस पर जनसांख्यिकीय परिवर्तन का आरोप लगाया, कहा–

भाजपा 5 साल में हर घुसपैठिए को देश से बाहर निकाल देगी

नलबाड़ी (असम) 29 मार्च (एजेंसियां): असम विधानसभा चुनाव से पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उस पर वोट बैंक की राजनीति के लिए राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने का आरोप लगाया, साथ ही यह दावा किया कि भाजपा सरकार अगले पांच वर्षों के भीतर हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे देश से बाहर निकाल देगी।नलबाड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, वोट बैंक के लालच में कांग्रेस पार्टी ने असम की पूरी जनसांख्यिकी को बदल दिया है। धुबरी और उसके आसपास के नौ जिले अब घुसपैठियों से भरे पड़े हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक अवैध घुसपैठ की अनुमति दी थी। शाह ने कहा, 'कांग्रेस सरकार ने वर्षों तक असम में घुसपैठियों के लिए दरवाजे खुले रखे थे। हमारे मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सीमाएं बंद कर दी हैं... और घुसपैठियों द्वारा कब्जा की गई 1.25 लाख एकड़ जमीन वापस ले ली है। चुनावी माहौल को और भी मज़बूत बनाते हुए, केंद्रीय मंत्री ने घुसपैठ के खिलाफ एक ठोस कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा, आज मैं नलबाड़ी में यह कहने आया हूँ: तीसरी बार कमल के फूल जैसी सरकार बनाइए। अगले पाँच वर्षों में, हम हर एक घुसपैठिए की पहचान करके उसे देश से बाहर निकाल देंगे।भाजपा के रुख को दोहराते हुए शाह ने कहा, हर एक घुसपैठिए का हम पता लगाएंगे, हम उन्हें ढूंढ निकालेंगे, हम उन्हें मतदाता सूची से हटा देंगे और उन्हें वापस वहीं भेज देंगे जहां से वे आए हैं। गृह मंत्री ने असम में शांति बहाल करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकारों को दिया। उन्होंने कहा, दस वर्षों के भीतर... हमने बोडो शांति समझौता, कार्बी आंगलोंग समझौता, डीएनएलए समझौता और यूएलएफए के साथ समझौता किया। आज दस हजार लोगों ने हथियार डाल दिए हैं। उन्होंने इसकी

तुलना कांग्रेस शासनकाल के दौरान व्याप्त अशांति के इतिहास से की।शाह ने आगे दावा किया कि भाजपा शासन के तहत हिंसा और बम विस्फोट की घटनाएं बंद हो गई हैं, और उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में पिछले एक दशक में स्थिरता देखी गई है।शासन को सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते हुए शाह ने जोर देकर कहा, यह भूमि, मिट्टी और संस्कृति हमारी है। किसी भी घुसपैठिए को इस पर कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भाजपा सरकार असम में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की योजना बना रही है, और कहा कि इससे समानता सुनिश्चित होगी और बहुविवाह जैसी प्रथाओं पर अंकुश लगेगा।शाह की ये टिप्पणी ऐसे समय आई है जब असम में 9 अप्रैल को सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों में एक ही चरण में मतदान होने जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, वोटों की गिनती 4 मई को होनी है।असम में 126 सीटों वाली विधानसभा के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस के बीच मुकाबला होगा । मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश करेगी, जबकि कांग्रेस सत्ताधारी दल को हराकर दोबारा सत्ता में लौटने का लक्ष्य रखेगी।

मोदी सरकार सभी की जरूरतों को लेकर चिंतित है : नवीन

गुवाहाटी (असम) भारत, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को मन की बात के 132वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन की सराहना की और कहा कि प्रधानमंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया है कि वैश्विक स्थिति के बीच देश में सामान्य स्थिति बनी हुई है और सरकार उनकी सभी जरूरतों के प्रति चिंतित है।पत्रकारों से बात करते हुए नबीन ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न विषयों पर बात की और हमेशा क्षेत्रों और समाज से जुड़े विभिन्न व्यक्तिगत प्रयासों को प्रमुखता दी। उन्होंने वैश्विक स्थिति के बारे में स्पष्ट रूप से कहा है कि देश सामान्य स्थिति में है। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया है कि सरकार उनकी सभी जरूरतों के प्रति चिंतित है। कोलकाता में आसनसोल दक्षिण से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल ने भी कार्यक्रम की सराहना की।एए-नआई से बात करते हुए पॉल ने कहा, मन की बात प्रधानमंत्री का एक ऐसा कार्यक्रम है जिसके माध्यम से हम गांवों के लोगों से जुड़ते हैं, हमें देश भर की खबरों और हो रही छोटी-छोटी पहलों की जानकारी मिलती है। यह सभी को बहुत प्रेरित करता है। हर बूथ पर कार्यकर्ताओं ने इसे सुना। उन्होंने आगे कहा, यह स्पष्ट है कि जब वैश्विक संकट हो, तो राजनीति में नहीं पड़ना चाहिए। अन्य राज्यों में कोई संकट नहीं है, लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी बार-बार संकट की बात कर रही हैं; ऐसा लगता है कि ममता बनर्जी ने भी इस पर राजनीति शुरू कर दी है। रविवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच खाड़ी देशों द्वारा वहां रहने वाले भारतीयों को दी गई सहायता के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि भारत वैश्विक ईंधन संकट का दृढ़ता से सामना कर रहा है।

भूदान ज़मीनों की सुरक्षा राज्य सरकार की ज़िम्मेदारी : अज़ीज़ पाशा

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीपीआई के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद सैयद अज़ीज़ पाशा ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से अपील की है कि तुरंत 'भूदान यज्ञ बोर्ड' गठित कर बची हुई हज़ारों एकड़ भूदान ज़मीनें भूमिहीन-बेघर गरीबों में बांट दें। भूदान ज़मीनों की सुरक्षा, अवैध कब्ज़ों पर कार्रवाई और वितरण की मांग को लेकर तेलंगाना सर्वोदय मंडली ने शनिवार को इंदिरा पार्क धरना चौक पर विशाल धरना आयोजित किया, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष आर. शंकर नायक ने की। मुख्य अतिथि सैयद अज़ीज़ पाशा ने याद दिलाया कि आचार्य विनोबा भावे ने हैदराबाद रियासत से 1,79,000 एकड़ भूदान ज़मीन इकट्ठा की थी, जो भूमिहीनों के लिए थी; आज भी 1,00,000 एकड़ से ज़्यादा बची हैं, जिनमें सैकड़ों एकड़ पर अवैध कब्ज़े हैं।

उन्होंने सरकार से अपील की कि कब्ज़ा करने वालों पर सख्त कार्रवाई कर ज़मीनें वापस लें और भूदान आंदोलन की भावना के अनुरूप गरीबों में बांटें। आर. शंकर नायक ने आरोप लगाया कि पूर्व बोर्ड अध्यक्ष राजेंद्र रेड्डी ने जाली दस्तावेज़ बनाकर ज़मीनें बेचीं; रंगा रेड्डी जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज, उद्योग आदि अवैध बने हैं। उन्होंने ईडी जांच, आपराधिक मामले और अखिल भारतीय सर्व सेवा संघ की सिफारिश पर नया बोर्ड गठन की मांग की।

धरने में तेलंगाना सर्वोदय मंडली के राज्य महासचिव वाई. गिरी प्रसाद, संगठन सचिव खादर बेग, नेता एस. यादम्मा, रघुपति, शाहीन बेगम, अंबेडकर संगम अध्यक्ष लालैया, आदिवासी जेएसी नेता जरपुला शिवा नायक, सोशलिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (यूनाइटेड) अध्यक्ष बी. पुरुष-त्तम, महासचिव आर. झांसी, जय स्वराज पार्टी अध्यक्ष कसानी श्रीनिवास गौड़, एमसीपीआई सदस्य तुकाराम नायक, वर्कर्स पार्टी अध्यक्ष पांडुरंगा चारी आदि ने भाग लिया।

डीएमके के घोषणापत्र में हमेशा से 'हीरो' की बात होती रही है, इस बार 'सुपरस्टार' की बात हो रही : स्टालिन

चेन्नई (तमिलनाडु), 29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष एमके स्टालिन ने रविवार को द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के घोषणापत्र को सुपरस्टार बताते हुए महिलाओं, परिवारों, युवाओं और किसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई कल्याणकारी उपायों की घोषणा की।चेन्नई में घोषणापत्र के अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा, डीएमके का चुनावी घोषणापत्र हमेशा से हीरो रहा है, लेकिन इस बार यह सुपरस्टार है,यह रेखांकित करते हुए कि इस दस्तावेज़ का उद्देश्य गहरा प्रभाव और व्यापक पहुंच हासिल करना है।मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि घोषणापत्र स्मार्ट आर्थिक गुणकों पर केंद्रित है, जो यह सुनिश्चित करता है कि मौद्रिक सहायता स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा दे, छोटे व्यवसायों का समर्थन करे, कौशल में वृद्धि करे और दीर्घकालिक परिणाम प्राप्त करे, साथ ही विकास और कल्याण के बीच संतुलन बनाए रखे। उन्होंने अल्पकालिक उपायों के बजाय

विकल्प-आधारित शासन और दीर्घकालिक योजना की ओर बदलाव पर भी जोर दिया।प्रमुख घोषणाओं में से एक यह है कि कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थोगई योजना के तहत दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति माह कर दिया जाएगा और इसमें हर साल नए लाभार्थी जोड़े जाएंगे, जबकि विदियल पयानम योजना के तहत महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा जारी रहेगी।मुख्यमंत्री नाश्ता योजना का विस्तार कक्षा 8 तक किया जाएगा। परिवारों को घरेलू सामान खरीदने के लिए महिलाओं को 8,000 रुपये का इला थरासी कूपन दिया जाएगा और चिकित्सा कवरेज को 10 लाख रुपये तक बढ़ाया जाएगा, जिसमें 5 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवार भी शामिल होंगे। वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं और 50 वर्ष से अधिक आयु की अविवाहित महिलाओं के लिए पेंशन बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति माह कर दी जाएगी।युवाओं के लिए, सरकार ने 'नान मुधलवन' योजना के तहत 5 लाख व्यक्तियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने का वादा किया है, जिसमें 1,500 रुपये प्रति माह का वजीफा दिया जाएगा। साथ ही, सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 18 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करना और 50 लाख रोजगार सृजित करना है। पुधुमई पेन और तमिल पुधलवन योजनाओं के तहत कॉलेज जाने वाले छात्रों के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाकर 1,500 रुपये प्रति माह कर दी जाएगी और 35 लाख मुफ्त लैपटॉप वितरित किए जाएंगे।किसानों के लिए, घोषणापत्र में 20 लाख से अधिक लाभार्थियों को मीटर रहित आधुनिक इलेक्ट्रिक पंप सेट मुफ्त देने का वादा किया गया है, साथ ही धान की खरीद दर बढ़ाकर 3,500 रुपये प्रति क्विंटल और गन्ने की खरीद दर बढ़ाकर 4,500 रुपये प्रति टन करने की बात कही गई है। आवास और अवसंरचना के क्षेत्र में, सरकार का लक्ष्य विभिन्न योजनाओं के तहत 10 लाख पक्के मकान बनाना, ग्रामीण सड़कों के लिए 10,000 करोड़ रुपये आवंटित करना, चार वैश्विक शहरों का विकास करना और राज्य भर में 50 सेम्मोझी पूंगा (पारंपरिक मंगोलियाई आवासीय इकाइयां) का निर्माण करना है।शासन व्यवस्था पर स्टालिन ने कहा कि उंगा कनवा सोल्लुंगा के तहत दर्ज लोगों की मांगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि उंगलुदान स्टालिन और नालम काक्कुम स्टालिन शिविरों के माध्यम से घर-घर जाकर सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि एक ही आवेदन से 1,000 सरकारी सेवाओं तक पहुंच संभव होगी और दिव्यांग व्यक्तियों की पेंशन बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह कर दी जाएगी, साथ ही गंभीर रूप से प्रभावित व्यक्तियों के लिए भरण-पोषण भत्ता बढ़ाकर 4,000 रुपये कर दिया जाएगा।

तेलंगाना टीडीपी ने मनाया 44वां स्थापना दिवस

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के 44वें स्थापना दिवस के अवसर पर तेलंगाना के नेताओं ने एनटीआर ट्रस्ट भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस मौके पर तेलंगाना टीडीपी नेताओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य स्थापना दिवस समारोह में भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तेलंगाना टीडीपी के वरिष्ठ नेता बक्कनी नरसिम्हुलू ने कहा कि टीडीपी के गठन के बाद ही तेलंगाना में आम लोगों को असली स्वतंत्रता मिली।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में अछूत प्रथा के उन्मूलन के लिए चंद्रबाबू नायडू द्वारा किए गए प्रयासों को कभी नहीं भुलाया जा सकता। नरसिम्हुलू ने पार्टी के इतिहास और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि टीडीपी ने हमेशा सामाजिक न्याय और समानता के लिए संघर्ष किया है।

इस अवसर पर तेलंगाना टीडीपी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हैदराबाद संसदीय क्षेत्र के कन्वीनर नाकू नागेश, गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र अड़ा हक्कु समिति के सदस्य केडी दिनेश, उर्मिलादेवी सिंह, बीवाई श्रीकांत, सुरेंद्र सिंह बैजू अमरनाथ सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के संस्थापक एनटी रामाराव और वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू के योगदान को याद किया गया।

तेहरान विश्वविद्यालय पर अमेरिकी हमले के बाद ईरान का जवाबी हमला करने की चेतावनी

नयी दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर 30 मार्च दोपहर 12 बजे तक अमेरिका और इजरायल ईरान के शिक्षण संस्थानों पर हुई बमबारी की निंदा नहीं करते हैं, तो वे पश्चिम एशिया में अमेरिकी और इजरायली

विश्वविद्यालयों पर जवाबी हमले करेंगे।ईरानी अधिकारियों ने मार्च महीने में विश्वविद्यालय और कई शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों पर अमेरिकी-इजरायली हमलों की जानकारी दी है, जिसमें 28 मार्च को तेहरान में साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय पर हुआ हमला भी शामिल है। ईरानी मीडिया ने बताया कि वैज्ञानिक और अनुसंधान के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है और कम से कम पांच लोग मारे गए हैं।आईआरजीसी ने एक बयान में ईरानी विश्वविद्यालय पर हुई बमबारी की निंदा करते हुए पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी और इजरायली विश्वविद्यालय को 'वैध लक्ष्य' बताया। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिकी और इजरायली सेनाओं ने तेहरान साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय पर बमबारी करके एक बार फिर ईरानी विश्वविद्यालय को निशाना बनाया है। बयान में कहा गया है कि अमेरिका को यह पता होना चाहिए कि अब से पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी और इजरायली विश्वविद्यालय हमारे लिए वैध लक्ष्य होंगे, ईरानी विश्वविद्यालय के बदले में दो विश्वविद्यालयों पर हमला किया जाएगा।

पलक मुच्छल : नौ साल की उम्र में पहला एलबम चाइल्ड फॉर चिल्ड्रन

आज संगीत की दुनिया पर कर रहीं राज

संगीत की दुनिया में कुछ ही सिंगर्स ऐसे हैं, जिन्होंने कम उम्र में ही अपने हुनर से सबको हैरान कर दिया। पलक मुच्छल इन्हीं खास सिंगर्स में से एक हैं। आज पलक अपने सुरों की वजह से जानी जाती हैं। वह नेक कामों और चैरिटी के लिए भी पहचानी जाती हैं। पलक मुच्छल का जन्म 30 मार्च 1992 को मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में एक मिडिल क्लास परिवार में हुआ था। उनके घर में संगीत का माहौल था। उनकी मां अमृता मुच्छल और पिता राजकुमार मुच्छल ने हमेशा उनके हुनर को प्रोत्साहित किया। पलक का एक छोटा भाई पलाश मुच्छल भी संगीत से जुड़ा है। बचपन से ही पलक की आवाज में एक अलग मिठास और गहराई थी, जिसे सुनकर हर कोई प्रभावित हो जाता था। पलक ने सिर्फ चार साल की उम्र में ही गाना शुरू कर दिया था। उन्होंने शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग ली और बहुत कम उम्र में ही मंचों पर अपनी आवाज का जादू बिखेरना शुरू कर दिया। पलक के करियर की शुरुआत तब हुई जब उन्होंने महज 9 साल की उम्र में अपना पहला एलबम 'चाइल्ड फॉर चिल्ड्रन' रिलीज किया। इस एलबम को टिप्स म्यूजिक ने रिलीज किया था। इस एलबम के जरिए उन्होंने साबित कर दिखाया कि छोटी उम्र में भी बड़ा मुकाम हासिल किया जा सकता है।

पलक ने करियर में आगे बढ़ते हुए कई एलबम और सिंगल्स किए। 'पलकें', 'आओ तुम्हें चांद पर ले जाएं', 'बेटी हूं महाकाल की' और 'दिल के लिए' जैसी कई एलबमों ने उनके हुनर को और भी चमकाया।

बॉलीवुड में पलक की पहचान तब बनी जब सलमान खान ने उन्हें नोटिस किया। साल 2011 में फिल्म 'दमादम' के साथ पलक ने बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने सलमान खान की फिल्म 'एक था टाइगर' के 'लापता' गाने में अपनी आवाज दी और फिर सफलता के दरवाजे उनके लिए खुल गए। इसके बाद पलक ने 'आशिकी 2', 'गब्बर इज बैक', 'सनम रे' और 'एम एस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी फिल्मों में सुपरहिट गाने गाए। उनके गाने हमेशा लोगों की जुबां पर रहते हैं।

पलक सिर्फ अपनी सिंगिंग ही नहीं बल्कि समाज सेवा के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी कमाई का एक हिस्सा हार्ट पेशेंट बच्चों के इलाज में लगाया है और अब तक 2,000 से ज्यादा बच्चों की सर्जरी करवाई है। इसी नेक काम के लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। पलक अपने जन्मदिन पर भी हार्ट पेशेंट बच्चों से मिलने जाती हैं और उनके लिए स्टेज शो आयोजित करती हैं।

पलक मुच्छल को कई पुरस्कारों से नवाजा गया है। उन्होंने युवा कलाकार और लीड सिंगर के तौर पर कई सम्मान प्राप्त किए हैं।

पिता ने वरुण धवन को सिखाया कठिन समय में 'फाइटबैक' का सबक

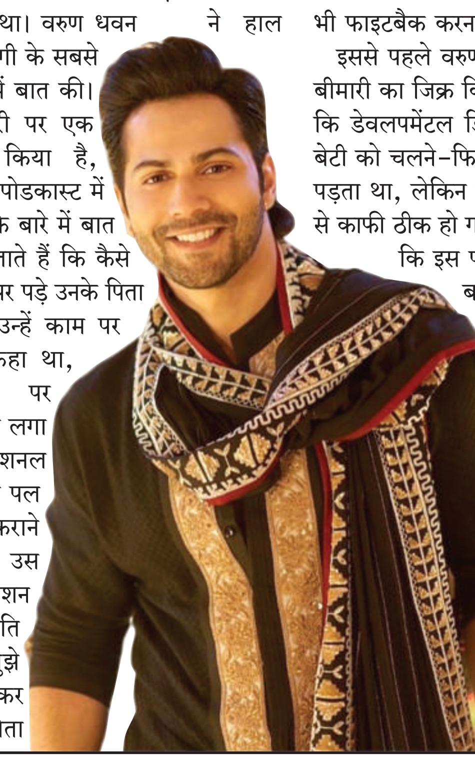

वरुण धवन को बॉलीवुड का सबसे चुलबुला स्टार माना जाता है, जो अपनी एनर्जी से अपने किरदार में जान डालने की क्षमता रखते हैं। वरुण धवन के लिए बीता कुछ समय बेहद मुश्किलों भरा, क्योंकि उन्होंने अपने बीमार पिता को आईसीयू में देखा। हालांकि वो पल उनके लिए और अधिक शक्ति देने वाला था। वरुण धवन ने हाल ही में अपनी जिंदगी के सबसे बुरे दौर के बारे में बात की। उन्होंने इंस्टास्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वो किसी पोडकास्ट में अपने बुरे समय के बारे में बात कर रहे हैं। वे बताते हैं कि कैसे आईसीयू के बेड पर पड़े उनके पिता डेविड धवन ने उन्हें काम पर जाने के लिए कहा था, क्योंकि फिल्म पर प्रोड्यूसर का पैसा लगा है। वरुण ने इमोशनल होकर बताया, वो पल हेल्पलेस फील कराने वाला होता है। उस वक्त भी उनके पैशन और काम के प्रति ईमानदारी ने मुझे अंदर से हिला कर रख दिया। अभिनेता आगे कहते हैं, आईसीयू के बेड पर पड़े मेरे पिता मुझे काम पर जाने के लिए बोल रहे थे। हम नहीं जानना चाहते थे, लेकिन उनका कहना था कि प्रोड्यूसर का पैसा बर्बाद हो जाएगा। उनकी बातों ने मुझे अजीब सी शक्ति दी और प्रेरित किया। उस वक्त मैंने सीखा कि खराब से खराब परिस्थिति में भी फाइटबैक करना कितना जरूरी है।

इससे पहले वरुण धवन ने अपनी बेटी लारा की बीमारी का जिक्र किया था। अभिनेता ने बताया था कि डेवलपमेंटल डिस्प्लेसिया की वजह से उनकी बेटी को चलने-फिरने में परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन एक प्रोसिजर के बाद वह पहले से काफी ठीक हो गई है। अभिनेता ने खुलासा किया कि इस परेशानी में कूल्हा हिप सॉकेट से बाहर निकल जाता है और एक लंबा और छोटा हो जाता है। जब लारा डेढ़ साल की थी, तब हमें इस परेशानी के बारे में पता चला था।

वरुण धवन ने सभी माता-पिता से गुजारिश करते हुए कहा कि बच्चे की ग्रोइंग एज में उनका खास ख्याल रखें और उनकी मूमेंट पर भी फोकस रखें।

किसी को प्रभावित करने की कोशिश मत करो

कंगना रनौत ने दिया फैंस को जिंदगी जीने का मूलमंत्र

संसद से लेकर सोशल मीडिया पर बेबाक राय रखने वाली भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। रविवार को उन्होंने अपने फैंस को मोटिवेट करते हुए अपने विचार शेयर किए। अभिनेत्री का कहना है कि दूसरों को प्रभावित करने में जिंदगी निकाल देना गलत है। कंगना हमेशा हर विषय पर खुलकर राय रखती हैं और यही बातें उन्हें दूसरों से अलग बनाती हैं। अभिनेत्री ने खुद को तवज्जो देने की बात कही और बताया कि लोग क्यों किसी को पसंद और नापसंद करते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, आज का विचार... लोग आपको इसलिए पसंद नहीं करते, क्योंकि आप दयालु, सफल या उदार हैं। वे आपको इसलिए पसंद करते हैं, क्योंकि वे खुद दयालु, सफल और उदार हैं। किसी को प्रभावित करने की कोशिश मत करो। वे तभी प्रभावित होंगे जब वे खुद प्रभावशाली होंगे। अभिनेत्री ने आगे लिखा, दूर रहो क्योंकि अगर तुम बहुत ज्यादा कोशिश करोगे तो वे तुमसे नफरत करने लगेंगे। अपना समूह ढूंढो, वहां बसने की कोशिश मत करो,जहां तुम अस्थिर महसूस करते हो। उठो और चमको।

कंगना सिनेमा की वो अभिनेत्री हैं जिन्होंने बिना किसी गॉडफादर के सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है और संसद तक का सफर पूरा किया है। उन्होंने किसी भी परिस्थिति में हार मानना नहीं सीखा है। राजनीति में आने से पहले उन्होंने सिनेमा में फैले नेपोटिज्म पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने निर्माताओं और निर्देशकों पर भी आरोप लगाए कि वे सिर्फ अपने करीबी दोस्तों के बच्चों को सिनेमा में लॉन्च करते हैं, जिन्हें एक्टिंग का 'ए' भी नहीं आता। उन्होंने आलिया भट्ट और अनन्या पांडे को निशाना बनाकर करण जौहर पर बहुत बार हमला बोला है।

आज अभिनेत्री फिल्मों के साथ जनहित के मुद्दों पर बात करती है और मंडी के विकास और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। सांसद बनने के बाद अभिनेत्री लगातार खादी को प्रमोट कर रही हैं और संसद में अपनी ट्रेडिशनल साड़ियों के लिए जानी जाती हैं।

धुरंधर 2 के बाद संजय दत्त का नया धमाका, 'आखिरी सवाल' का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

अभिनेता संजय दत्त इन दिनों आदित्य धर द्वारा निर्देशित स्पाइ एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर 2' में एसपी चौधरी असलम की दमदार भूमिका के लिए सुर्खियों में बने हुए हैं। मूवी में संजय दत्त की एक्टिंग, एक्शन सीन्स, जबरदस्त डॉयलॉग और स्क्रीन प्रजेंस काफी पसंद की जा रही है। इस बीच अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'आखिरी सवाल' का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर कर फैंस को एक और सरप्राइज दिया है। 'आखिरी सवाल' के निर्माताओं ने गुरुवार को फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी। संजय दत्त ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, यह वो सवाल है जो भारत ने कभी पूछना बंद नहीं किया। इसका जवाब जानने के लिए तैयार हो जाइए। 15 मई को सिर्फ सिनेमाघरों में। पोस्टर में संजय दत्त का एक सीरियस और दमदार लुक नजर आ रहा है।अभिजीत मोहन वारंग द्वारा निर्देशित और निखिल नंदा द्वारा निर्मित 'आखिरी सवाल' एक आगामी हिंदी फीचर फिल्म है, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्षों के इतिहास और विचारधारा पर आधारित है। मूवी की स्क्रिप्ट उत्कर्ष नैथानी ने लिखी है।

जब जीवन उलझा हो, तो शब्द ही जमीन देते हैं : लिसा रे

मशहूर कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे अक्सर सोशल मीडिया के जरिए कई मुद्दों पर अपनी राय रखती रहती हैं। शुक्रवार को उन्होंने एक खास नोट के जरिए बताया कि अभी वे अपनी आगामी कविताओं की एक किताब पर काम कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट शेयर किया। इस नोट में उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उन्होंने एक ऐसी शांत जगह बनाई थी, जहां वे अपनी कविताएं शेयर कर सकें। अभिनेत्री ने लिखा, मेरे लिए शब्द हमेशा से सहारा रहे हैं, जब जीवन उलझा हुआ लगता है, तो केवल भाषा ही मुझे स्थिर जमीन देती है। मैं अब धीरे-धीरे, निजी तौर पर कविताओं की एक किताब पर काम कर रही हूं और अब लगता है कि इस हिस्से को सभी के सामने लाने का समय आ गया है। अभिनेत्री ने आगे लिखा कि अंधेरे में लोग गीत गाते हैं, कला बनाते हैं और भाषा की मदद से उस भार को संभालते हैं, जो अकेले उठाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। उन्होंने लिखा, मेरे दूसरे घर दुबई में हाल की घटनाओं को देखना बहुत कठिन रहा। यूएई के नागरिक अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं और वहां की नेतृत्व व्यवस्था अच्छी है, लेकिन अनिश्चितता, दोस्तों के संदेश और सबके सांस रोककर इंतजार करना बहुत भारी पड़ रहा है।

बता दें कि अपनी पोस्ट में लिसा ने एक कविता भी शेयर की, जो सुबह-सुबह उनके मन में आई। वहीं, अभिनेत्री ने बिना किसी बदलाव के इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। अभिनेत्री ने बताया कि ये कविता खासतौर पर उन लोगों के लिए है, जो अस्थिर परिस्थितियों में जी रहे हैं।

अभिनेत्री ने लिखा, मेरे पति का पालन-पोषण लेबनान में हुआ, जहां ऊपर से मिसाइलें गिरती रहती थीं। यह कविता उनके साहस, परिवार की दृढ़ता और दुनियाभर के उन परिवारों के लिए है, जिनकी सामान्य जिंदगी में सायरन की आवाज हमेशा शामिल रही है।

लिसा ने कविता की एक खास पंक्ति सभी के साथ शेयर की। उन्होंने लिखा, जब आप पंखुड़ियों की ओर हाथ बढ़ाते हैं और सिर गायब होता है।

अभिनेत्री ने बताया कि ये पंक्ति उनकी बहन के आने वाले उपन्यास 'द फर्स्ट हाउस' से प्रेरित है। अभिनेत्री ने लिखा, कला एक-दूसरे से जुड़ती है और हम दूसरे के शब्दों से साहस लेते हैं।

अंत में उन्होंने संदेश देते हुए लिखा, अगर समय अनिश्चितताओं से भरा है, तो इसका जवाब सृजन से दें, सहानुभूति से दें, और आवाज उठाकर दें।

लिसा रे ने बताया कि उनकी कविता की किताब जल्द ही रिलीज होने वाली है। उन्होंने लोगों से इसे प्री-ऑर्डर करने की अपील की और कहा कि वे मानती हैं यह साल की सबसे चर्चित किताबों में से एक होगी।

अपारशक्ति खुराना का नया गाना 'तेरे पीछे' रिलीज

अभिनेता और गायक अपारशक्ति खुराना ने अपना नया रोमांटिक गाना 'तेरे पीछे' रिलीज कर दिया है। इस गाने में अभिनेत्री महिमा मकवाना भी नजर आ रही हैं। गाने में दोनों की केमिस्ट्री स्क्रीन पर काफी पसंद की जा रही है। हर जॉनर की फिल्मों में काम कर चुके अपारशक्ति खुराना फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के लिए खासा मशहूर हैं, अब वह संगीत के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। वह एक्टिंग के साथ-साथ गायकी और गीत लेखन में भी काम कर रहे हैं। यह गाना उनके नए ईपी 'बिटवीन अस' का हिस्सा है, जो अब स्पॉटिफाई, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। मेकर्स के अनुसार, 'तेरे पीछे' एक सुकून भरा, प्यार से ओत-प्रोत गाना है। इसमें प्यार की खूबसूरती और नाजुक भावनाओं को बहुत खूबसूरती से दर्शाया गया है। गाने की खास बात अपारशक्ति की मधुर आवाज और महिमा मकवाना की नेचुरल परफॉर्मेंस है, जो इसे और भी दिल को छू लेने वाला बनाती है।

अपारशक्ति खुराना ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा, 'तेरे पीछे' मेरे सबसे खास गानों में से एक है। यह प्यार की तड़प और सुकून दोनों को महसूस कराता है। मैंने इसे साक्षी रट्टी और मीर देसाई के साथ मिलकर बनाया है। यह कविता और आधुनिक मधुर संगीत का सुंदर मेल है। मैं चाहता हूं कि लोग इसे अपने खास व्यक्ति के साथ सुनें और प्यार की खूबसूरती को गहराई के साथ महसूस करें। गाने के बोल साक्षी रट्टी और अपारशक्ति खुराना ने लिखे हैं। संगीत साक्षी रट्टी और मीर देसाई ने दिया है। म्यूजिक वीडियो में अपारशक्ति और महिमा की जोड़ी दर्शकों को आकर्षित कर रही है। दोनों की स्क्रीन प्रेजेंस और केमिस्ट्री गाने को और आकर्षक बना रही है। यह गाना अपारशक्ति के नए ईपी 'बिटवीन अस' का पहला ट्रैक है। इस ईपी में दो अन्य गाने भी शामिल हैं, इनमें 'गुलाबी आसमान' और 'आखरी वार'भी शामिल है। तीनों गाने अलग-अलग संगीत शैली में हैं, लेकिन इनमें आम जिंदगी की भावनाएं, प्यार और रिश्तों की नाजुकता जुड़ी हुई है।

'धुरंधर 2' से प्रभावित होकर राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार' सीरीज टाली, बनाएंगे सिंडिकेट

फिल्म निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा आदित्य धर की हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर 2' से खासा प्रभावित हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बार फिर से फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने अपने बचपन के सपनों के बारे में दिलचस्प बातें साझा कीं। साथ ही बताया कि अब 'सरकार' नहीं बल्कि 'सिंडिकेट' पर काम करना चाहते हैं। राम गोपाल वर्मा ने बताया कि 10 साल की उम्र में वह ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहते थे, क्योंकि एक्सीलरेटर तेज होने पर निकलने वाली 'वूम-वूम' की आवाज उन्हें बहुत आकर्षित करती थी। एक लंबा नोट लिखते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा, बदलाव ही एकमात्र स्थिर चीज है जिसके साथ हम सब बड़े हुए। मेरे जीवन के शुरुआती सालों में सपने लगातार बदलते रहे। उन्होंने लिखा, जब मैं करीब 10 साल का था, तो ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहता था। फिर 15 साल की उम्र में चचेरे भाई से प्रेरित होकर जंगल में रहना चाहा। कुछ साल बाद इंजीनियर बनने का सपना देखा, लेकिन फिर मन बदलकर डायरेक्टर बनने का फैसला किया।

फिल्म मेकर ने अपनी पढ़ने की आदतों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एनिड ब्लाइटन की किताबें उन्हें बहुत पसंद थीं, लेकिन जब जेम्स हैडली चेस के बारे में पता चला तो वे उन्हें सबसे शानदार लेखक लगे। बाद में फ्रेडरिक फोर्सिथ ने उन्हें और भी ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने लिखा कि नए अनुभव हमें बदलते हैं और हमारे बेंचमार्क को ऊंचा उठाते हैं, ऐसा होना भी चाहिए।अपनी फिल्मों के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी बेंचमार्क फिल्में 'द साउंड ऑफ म्यूजिक' (जिससे 'रंगीला' प्रेरित हुई), 'एक्सॉर्सिस्ट' (जिससे 'रात' और 'भूत') व 'गॉडफादर' (जिससे 'सत्या', 'कंपनी' और 'सरकार' सीरीज) रही हैं। उन्होंने मुख्य रूप से 'गॉडफादर' से प्रेरणा लेकर फिल्में बनाईं।

उन्होंने 'धुरंधर: द रिवेंज' की खूब तारीफ की। साथ ही कहा कि इस फिल्म ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने 'सरकार' फ्रैंचाइजी की अगली कड़ी को टाल दिया है और अब 'सिंडिकेट' पर काम करने का फैसला किया है। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, जानिए सिंडिकेट क्यों, सरकार क्यों नहीं? सिंडिकेट की कहानी इस सोच पर आधारित है कि क्या होगा अगर भारत का पूरी कानून-व्यवस्था एक दिन में ही ढह जाए? यह हॉरर फिल्म जैसी होगी, लेकिन कोई सुपरनैचुरल तत्व नहीं, बल्कि इंसानी दिमागों में छिपी भयानक चीजों को दिखाएगी। यह एक ऐसे संगठन की कहानी है जो इतना शक्तिशाली और संगठित हो जाता है कि देश के अस्तित्व के लिए खतरा बन जाता है।राम गोपाल ने आगे बताया कि 'धुरंधर 2' देखने के बाद उनकी पुरानी फिल्में उन्हें कुछ भी नहीं लगतीं। अगर पहले 'गॉडफादर' उनका पैमाना था, तो अब 'धुरंधर 2' को वह 'गॉडफादर का भी गॉडफादर' मानते हैं।

02 अप्रैल को मंगल का मीन राशि में गोचर

मंगल करेंगे मीन राशि में गोचर और बनेगी शनि-मंगल की युतिमंगल करेंगे मीन राशि में गोचर और बनेगी शनि-मंगल की युति

02 अप्रैल को मंगल मीन राशि में गोचर करने वाले हैं, जहां पर पहले से शनिदेव विराजमान हैं जिसके कारण मीन राशि में शनि-मंगल की युति बनेगी। मीन राशि पर देवगुरु बृहस्पति का स्वामित्व होता है। वहीं ज्योतिष में शनिदेव को कर्मफलदाता और मंगल को युद्ध, साहस, पराक्रम और भूमि आदि का कारक ग्रह माना जाता है। शनि और मंगल दोनों की ही गिनती पाप ग्रहों में होती है और दोनों का एक ही राशि में आने से प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिलेगा। हालांकि कुंडली में ग्रहों की स्थिति से कुछ राशि वालों के लिए बहुत ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिससे कुछ राशि वालों पर सकारात्मक प्रभाव देखने को भी मिल सकता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मंगल गोचर मीन राशि में 2 अप्रैल को होने जा रहा है। ज्योतिष गणना के अनुसार 18 महीने बाद गुरु की राशि मीन में मंगल प्रवेश करेंगे। जहां सूर्य, शनि और शुक्र पहले से ही विराजमान हैं। ऐसे में मंगल के गोचर से शनि मंगल योग भी बनेगा। मंगल और शनि दोनों को पाप ग्रह माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में दोनों क्रूर ग्रहों की युति को प्रतिकूल प्रभाव देना वाला माना जाता है। इन दोनों ग्रहों की युति से देश दुनिया में अप्रिय घटनाएं घटने की संभावना है। वर्तमान समय में कई देशों में चल रही युद्ध की स्थिति और तेज हो सकती है। ऐसे में मीन राशि में मंगल का गोचर कन्या और मीन समेत कई राशियों के जीवन में उतार चढ़ाव लेकर आने वाला साबित होगा।

मंगल ग्रह को मेष और वृश्चिक राशि का स्वामित्व प्राप्त है। यह मकर राशि में उच्च होता है, जबकि कर्क इसकी नीच राशि है। मंगल के शुभ होने पर व्यक्ति को जीवन में सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है। मंगल को ज्योतिष शास्त्र में सेनापति माना गया है। मंगल समस्त साहसिक कार्य जैसे सेना, अग्निशमन सेवाएं, पुलिस आदि के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता का भी प्रतिनिधित्व करता है। मंगल अग्नि तत्व ग्रह होने के साथ-साथ एक उत्तेजनात्मक ग्रह भी है। मंगल का प्रभाव युद्ध, भूमि, साहस, पराक्रम और बिजनेस पर भी होता है

शनि और मंगल की युति

जब भी शनि का मंगल से संयोग होता है तो देश और दुनिया में जनविद्रोह, आंदोलन और युद्ध जैसे हालात बन जाते हैं। शनि और मंगल की इस युति को 'द्वंद्व योग' कहा जाता है। शनि अनुशासन और न्याय के देवता हैं, जबकि मंगल अग्नि और साहस के। मीन राशि (जल तत्व) में इनका मिलन मानसिक अशांति और वैचारिक मतभेद पैदा कर सकता है। मीन राशि समुद्र और जल का प्रतिनिधित्व करती है, इसलिए इस समय के दौरान समुद्री तूफान या जल से संबंधित प्राकृतिक आपदाओं की संभावना बढ़ जाती है।

मंगल का शुभ-अशुभ प्रभाव

मंगल की वजह से हवाई या पानी से जुड़ी दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है। प्रशासनिक फेरबदल हो सकता है। सोने-चांदी की कीमतें बढ़ सकती हैं। रेशमी कपड़े, प्लास्टिक और रसायनिक चीजों की कीमतें भी बढ़ने के योग बन रहे हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बाद तेजी आएगी। मशीनरी भी महंगी हो सकती हैं। इनके अलावा खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आने की संभावना है। दलहन और तिलहन भी सस्ता होगा। इसके साथ ही प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री के लिए सामान्य समय रहेगा। सेना और पुलिस विभाग से जुड़े बड़े मामले सामने आ सकते हैं। जल सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी।

करें पूजा-पाठ और दान

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हं हनुमते नम, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का मीन राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि – मेष राशि के लोगों की रुचि धार्मिक कार्यों में बढ़ेगी, वहीं तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। अनावश्यक खर्चे बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में भी चुनौतियां आ सकती हैं, पैसों का लेन-देन न करें।

वृषभ राशि –वृषभ राशि के लोगों को अचानक धन लाभ हो सकता है। नौकरी मिलने की भी संभावना हैं। व्यापार करने वालों को भी लाभ हो सकता है। स्वस्थ रहो। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन राशि – मंगल के गोचर से कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा रहेगा, मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सरकारी सेवकों की पदोन्नति हो सकती है, नया घर खरीदने के भी योग बन रहे हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क राशि–अगर आप कोई नया स्टार्टअप शुरू करने की सोच रहे हैं तो आपको सफलता मिलेगी। नौकरी और व्यापार में लाभ मिलेगा। आप ऊर्जावान रहेंगे और मेहनत भी करेंगे। नया घर खरीदने के योग बन रहे हैं।

सिंह राशि –सेहत का ध्यान रखना होगा, विशेषकर माता पिता की सेहत का ध्यान रखें। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाह हो सकता है। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है।

कन्या राशि– कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए यह एक अच्छा समय है। पैसों के लेनदेन में सावधानी बरतें। विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। घर में सुख शांति बनी रहेगी।

तुला राशि–स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। भाग्य आपका साथ देगा, धन लाभ होगा। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ होगा। गलत काम न करें वरना आपको कोर्ट जाना पड़ सकता है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें वरना दुर्घटना हो सकती है।

वृश्चिक राशि– कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, लाभ होगा। खर्चे बढ़ेंगे, बचत करना सीखना बेहतर है। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी, प्रेम संबंधों में तनाव रहेगा, संयम से बात करके गलतफहमियों को सुलझाना बेहतर होगा।

धनु राशि –भूमि लाभ के योग हैं। प्रमोशन हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें, धन लाभ होगा। मकान खरीदने के योग हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बहस करने से बचें।

मकर राशि –मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, भाई-बहन का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में प्रमोशन हो सकता है। व्यापार करते हैं, तो यह फलता-फूलता रहेगा। सरकारी नौकरी से जुड़े होने पर लाभ होगा। कर्ज से मुक्ति मिलेगी। जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुंभ राशि –आपके जीवन में चुनौतियां बनी रहेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा और लाभ होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। यदि आपने शेयर बाजार में पैसा लगाया है तो अचानक धन लाभ होने की संभावना है।

मीन राशि –धार्मिक स्थलों पर जाने के योग बन रहे हैं। मंगल आपकी राशि में गोचर कर रहा है और यह गोचर आपके लिए भाग्यशाली साबित होगा। आपकी पराक्रम में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आय के स्रोत होंगे, धन लाभ होगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शुभ अवसर पर करें वास्तु देवता का पूजन सुख-शांति और समृद्धि का मिलेगा आशीर्वाद

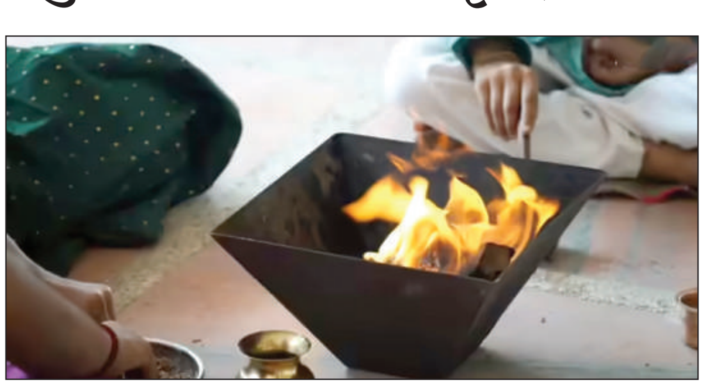

भगवान शिव शंकर ने अंधकासुर नामक दैत्य को युद्ध में मार डाला, उस श्रम से भगवान के ललाट से पृथ्वी पर पसीना गिरा। इससे एक भीषण और विकराल मुख वाला जीव उत्पन्न हुआ, वही 'वास्तु पुरूष' कहलाया। शुभ अवसरों पर वास्तु पूजन करना अनिवार्य है, सुख समृद्धि हेतु वास्तु देव का पूजन इन अवसरों पर भी करना चाहिए।

टूटे-फूटे मकान के जीर्णोद्धार के समय तथा द्वार बनाते समय।

अग्नि और बिजली से जले हुए भवन में दोबारा प्रवेश के समय।

खाली पड़े मकान (जिसमें सर्प या उल्लू रहते हो) में पुनः प्रवेश करते समय।

रात्रि के समय, जिस घर में जंगली जानवर, बिल्लियां तेज गर्जना के साथ लड़ती हों।

दस दिनों तक जिस घर में कौवों का एकछत्र राज अर्थात वास रहा हो, उस मकान में दोबारा प्रवेश करते समय।

दहलीज पूजन के समय, मकान पूर्ण होने पर, ग्रह प्रवेश के समय तथा निर्माण से पूर्व भी वास्तु देवता का पूजन अत्यन्त आवश्यक है।

जिस घर में जंगली कबूतरों का वास हो तथा जहां घर की लोग आपस में लड़ते-झगड़ते या रोते रहते हों, ऐसे अनेक प्रकार के दूषित भवन में सुख, शांति, ऐश्वर्य की प्राप्ति तथा धन-अभाव और कष्टों को दूर कर कल्याण हेतु वास्तु देवता का पूजन अत्यन्त आवश्यक है।

प्रतिवर्ष यज्ञ में एवं संतान के जन्म, विवाह या फिर किसी भी बड़े उत्सव में, तीर्थ आदि से लौटकर वास्तु का पूजन अवश्य करना चाहिए।

ब्रह्मा जी द्वारा दिया गया वरदान

ब्रह्मा जी ने वास्तु पुरुष को वरदान दिया कि जो कोई भी पृथ्वी पर भवन आदि बनायेगा वह उस समय वास्तु पुरुष की पूजा कर उसे प्रसन्न करेगा। ऐसा न करने वाला मनुष्य नाना प्रकार की कठिनाइयों का सामना करेगा। भवन निर्माण करने वाला व्यक्ति जो कुछ भी पूजा-पाठ, शांति के लिए यज्ञ आदि करेगा वह वास्तु पुरुष को आहार के रूप में प्राप्त होगा तथा वास्तु पूजा न करने वाले वास्तु पुरुष के आशीर्वाद से वंचित रह जाएगा। भवन में सुख शांति के लिए वास्तु पुरुष का आशीर्वाद प्राप्त करना अनिवार्य रहेगा।

क्या फल देती है हाथ की छठी उंगली

सामुद्रिक शास्त्र से जानें व्यक्ति का स्वभाव

भविष्य बताने की अनेक विधियां हैं, सिद्ध पुरुष व्यक्ति के चेहरे को देखकर, उसके हाव-भाव, चाल- चलन आदि गतिविधियों के बारे में सटीक आकलन कर देते हैं। शारीरिक लक्षणों के बारे में सामुद्रिक शास्त्र में व्यक्ति के व्यक्तित्व से जुड़े अनेक रहस्यों से पर्दा उठाया गया है। सामान्य तौर पर प्रत्येक मनुष्य के हाथ में पांच उंगलियां, अंगूठा, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका एवं कनिष्ठिका ही होती है, लेकिन कुछ व्यक्तियों के हाथ में प्राकृतिक रूप से छठी अतिरिक्त उंगली भी देखी जाती है। वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं के अनुसार प्रत्येक एक लाख व्यक्तियों में से लगभग पचास व्यक्ति ऐसे पैदा होते हैं जिनके या तो हाथ में या फिर पैर में अतिरिक्त उंगली होती है।

प्राचीन मतानुसार हाथ में अतिरिक्त छठी उंगली व्यक्ति के सौभाग्य का सूचक मानी जाती है परन्तु आधुनिक हस्तरेखा शास्त्री छठी उंगली के धारक को जादू-टोना, वशीकरण, विद्वेषन, मोहन, मारण, शांतिकर्म, स्तंभन षटकर्म, इन्द्रजाल, तंत्र-मंत्र जैसी अन्य तांत्रिक एवं मायावी विद्याओं में पारंगत होने का संकेत देते हैं। हाथ में अतिरिक्त छठी उंगली की स्थिति दो प्रकार से हो सकती है। एक कनिष्ठिका उंगली के बगल में, दूसरी अंगुष्ठ के जुड़वा के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है।

छठी उंगली कनिष्ठिका की सहोदर होने पर व्यक्ति को दूसरों से ज्यादा अनुभवी, चालाक एवं कूटनीतिज्ञ बनाती है। ऐसा व्यक्ति जीवन में एक लक्ष्य बनाकर नहीं चल पाता, वह समय-समय पर अपने विचार एवं निर्णय बदलता रहता है। ऐसे में उसका अन्दरूनी व्यवहार एवं स्वभाव सृष्टिकर्ता ब्रह्मा जी के सिवा कोई नहीं जान सकता।

हाथ की छठी उंगली यदि अंगुष्ठ के सहोदर अंगुष्ठ के रूप में हो तो व्यक्ति में विवेक की मात्रा सामान्य से कहीं अधिक होती है लेकिन विवेक का दुरुपयोग भी इस छठे अंगुष्ठ रूपी उंगली की विशेषता है। हाथ में छठी उंगली के रूप में अंगुष्ठ को लिए अपनी पहली फिल्म से रातों-रात प्रसिद्ध हुए फिल्म अभिनेता ऋतिक रोशन इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। सामुद्रिक शास्त्र में मनुष्य के इन्हीं सब लक्षणों की विस्तृत चर्चा की गई है।

सीढ़ियों के नीचे क्या रखना चाहिए? इन वास्तु टिप्स का रखेंगे ख्याल तो घर की एनर्जी रहेगी पॉजिटिव

अगर घर वास्तु अनुसार हो तो वहां वास्तु दोष नहीं लगता है और परिवार के भाग्य में भी वृद्धि हो सकती है। वास्तुशास्त्र में सीढ़ियों का खास महत्व बताया गया है। अगर सीढ़ियां वास्तु अनुकूल न हो तो इससे वास्तु दोष लग सकता है। ऐसे में परिवार को घर से जुड़ी समस्याओं, धन की हानि, बाधाओं आदि परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यही कारण है की सीढ़ियों का सही दिशा में होना आवश्यक होता है। लेकिन अगर सीढ़ियां गलत दिशा में बन गई हों या आप इसके नीचे के स्थान को प्रयोग में लाना चाहते हैं तो उसके लिए कुछ वास्तु टिप्स को आजमा सकते हैं। जिस दिशा में सीढ़ी बनी हो उसी के अनुसार उसके नीचे कुछ चीजें रखना शुभ माना जाता है और इससे वास्तु दोष कम हो सकता है। आइए विस्तार से जानें की सीढ़ियों के नीचे क्या-क्या रख सकते हैं।

सीढ़ियां ईशान कोण में हो तो नीचे रखें ये चीजें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में सीढ़ियों का होना शुभ नहीं माना जाता है। यह दिशा जल तत्व से संबंधित होती है। ऐसे में इस स्थान का वास्तु दोष कम करने के लिए आप जल से संबंधित चीजें सीढ़ियों के नीचे रख सकते हैं। इसके लिए वॉटर फाउंटेन और पौधे भी रख सकते हैं। लेकिन इसके लिए चीनी मिट्टी के गमलों का ही प्रयोग करें। मिट्टी के गमले भारी होते हैं और उसकी मिट्टी झड़ती रहती है। वास्तु के अनुसार, ईशान कोण हमेशा हल्का और साफ सुथरा होना चाहिए। ऐसे में इस स्थान पर छोटे चीनी मिट्टी के गमले में पौधे लगाकर रखें। इसके अलावा, कांच की बोतल में पानी भरकर भी आप पौधे लगा सकते हैं।

दक्षिण-पूर्व और दक्षिण दिशा में सीढ़ियां हो तो नीचे रखें ये चीजें

आग्नेय कोण में सीढ़ियां होना वास्तु के अनुसार सही माना जाता है। दक्षिण-पूर्व दिशा को अग्नि से संबंधित माना गया है ऐसे में इस दिशा में मौजूद सीढ़ियों के नीचे आप अग्नि तत्व से जुड़ी चीजें रख सकते हैं। यहां इवेंटर, वस्त्र प्रेस करने का स्थान, गैस सिलेंडर आदि रख सकते हैं। इसके अलावा, वास्तु अनुसार आग्नेय कोण में सीढ़ियों के नीचे बड़े गमले में बड़े पौधे लगाकर रख सकते हैं। इससे आसपास की एनर्जी संतुलित बनी रहती है। वहीं, वास्तु अनुसार दक्षिण दिशा में भारी वस्तुएं रखनी चाहिए। ऐसे में आप यहां भी बड़े गमले, मीटर रूम या इनवर्टर रख सकते हैं।

उत्तर और पूर्व दिशा में सीढ़ियां हो तो ये चीजें करें प्रयोग

अगर घर में सीढ़ियां उत्तर दिशा में बनी हों तो इसे वास्तु के अनुसार अच्छा नहीं माना जाता है इससे वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। यह दिशा भी जल तत्व से संबंधित होती है। उत्तर दिशा में हल्की चीजें रखनी चाहिए। ऐसे में आप सीढ़ियों के नीचे के स्थान को खाली छोड़ सकते हैं। लेकिन अगर वहां कुछ रखना चाहते हैं तो छोटा फिश एक्केरियम, चीनी मिट्टी के छोटे गमलों में पौधे आदि रख सकते हैं। इससे ऊर्जा का संतुलन बना रहता है और वास्तु दोष कम होता है। पूर्व दिशा में भी सीढ़ियों का होना वास्तु दोष माना गया है। वास्तु के अनुसार पूर्व दिशा वायु तत्व से संबंधित होती है। ऐसे में इस स्थान को हमेशा हल्का रखना चाहिए। ऐसे में सीढ़ियों के नीचे के स्थान को खाली रखना सबसे उत्तम माना गया है। इस स्थान का प्रयोग करने के लिए यहां भी आप छोटे इंडोर प्लांट्स लगा सकते हैं।

दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम व उत्तर-पश्चिम दिशा में सीढ़ियां हो तो रखें ये चीजें

वास्तु के अनुसार, नैऋत्य कोण यानी दक्षिण पश्चिम दिशा में सीढ़ियों का होना शुभ माना जाता है। इस स्थान पर भारी सामान रखना सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में यहां सीढ़ियों के नीचे बड़े गमले वाले बड़े इंडोर प्लांट्स लगा सकते हैं। इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है। इसके अलावा, अगर पश्चिम दिशा में सीढ़ियां हो तो इसके नीचे आप बैंबू प्लांट, बड़ा फिश एक्केरियम आदि रख सकते हैं। इस दिशा के स्वामी वरुण देव हैं। ऐसे में इस स्थान को वास्तु अनुकूल रखने से घर में समृद्धि, खुशहाली और शांति बनी रहती है। अगर सीढ़ियां उत्तर-पश्चिम यानी वायव्य कोण में हो तो इसके नीचे आप छोटे से मीडियम साइज के गमले रख सकते हैं। इसके अलावा, गैस सिलेंडर, प्रेस के स्थान के लिए भी इस जगह को प्रयोग किया जा सकता है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

सोशल मीडिया पर अंकुश

अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिभावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि ये मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरुआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुर्माने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं। विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिसके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के अधिकारियों का कहना है कि ये सोशल मीडिया साइट नहीं, सिर्फ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। जबकि पीड़ित युवती के वकीलों की दलील थी कि मेटा आदि कंपनियों ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की संरचना ऐसी बनायी है कि किशोरों को इसकी आदत लग जाए। हकीकत ये है कि भारत समेत दुनिया के करोड़ों किशोर इसकी लत के शिकार बन रहे हैं। यही वजह है हफ्तों चले मुकदमे के दौरान बड़ी संख्या में किशोरों के अभिभावक वादी के पक्ष में अदालत के परिसर में मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इस फैसले से पहले न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिये जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्कों की सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों का खतरा बढ़ गया है।, भारत समेत कई विकसित व विकासशील देशों में सोशल मीडिया से बच्चों के जीवन में पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर चिंता सालों से बनी हुई है। लेकिन देश में इस बाबत कोई नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आती। बच्चों की पढ़ाई खराब होने और उनके मानसिक रोगों से ग्रस्त होने की आशंका से अब अभिभावक आक्रोश व्यक्त करने लगे हैं। यही वजह है कि दुनिया के विकसित देशों में इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म से बच्चों को दूर रखने के लिए कानून बन रहे हैं। आस्ट्रेलिया के बाद फ्रांस और अब अन्य यूरोपीय देश भी इस दिशा में पहल कर रहे हैं ताकि एक निर्धारित आयु से ऊपर के बच्चे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंच बना सकें।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिभावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि ये मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरुआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है।

निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है

धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था। जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए।

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है। भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था। जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं। धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और

सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी। जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है। आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना। आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है। अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

देश दुनिया से

वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा-रेखा है ऊर्जा संरक्षण

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईंरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार- चढ़ाव, आपरूति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्त्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सयता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की 'एनजा प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गईं तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पामि एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपरूति पर अनिातिता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिताजनक है। दरअसल भारत अपनी वुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थो से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनजा एजेंसी की 'इंडिया एनजा आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का वेंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यव्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईंडी बल्बों का वितरण और उससे हुईं 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नईं तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-वुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर वंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा ाांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराईं से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बर्बादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है। अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्त्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की वुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीवें इस दिशा में नईं संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर वंडीशनिग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कईं गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाईं जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्वृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाईं जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है।

आप का नज़रिया

न ट्रंप पर विश्वास न ही पाक की मध्यस्थता मंजूर

न ट्रंप पर विश्वास न ही पाक की मध्यस्थता मंजूर पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए अमेरिका के 15 सूत्रीय प्रस्ताव को खारिज करते हुए ईंरान ने उल्टा अपनी पांच शत्रे रख दीं। ईंरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 सूत्रीय शांति प्रस्ताव को एकतरफा बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है और युद्ध खत्म करने के लिए अपनी पांच बड़ी शत्रे सामने रख दीं हैं। ईंरान ने स्पष्ट कहा कि वह यह युद्ध तब ही खत्म करेगा, जब उसकी मांगे पूरी होंगी। अमेरिका ने अपना प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए ईंरान तक पहुंचाया था। ईंरान ने दो टूक कहा कि न तो हमें ट्रंप पर विश्वास है और न ही हमें पाकिस्तान की मध्यस्थता मंजूर है। ईंरान ने अपनी पांच शतरे में युद्ध के नुकसान का भारी मुआवजा, टारगेट किलिंग पर रोक और सबसे महत्वपूर्ण स्टेट ऑफ होर्मुज पर पूर्ण संप्रभुता शामिल है। तेहरान का स्पष्ट रुख है कि शांति तभी होगी जब अमेरिका उसकी शतरे को मानेगा और क्षेत्र के सभी रेजिस्टेंस ग्रुप्स पर हमले बंद करेगा। ईंरान और अमेरिका के बीच छिड़ी इस भीषण जंग में अब तेहरान ने भी अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 सूत्रीय प्रस्ताव दिया था। यह वुछ इस प्रकार थाः ईंरान अपने तीनों प्रमुख परमाणु ठिकानों को बंद करे। यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह रोके। बैलिस्टिक मिसाइल कार्यव्रम को निलंबित किया जाएगा। विद्रोही समूह जैसे हमास, हिजबुल्लाह, हूती आदि को मदद बंद करें। होर्मुज को पूरी तरह खोला जाए। ईंरान ये वादा करे कि वह कभी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करेगा। एक प्रमुख मांग यह भी थी कि मौजूदा संवर्धित यूरेनियम को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को सौंपना होगा। बाकी भी वुछ मांगे थीं, मैंने प्रमुख अमेरिकी मांगों का जिव्र किया है, ईंरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते हैं, मुझे तो उन पर सहमति होना मुश्किल लगता है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत हुईं थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते हैं, जिस पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। वहीं, ईंरान के विदेशी मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश संघर्ष का स्थायी अंत चाहता है। उन्होंने कहा कि युद्ध विराम के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है, लेकिन ईंरान की अमेरिका से वार्ता की कोईं इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिका मध्यस्थों के जरिए संदेश भेज रहा है। ऐसे संदेशों के आदान-प्रदान का मतलब वार्ता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जिस मकसद से युद्ध छेड़ा था, उसे हासिल नहीं कर पाया। अमेरिका युद्ध में जीत और ईंरान में सत्ता परिवर्तन चाहता था, जो दोनों ही नहीं हुए। वहीं ईंरान के संयुक्त सैन्य कमान के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फकारी ने कहा जिस अमेरिकी रणनीतिक ताकत का ट्रंप शेखी बघारते थे, वह अब रणनीतिक हार में बदल गईं। आज कोईं भी अमेरिका के झूठे प्रचार से भ्रमित नहीं होगा। इससे पहले, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिए भेजे प्रस्ताव में युद्ध विराम के लिए ईंरान को पाकिस्तान, तुर्किए में से किसी जगह वार्ता का सुझाव दिया था जिसे ईंरान ने सिरे से खारिज कर दिया। ईंरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बेघाईं ने कहा कि पिछले साल जब परमाणु वार्ता हो रही थी उसी बीच अमेरिका ने ईंरान पर हमला किया था। उन्होंने उसे वूटनीतिक विश्वासघात बताते हुए कहा, हमें अमेरिका पर कोईं भरोसा नहीं है। ट्रंप दो बार धोखा दे चुके हैं और अब हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमारी राय में ताकत कोईं समाधान नहीं है। बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईंरान पर हमले बंद हों। यह नहीं हो सकता कि आप एक तरफ शांति प्रस्ताव भेजें और संघर्ष विराम की एक तरफा घोषणा करके हमले जारी रखें? यही नहीं अमेरिका लगातार अपनी थल सेना के सैनिक बढ़ाता जा रहा है। नए-नए युद्ध पोत, फाइटर विमान भेजे जा रहा है और दूसरी ओर शांति की बात करता है।

ईंरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 सूत्रीय शांति प्रस्ताव को एकतरफा बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है और युद्ध खत्म करने के लिए अपनी पांच बड़ी शत्रे सामने रख दीं हैं। ईंरान ने स्पष्ट कहा कि वह यह युद्ध तब ही खत्म करेगा, जब उसकी मांगे पूरी होंगी। अमेरिका ने अपना प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए ईंरान तक पहुंचाया था। ईंरान ने दो टूक कहा कि न तो हमें ट्रंप पर विश्वास है और न ही हमें पाकिस्तान की मध्यस्थता मंजूर है। ईंरान ने अपनी पांच शतरे में युद्ध के नुकसान का भारी मुआवजा, टारगेट किलिंग पर रोक और सबसे महत्वपूर्ण स्टेट ऑफ होर्मुज पर पूर्ण संप्रभुता शामिल है। तेहरान का स्पष्ट रुख है कि शांति तभी होगी जब अमेरिका उसकी शतरे को मानेगा और क्षेत्र के सभी रेजिस्टेंस ग्रुप्स पर हमले बंद करेगा। ईंरान और अमेरिका के बीच छिड़ी इस भीषण जंग में अब तेहरान ने भी अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 सूत्रीय प्रस्ताव दिया था। यह वुछ इस प्रकार था: ईंरान अपने तीनों प्रमुख परमाणु ठिकानों को बंद करे। यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह रोके। बैलिस्टिक मिसाइल कार्यव्रम को निलंबित किया जाएगा। विद्रोही समूह जैसे हमास, हिजबुल्लाह, हूती आदि को मदद बंद करें। होर्मुज को पूरी तरह खोला जाए।

कुछ अलग

सांसारिक ज्ञान जब अधिक हो जाता है तो घमंड आता है

हमारे शास्त्र कहते हैं कि दुनिया जिस रूप में है, उसे उसी रूप में देखें और सच का दामन कभी न छोड़ें। हालात कैसे भी हों, आपका नजरिया हमेंशा पॉजिटिव होना चाहिए। एक स्वस्थ और शुद्ध मन सुख-शांति और आनंद का जरिया है। सच्ची प्रगति चाहिए तो लक्ष्य के प्रति सचेत रहें और लगातार आध्यात्मिक प्रयास करते रहें। भविष्य की चुनौतियों के बारे में अच्छे से सोचकर नए टारगेट बनाएं। हमें अपना चरित्र अच्छा बनाना है और धार्मिक नहीं, आध्यात्मिक बनना है। अध्यात्म ही मानव कल्याण का आधार है। ज्ञान हो या विज्ञान, अध्यात्म में ही इनका मूल है। आज की पीढ़ी में संवेदनशीलता की कमी है। तकनीकी शिक्षा पर जोर देने से भौतिक विकास तो हुआ, लेकिन इसे समग्र विकास नहीं कहा जा सकता है। समाज तब समृद्ध होगा, जब उसकी सिंचाई संस्कारों से होगी। इसमें पढ़े-लिखे लोगों की जिम्मेदारी ज्यादा है। अपने साथ वे दूसरों का जीवन भी संवारें। आध्यात्मिक जीवनशैली के जरिए इस जिम्मेदारी को निभाया जा सकता है। साधना में ही वह ताकत है, जिससे व्यक्ति धीरे-धीरे आसक्ति और मोह छोड़ता जाता है। साधना में व्यक्ति अंदर से मजबूत होता है। एक वक्त आता है, जब वह खुद को ब्रह्म के साथ एकाकार कर लेता है। धार्मिक बनना आसान है, मगर एक सच्चा आध्यात्मिक साधक बनना कठिन है। खुद को ईश्वर में साधने का अर्थ ही साधना है। साधना के बिना जीवन अधूरा होता है और हमें परमानंद नहीं मिल पाता है। साधना के भी ढेरों अध्याय हैं। अगर मनुष्य साधना की राह पर चले, तो उसे जीवन को समझने का सही ज्ञान मिलता है।

दृष्टि कोण

कई सभ्यताओं को नष्ट किया जलवायु परिवर्तन ने

मानव इतिहास में जलवायु का हमेशा से ही अहम रोल रहा है। अच्छी जलवायु में अनेक सभ्यताओं का उत्थान हुआ और जलवायु बिगड़ने पर कई सभ्यताओं का पतन हुआ। इतिहास में इसके अनेक उदाहरण मौजूद हैं। जब सही समय पर बारिश होती है, तो फसलें उगती हैं और शहर फलते-फूलते हैं। जब ऐसा नहीं होता, तो लोग दूसरी जगह चले जाते हैं। लगभग 4,200 साल पहले, धरती पर एक बड़ा जलवायु परिवर्तन हुआ था। मध्य पूर्व से लेकर एशिया तक की सभ्यताओं ने मुश्किलें झेलीं। मध्य चीन में, शिजियाहे संस्कृति के नाम से जाना जाने वाला एक बड़ा और संगठित समाज खत्म होने लगा। सालों तक शोधकर्ता इस बात पर बहस करते रहे कि शिजियाहे के पुराने शहर को क्यों छोड़ दिया गया था। पहले उनका शक सूखे पर था। वैज्ञानिकों की एक टीम ने अब शिजियाहे के पतन का कारण यांग्त्ज़ी वैली में बार-बार, लंबे समय तक होने वाली बारिश को बताया है। उनके नतीजों से पता चलता है कि इस इलाक़े में जबरदस्त बाढ़ आई थी। यह समझने के लिए कि वास्तव में क्या हुआ, शोधकर्ता जमीन के नीचे गए। यांग्त्ज़ी वैली के बीच में हेशांग गुफा के अंदर, उन्होंने स्टैलेग्माइट (कैल्शियम कार्बोनेट के भंडार) की स्टडी की जो गुफा के फ़र्श से धीरे-धीरे बढ़ रहा था। स्टैलेग्माइट तब बनते हैं जब छत से बारिश का पानी टपकता है और कैल्शियम कार्बोनेट की छोटी-छोटी परतें पीछे छोड़ जाता है। साल दर साल, ये परतें इतिहास की किताब के पन्नों की तरह जमा होती जाती हैं। उन परतों की रासायनिक बनावट को मापकर शोधकर्ताओं ने एक ऐसी चीज बनाई जिसे उन्होंने 'रेनफाल इयरबुक' कहा। उन्होंने 1,000 साल की अवधि में हर साल कितनी बारिश हुई, यह पता लगाने के लिए 925 सैंपल माप लिए। इसके नतीजे साफ थे। घाटी में तीन सूखे दौर आए। हर दौर 40 से 150 साल तक चला, जब बारिश 700 मिलीमीटर प्रति साल (लगभग 28 इंच) से कम हो गई। इसने दो बहुत ज़्यादा बारिश वाले दौर भी झेले।

एक 80 साल और दूसरा 140 साल, जब बारिश प्रति वर्ष 1,000 मिलीमीटर से ज्यादा हो गई। जब शोधकर्ताओं ने बारिश के रिकॉर्ड की तुलना पुरातात्विक सबूतों से की, तो पैटर्न साफ हो गया। बारिश वाले दौर में गंभीर बाढ़, फैलती आर्द्रभूमि और आबादी में तेज गिरावट के संकेत मिले। लगभग 3,950 साल पहले इस इलाके में रिकॉर्ड में सबसे लंबे समय तक भारी बारिश हुई। झीलें फैल गईं। निचली जमीन गीली हो गई और खेती की जमीन कम हो गई। उसी समय, शिजियाहे कल्चर से जुड़े पुरातात्विक अवशेषों की संख्या कम होने लगी। यह गिरावट थोड़ी देर के लिए नहीं थी। यह सदियों तक चली। सबूत बताते हैं कि जो लोग बच गए, उन्होंने घाटी में अपना शहरी ठिकाना छोड़ दिया और ऊंची जगहों पर चले गए। यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड के अर्थ साइंसेज डिपार्टमेंट और चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ जियोसाइंसेज (वुहान) की टीमों ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है। उन्होंने अपने अध्ययन में एक गुफा के अंदर के क्लाइमेट रिकॉर्ड को जमीन के ऊपर एक संगठित समाज की नियति से जोड़ा है। अध्ययन में एक खास बात सामने आई। शोधकर्ताओं ने पाया कि शिजियाहे सभ्यता के खत्म होने से जुड़े ज्यादा बारिश के समय के दौरान सबसे ज़्यादा बारिश आज के समय में रिकॉर्ड की गई कुछ बहुत ज़्यादा बारिश की घटनाओं से कम थी। यह बात मायने रखती है। पुराने समाजों में बांध, तटबंध, एडवांस्ड ड्रेनेज सिस्टम या बड़े पैमाने पर बाढ़ नियंत्रण की प्लानिंग नहीं थी। वे स्थिर मौसमी पैटर्न पर बहुत ज्यादा निर्भर थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वा-तावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने-जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम-काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सद-पयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच-बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस-पड़ोस की किसी सुनी-सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल-का-ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 मार्च 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 07:11 तक
नक्षत्र : मघा दोपहर 02:48 तक
योग : शूल सायं 04:50 तक
करण : बालव प्रातः 07:11 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 06:18 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , सोम प्रदोष व्रत , मघा दोपहर 02:48 तक , अनंग त्रयोदशी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

संतों का जीवन विश्व कल्याण एवं सनातन संस्कृति के लिए समर्पित : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संतों का जीवन विश्व कल्याण एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित होता है। इनका सानिध्य मिलने से व्यक्ति अपने जीवन और कर्मों को सार्थकता की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परम्पराओं के संरक्षण व संवर्धन के लिए काम कर रही है। शर्मा रविवार को जयपुर में नेटवर्क 10 के संत संसद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने गत दो वर्षों में राजकीय मंदिरों में वर्ष भर उत्सवों के भव्य आयोजन के लिए वित्तीय स्वीकृतियां दी हैं। साथ ही, पुजारियों का मानदेय भी बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के तीर्थ स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए काम कर रही है। पूंछरी का लौठा, खाटूश्याम जी और तीर्थराज पुष्कर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य किए जा रहे हैं। हमारी सरकार कृष्ण गमन पथ के जरिए सनातन संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

शर्मा ने कहा कि गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए हमारी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। गोशालाओं में गाय को चारे के लिए प्रतिदिन 50 रुपये एवं बछड़े के चारे के लिए प्रतिदिन 25 रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। इसके अलावा गोशाला में टीनशेड, पानी एवं पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई हैं। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायकगण कुलदीप धनकड़ व बालमुकुंदाचार्य, मेहंदीपुर बालाजी के महंत 1008 श्री नरेश पुरी जी महाराज सहित बड़ी संख्या में साधु-साध्वीगण उपस्थित रहे।

भविष्यवक्ता डॉ. अनीष व्यास को ज्योतिष गौरव सम्मान से किया सम्मानित

जोधपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। नक्षत्र लोक ज्योतिष विज्ञान शोध संस्थान जोधपुर तथा श्री सैनिक क्षत्रीय हनुमान एवं महादेव मंदिर सेवार्थ ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में जोधपुर के लाल सागर स्थित हनुमान मंदिर में रतलाम के राज्योतिषी स्वर्गीय पंडित बाबूलाल जोशी की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर निशुल्क ज्योतिष हस्तरेखा एवं वास्तु परामर्श शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर वैदिक, सनातन, धर्म संस्कृति और ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास को ज्योतिष गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

नक्षत्र लोक ज्योतिष विज्ञान शोध संस्थान जोधपुर तथा श्री सैनिक क्षत्रीय हनुमान एवं महादेव मंदिर सेवार्थ ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में जोधपुर के लाल सागर स्थित हनुमान मंदिर में रतलाम के राज्योतिषी स्वर्गीय पंडित बाबूलाल जोशी की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित निशुल्क ज्योतिष हस्तरेखा एवं वास्तु परामर्श शिविर में सैकड़ो जातको ने पधारकर कुंडली द्वारा अपना भविष्य जाना। इस अवसर पर नक्षत्र लोक ज्योतिष विज्ञान शोध संस्थान जोधपुर तथा श्री सैनिक क्षत्रीय हनुमान एवं महादेव मंदिर सेवार्थ ट्रस्ट की ओर से पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी, पंडित घनश्याम द्विवेदी, डॉ भैरु प्रकाश दाधीच एवं आयोजन सचिव पंडित अभिषेक जोशी ने वैदिक, सनातन, धर्म संस्कृति और ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास को ज्योतिष गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से किया आह्वान

देश के प्रति कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी, जयपुर देहात दक्षिण की ओर से आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 का उद्घाटन किया। निवारू रोड, लालचंदपुरा स्थित जय सियाराम मैरिज गार्डन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विचारधारा आधारित प्रशिक्षण को सशक्त करना और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाना है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते

हुए कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि पूरे देश में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका मकसद संगठन को वैचारिक और कार्यात्मक रूप से मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि शक्ति का अनुशासित होना जरूरी है और उसका सही दिशा में काम करना सबसे महत्वपूर्ण है, तभी वह असरकारी साबित होती है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से कार्यपद्धति, बैठक, कार्यसमिति, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, प्रवास, कार्यालय व्यवस्था सहित संगठन के विभिन्न आधारभूत सिद्धांतों पर विस्तार से संवाद किया।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि पार्टी में सबसे अहम उसके कार्यकर्ता हैं। ये पार्टी की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं जो जनता और संगठन के बीच संवाद स्थापित करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी का अहम आधार हैं, जिनके पास जिम्मेदारियां, काम और पहचान हमेशा रहती है। पहचान की तलाश हर व्यक्ति को होती है और कार्यकर्ता अपनी पहचान विचारधारा के साथ काम करके बनाते हैं। उन्होंने कहा कि आज मैं कार्यकर्ताओं के बीच एक साथी और भाई के रूप में आया हूं। उन्होंने कहा कि वे कर्म में विश्वास रखते हैं। कर्म ही हमारा धर्म है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें। कर्म और धर्म का पालन ही हमें मजबूत बनाता है और कार्यकर्ता व पार्टी ही सबसे महत्वपूर्ण हैं।

करवड़ थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

खेत में 404 गांजे के पौधे उगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। करवड़ थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए खारड़ा निवासी चुनाराम जाट को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी अपने खेत में अवैध रूप से गांजे की खेती कर रहा है। इस पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर खेत की तलाशी ली, जहां 404 नग गांजे के पौधे बरामद हुए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पौधों को जब्त किया और आरोपी को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी द्वारा अवैध खेती करना स्वीकार किया गया है। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस अवैध गतिविधि में और कौन-कौन शामिल है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ सख्त संदेश गया है।

टोंक में भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्मकल्याणक महोत्सव, श्रद्धा और उल्लास का संगम

टोंक, 29 मार्च (एजेंसियां)। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्मकल्याणक महोत्सव सोमवार को टोंक जिले में पूरी श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस विशेष अवसर पर जिले भर में विविध धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों की रूपरेखा तैयार की गई है। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ सोमवार प्रातः काल श्री दिगंबर जैन नसिया में भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ होगा। इसके पश्चात एक विशाल प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जो जैन नसिया से शुरू होकर मुख्य बाजार, बड़ा कुआं और सुभाष बाजार होते हुए घंटाघर पहुंचेगी। यहाँ हाउसिंग बोर्ड और पुरानी टोंक से आने वाली प्रभात फेरियों का भव्य संगम होगा। इसके बाद सामूहिक जुलूस अहिंसा सर्किल पहुंचेगा, जहाँ भगवान महावीर के चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को

राजस्थान जैन सभा शाखा टोंक इकाई के तत्वावधान में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं, महिला मंडल द्वारा आदिनाथ जयंती से लेकर महावीर जयंती तक प्रतिदिन भजन-कीर्तन का क्रम जारी है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में महिला मंडल द्वारा भगवान महावीर की माता त्रिशला के 16 स्वप्नों का भजनों के माध्यम से अत्यंत भावपूर्ण और भव्य चित्रण प्रस्तुत किया गया। सायंकाल आयोजित होने वाले विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर बच्चों और महिलाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। पूरा शहर 'जियो और जीने दो' के नारों और महावीर की भक्ति में सराबोर नजर आ रहा है।

महेशनगर में बूस्टिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए प्रशासनिक स्वीकृति मिली : अनिल विज

चंडीगढ़, 29 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी के महेशनगर क्षेत्र में लोगों को स्वच्छ नहरी पानी की बेहतर उपलब्धता हेतु बूस्टिंग स्टेशन लगाने के लिए 1.54 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। विज ने बताया कि जल्द महेशनगर में बब्याल रोड पर पुरानी पानी की टंकी के निकट बूस्टिंग स्टेशन स्थापित किया जाएगा जिससे नहरी पानी की उपलब्धता महेशनगर क्षेत्र की दर्जनों कालोनियों में हो सकेगी और साथ ही ट्यूबवेल से पेयजल आपूर्ति की निर्भरता कम होगी।

हरियाणा में बढ़ती रंगदारी और अपराध की घटनाओं से व्यापारियों में भय: सैलजा

चंडीगढ़, 29 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में हाल ही में सामने आई रंगदारी और धमकी की घटनाओं को लेकर सिरसा की सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने गहरी चिंता व्यक्त की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों, अंबाला, जुलाना तथा अन्य क्षेत्रों से लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें व्यापारियों को फोन कॉल, विदेशी नंबरों तथा अन्य माध्यमों से जान से मारने की धमकी देकर लाखों और करोड़ों रुपये की रंगदारी माँगी जा रही है। अंबाला शहर की सरस्वती कॉलोनी में एक इमिग्रेशन कारोबारी को विदेशी नंबरों से कॉल कर जान से मारने की धमकी दी गई और उससे 50 लाख रुपये की मांग की गई। आरोपियों ने कारोबारी और उनके परिवार को डराने के लिए उनकी और उनकी पत्नी की तस्वीरें भेजकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है और साइबर सेल की मदद से आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। इसी प्रकार जुलाना क्षेत्र में जींद-रोहतक मार्ग स्थित एक भट्ठा संचालक से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फोन पर 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। आरोपी ने व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से धमकी देते हुए जल्द से जल्द पैसे की व्यवस्था करने को कहा। लगातार मिल रही धमकियों के कारण पीड़ित और उसके परिवार में भय का माहौल है और उसने तुरंत पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई है।

महाराजा सूरजमल की प्रतिमा अनावरण में बोले दिग्विजय चौटाला

शिक्षा, अनुशासन और राजनीति से ही मजबूत होगा समाज

मेरठ/चंडीगढ़, 29 मार्च (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ में आयोजित एक भव्य समारोह को संबोधित करते हुए सामाजिक एकजुटता और युवा सशक्तिकरण का आह्वान किया। दिग्विजय चौटाला यहाँ अंतरराष्ट्रीय जाट संसद द्वारा स्थापित महाराजा सूरजमल की विशाल प्रतिमा के अनावरण समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे थे। समारोह को संबोधित करते हुए दिग्विजय चौटाला ने कहा कि समाज की भलाई के लिए युवाओं को महाराजा सूरजमल के शौर्य और सिद्धांतों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान समय में समाज की एकजुटता अनिवार्य है और हमें मिलकर सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। चौटाला ने आने वाली पीढ़ी के भविष्य पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हमारा पहला कर्तव्य अपनी भावी पीढ़ी को शिक्षा की ओर अग्रसर करना है। उन्होंने युवाओं से नशे के जाल से बचने का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने उल्लेख किया कि हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और यूपी में समाज से जुड़े कई उच्चाधिकारी कार्यरत हैं, जो युवाओं और जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रह सकते हैं।

दिग्विजय चौटाला ने स्पष्ट किया कि समाज में अनुशासन और सक्रिय राजनीति के दम पर ही अपनी ताकत का लोहा मनवाया जा सकता है। उन्होंने दीनबंधु सर छोटूराम, चौधरी चरण सिंह और जननायक चौधरी देवीलाल का उदाहरण देते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने राजनीति के माध्यम से ही समाज को मजबूती प्रदान की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साझा किया मन की बात कार्यक्रम का अनुभव

कुरुक्षेत्र, 29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को परिवार के साथ सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम हम सभी के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का सशक्त माध्यम है। परिवारजनों के साथ इसे सुनना इस अनुभव को और भी विशेष बनाता है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण, 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत पौधरोपण, और 'पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना' सहित अनेक जनकल्याणकारी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार राष्ट्र निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के लिए अत्यंत प्रेरणादायी हैं और हम सभी को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अशोकराव चव्हाण ने महुर के श्री दत्त शिखर संस्थान में किए दर्शन

किनवट, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद अशोकराव चव्हाण अचानक श्री क्षेत्र माहुर के किले पर स्थित श्री दत्त शिखर संस्थान पहुंचे और श्री दत्त प्रभु के दर्शन कर महंत पी. पू. मधुसूदनजी भारती महाराज से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने प्रार्थना की कि श्री दत्त प्रभु व श्री रेणुका माता विश्व को सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें।

इस अवसर पर श्याम भारती महाराज ने अशोकराव चव्हाण का स्वागत किया, जबकि श्री रेणुका देवी संस्थान में ट्रस्टी व पुजारी चंद्रकांत भोपी ने उन्हें महाप्रसाद कर सत्कार किया। चव्हाण ने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता विशाल चोपड़े तथा उपविभागीय अभियंता डी. के. भिसे के साथ संस्थान में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा भी की।पूर्व विधायक अमरनाथ राजुरकर, वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंदराव पाटिल नागेलिकर, महापौर कविताताई मुले, नामदेवराव केशवे, पूर्व नगराध्यक्ष राजेंद्र, प्रवीण साले, संजय देशमुख लाहनकर, नीलेश पावड़े, किशोर भवरे, नगराध्यक्ष फिरोज दोसानी, भाजपा तहसील अध्यक्ष नीलू मस्के, पार्षद गोपु महामुने, हाजी उस्मान खान, किशोर जगत विनायक मुसले, अपील बेलखोडे, विजय अमले, नंदकुमार जोशी, सय्यद रहमत अली, दिलीप मुनगिलवार, रामकिसन केंद्र, अजय पवार और एआईएमआईएम के युवा नेता इशरत मकानी सहित कई नेता, अधिकारी, कर्मचारी व कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम के तहत मदनूर व डोंगली मंडलों में वयस्कों की परीक्षा आयोजित

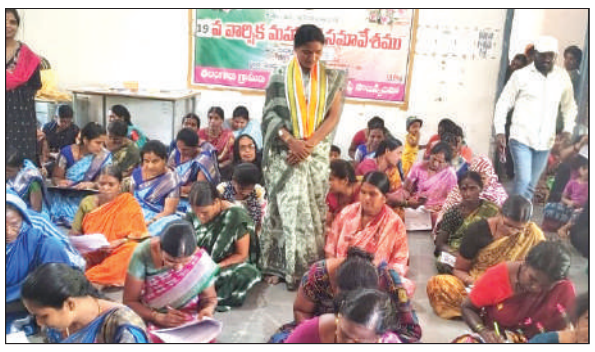

मदनूर, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम के अंतर्गत मदनूर और डोंगली मंडलों में रविवार को वयस्क शिक्षार्थियों के लिए परीक्षा आयोजित की गई, यह जानकारी आईकेपी के एपीएम जगदीश कुमार ने दी। उल्लास योजना के तहत पूर्व में वयस्कों को पुस्तकें वितरित कर रात्रिकालीन शिक्षा दी जाती रही; आज (29 मार्च 2026) विभिन्न ग्रामों में इन्हीं शिक्षार्थियों की लिखित परीक्षाएं हुईं।

परीक्षा तीन भागों में आयोजित की गई ˉ पढ़ने के लिए 150 अंक, लिखने के लिए 50 अंक और गणित के लिए 50 अंक। प्रत्येक खंड में कम से कम 20 अंक प्राप्त करने पर परीक्षा उत्तीर्ण मानी जाएगी। कुल 2,056 अशिक्षित शिक्षार्थियों की सूची बनाई गई थी, इनमें से डोंगली मंडल में 200 और मदनूर मंडल में 600 शिक्षार्थियों की परीक्षाएं आयोजित की गईं।

बिजली कर्मचारियों ने अधिकारों की माँग कर 8 अप्रैल के महाधरना का आह्वान

पेद्दापल्ली, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना इलेक्ट्रिसिटी आर्टिसन एम्प्लॉईज़ जॉइंट एक्शन कमेटी (टीवीएईजेएसी) के कर्मचारियों ने कहा कि जहाँ वे राज्य में रोशनी पहुँचाते हैं, वहीं उनकी अपनी जीवन-स्थितियाँ अंधेरे में हैं। पेद्दापल्ली प्रेस क्लब में रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज़िला संयोजक मल्ला किशन रेड्डी ने सरकार व विभाग से कई तत्काल माँगें रखीं।उन्होंने मांग की कि अपेक्षित शैक्षणिक योग्यता वाले कारीगर कर्मचारी नियमित किए जाएँ, एपीएसजीईबी सेवा नियम लागू किए जाएँ, और मानव-रहित कर्मचारियों तथा पीस-रेट/संविदा कर्मचारियों को आधिकारिक कारीगर के रूप में मान्यता दी जाए। साथ ही पीआरसी-2026 वेतन आयोग की सिफारिशें लागू कर वेतन वृद्धि सुनिश्चित करने की भी माँग की गई।कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि सरकार और विभाग के उदासीन रवैये के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध पहले से जारी हैं, और हर कर्मचारी से 8 अप्रैल को राघवापुर मंडल कार्यालय के सामने होने वाले महा धरना में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सह-संयोजक मेदावेनी इल्लैया, इरुगुरल्ला रमेश, कम्पेली रघु, जुपाका वेंकटेश, जुपाका शंकर, चेलोजु राजेशम सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

श्री सीता राम कलोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भक्ति-भाव को सशक्त किया गया

मंचेरियाल, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना संस्कृति व युवा विभाग की सलाहकार परिषद के सदस्यों ने श्री राम नवमी के उपलक्ष्य में यापाल स्थित श्री कोडंडा राम मंदिर में आयोजित श्री सीता राम कलोत्सव में भाग लेकर भक्ति की भावना बढ़ाने हेतु सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन करने की जानकारी दी। क्रेजी स्टार्स डांस अकादमी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में परिषद के सदस्य मुख्य अतिथि थे।

कार्यक्रम का आरंभ मंदिर समिति अध्यक्ष संगार्थी संतोष ने नटराज प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया, जबकि मंचेरियाल जिला नृत्य कला संस्थान के जिला अध्यक्ष रकम संतोष ने नारियल फोड़कर उद्घाटन किया। क्रेजी स्टार्स डांस अकादमी के महासचिव उप्पुलेती नरेश ने कहा कि कोयला क्षेत्र में कला की कमी नहीं है और यहां के लोग कला को संजोकर रखते हैं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत प्रसिद्ध गायक जांगिली बालकृष्ण द्वारा विनायक श्लोक से हुई। रिव्यू आर्ट्स अकादमी के पलासा समूह ने सीता राम कल्याणम, हरिका समूह ने राम-मीरा नृत्य और अभिग्ना समूह ने भावमूलु भासमुला नृत्य प्रस्तुत किए। इसके अलावा यूट्यूब डांसर अंजली के लोक नृत्य ने भी दर्शकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और कला-प्रेमी उपस्थित थे।

मंचेरियल में एसबीआई लाइफ की 25वीं रजत जयन्ती पर मरीजों को फल व रोटी वितरित

मंचेरियल, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। एसबीआई लाइफ की 25वीं रजत जयंती धूमधाम से मनाई गई। आज सुबह 9:30 बजे आईबी के पास स्थित सरकारी अस्पताल में एसबीआई लाइफ के सलाहकार बोदा धर्मेंद्र और टूटी मल्लेश के नेतृत्व में मरीजों को फल और रोटी वितरित किए गए। शाखा प्रबंधक यादगिरी रेड्डी के साथ पल्लपु लक्ष्मी नरसय्या, कुमार, रविंदर, सोक्रेश, नागलक्ष्मी, लावण्या, हैमावती, माही और अन्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर सहयोगी बने।

ताई बाजार नीलामी में अवारवार हनुमान 18.63 लाख रुपये में बिके

मदनूर, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानिक ग्राम पंचायत सचिव के अनुसार मंडल केंद्र की मेजर ग्राम पंचायत में आयोजित ताई बाजार नीलामी में इस वर्ष अवारवार हनुमान की नीलामी 18,63,000 रुपये में हुई। पिछला साल यह नीलामी 17,50,500 रुपये में हुई थी, जिससे इस वर्ष पंचायत को 12,500 रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। नीलामी में भाग लेने वालों ने 50,000 रुपये की जमा राशि देकर बोली में हिस्सा लिया। शनिवार को ग्राम पंचायत कार्यालय में सरपंच उषा संतोष मेस्त्री की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सरपंच, ग्राम सचिव और ग्रामीणों ने अवारवार हनुमान को विशेष रूप से बधाई दी।

अराइव अलाइव फेज-03 के तहत रामपल्ली में मुफ्त नेत्र परीक्षण कैंप और सड़क सुरक्षा जागरूकता

पेद्दापल्ली, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । अराइव अलाइव फेज-03 पहल के तहत पेद्दापल्ली मंडल के रामपल्ली गाँव में ग्रामीण डख मल्लेश की देखरेख में एक मुफ्त नेत्र परीक्षण कैंप आयोजित किया गया। डॉ. अग्रवाल अस्पताल की टीम ने लगभग 200 गाँववालों की आँखों की जाँच की; इनमें से 20 लोगों को मुफ्त चश्मे प्रदान किए गए और 5 रोगियों को मोतियाबिंद सर्जरी के लिए रेफर किया गया। इसी अवसर पर सड़क सुरक्षा पर जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें डख मल्लेश ने वाहन चालकों से ट्रैफ़िक नियमों का कड़ाई से पालन करने, सीट बेल्ट व हेलमेट के निरंतर उपयोग और शराब पीकर गाड़ी न चलाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए।

भारतीय नौसेना ने आईओएनएस समुद्री अभ्यास में की मेजबानी, 16 देशों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां) । भारतीय नौसेना ने 27 मार्च 2026 को कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसेना कमान के मैरीटाइम वारफेयर सेंटर में आईओएनएस मैरीटाइम एक्सरसाइज (आईएमईएक्स) टेबल-टॉप एक्सरसाइज (टीटीएक्स) 2026 का आयोजन किया। इस उच्च स्तरीय बैठक में हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) से जुड़े देशों की नौसेनाओं के प्रतिनिधि, आईओएस सागर के अंतरराष्ट्रीय अधिकारी और भारतीय नौसेना के अधिकारी शामिल हुए।

इस दौरान हिंद महासागर क्षेत्र में उभर रही गैर-पारंपरिक समुद्री सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की गई। इस अभ्यास में बांग्लादेश, फ्रांस, इंडोनेशिया, केन्या, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, तंजानिया और तिमोर-लेस्ते के देशों ने भाग लिया। यह विविध बहुराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व पूरे क्षेत्र में आपसी विश्वास को बढ़ावा देने और सहयोगात्मक समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सोलह वर्षों के अंतराल के बाद भारत द्वारा 2026-2028 चक्र के लिए आईओएनएस की अध्यक्षता ग्रहण करने के साथ, आईएमईएक्स टीटीएक्स 2026 क्षेत्रीय समुद्री नेतृत्व को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह अभ्यास एक आधुनिक सिमुलेशन वातावरण में किया गया, जिसमें हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़े जटिल समुद्री सुरक्षा मुद्दों पर काम किया गया। यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और संपर्क के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य था कि भाग लेने वाली नौसेनाएं एक-दूसरे के काम करने के तरीके और चुनौतियों को बेहतर समझें, आपसी समन्वय जैसे सूचना साझा करना और फैसले लेने की प्रक्रिया को मजबूत करें, और आईओएनएस के दिशा-निर्देशों को व्यावहारिक रूप से परखकर उन्हें और बेहतर बनाएं।

इस अभ्यास में बिना वास्तविक तैनाती के अलग-अलग संभावित परिस्थितियों का अभ्यास किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को पेशेवर आदान-प्रदान के नए रास्ते तलाशने और आपसी विश्वास को गहरा करने में सक्षम बनाया।

आईएमईएक्स टीटीएक्स 2026 ने फिर साबित किया कि आईओएनएस रचनात्मक संवाद, सामूहिक जिम्मेदारी और समुद्री चुनौतियों के क्षेत्रीय रूप से संचालित समाधानों के माध्यम से सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। इस अभ्यास से प्राप्त जानकारियों से आईओएनएस ढांचे को और मजबूत करने की उम्मीद है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में एक सुसंगत, उत्तरदायी और स्थिर समुद्री व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

पीएम मोदी की रैली में भीड़ जुटाने को सरकारी कर्मचारियों व संसाधनों का लेना पड़ा सहारा : अखिलेश यादव

दादरी, 29 मार्च (एजेंसियां) । समाजवादी पार्टी ने दादरी में 'समाजवादी समानता भाईचारा' रैली के जरिए शक्ति प्रदर्शन किया, जहां पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए पीएम मोदी की रैलियों में भीड़ जुटाने के तौर-तरीकों से लेकर विकास के दावों तक कई सवाल खड़े किए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पीएम मोदी की रैली में भीड़ जुटाने के लिए सरकारी कर्मचारियों और संसाधनों का सहारा लेना पड़ा है। दादरी में आयोजित सपा की रैली में बड़ी संख्या में जुटे समर्थकों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने मंच से कहा कि पूरे पंडाल में पार्टी के झंडे का लाल रंग छाया हुआ दिख रहा है, जो कार्यकर्ताओं के उत्साह का प्रतीक है। आयोजन को सफल बनाने के लिए उन्होंने सपा नेता राजकुमार भाटी की सराहना भी की। अपने संबोधन में उन्होंने बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा की इस रैली की चर्चा ने विरोधियों को असहज कर दिया। उनका आरोप था कि इसी दबाव में विपक्षी दलों ने सपा की रैली से पहले अपनी रैली आयोजित की लेकिन वहां भीड़ स्वाभाविक नहीं थी बल्कि लोगों को जुटाया गया था। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कैमरों से कुछ भी छिपा नहीं रह सकता और सच्चाई सामने आ ही जाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताने वाले दल को रैली के लिए सरकारी संसाधनों और कर्मचारियों का सहारा लेना पड़ा। साथ ही, एक संस्थान के छात्रों को रैली में शामिल होने के लिए प्रेरित किए जाने और बाद में छुट्टी देने की बात भी उन्होंने कही। रैली में अखिलेश ने राज्य सरकार के विकास दावों पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि पूर्व में उद्घाटन किए गए कई एयरपोर्ट बंद हो चुके हैं और नए एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही यह आशंका बनी रहती है कि कहीं उन्हें निजी हाथों में न सौंप दिया जाए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कम से कम उद्घाटन के समय यह भरोसा दिया जाना चाहिए कि सार्वजनिक संपत्ति को बेचा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि जो लोग नोएडा आने से कतराते थे, वे अब वहां कार्यक्रम कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने दावा किया कि उन्होंने अपने कार्यकाल में नोएडा और दिल्ली को जोड़ने के लिए मेट्रो जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं दीं और क्षेत्र के विकास के लिए कई निर्णय लिए। सपा मुखिया ने कहा कि वर्तमान सरकार के पास अपने काम गिनाने के लिए ठोस उपलब्धियां नहीं हैं, इसलिए वह इस तरह के मुद्दों के जरिए ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

भारत-यूरोपीय संघ द्विपक्षीय आर्थिक व व्यापारिक साझेदारी को और गहरा करेंगे : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां) । वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कैमरून में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक (एमसी14) के दौरान यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच से मुलाकात की और भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर प्रगति की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने एमसी 14 एजेंडा के तहत प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की और भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चल रहे कार्य की प्रगति की समीक्षा की, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेयर लेयेन ने जनवरी 2026 में नई दिल्ली में घोषित किया था।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल साइट एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, इसके साथ ही द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को और गहराने के अवसरों पर भी चर्चा हुई।

गोयल ने नाइजीरिया के उद्योग, वाणिज्य और निवेश मंत्री डॉ. जुमोके ओडुवोले से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, एमसी 14 एजेंडा पर चर्चा की गई और दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों का पता लगाया गया।

ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा के साथ एक रचनात्मक बातचीत में एमसी 14 एजेंडा, द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने और भारत-मर्कोसुर पीटीए के विस्तार पर विचार साझा किए गए।

डब्ल्यूटीओ बैठक में, महात्मा गांधी के सत्य के सिद्धांत से प्रेरणा लेते हुए, भारत ने निवेश सुविधा विकास (आईएफडी) समझौते के विवादास्पद मुद्दे पर अकेले खड़े होने का साहस दिखाया और इसे डब्ल्यूटीओ ढांचे में एनेक्स 4 समझौते के रूप में शामिल करने के लिए सहमति नहीं दी।गोयल ने कहा, आईएफडी समझौते का समावेशन डब्ल्यूटीओ की कार्यात्मक सीमाओं को कमजोर करने और इसके मूलभूत सिद्धांतों को बाधित करने का जोखिम पैदा करता है।डब्ल्यूटीओ सुधार चर्चा के हिस्से के रूप में, सदस्य किसी भी विशिष्ट बहुपक्षीय परिणाम को एकीकृत करने से पहले बहुपक्षीय समझौतों के लिए सुरक्षा और कानूनी उपायों पर विचार कर रहे हैं।उन्होंने कहा, सिस्टमगत मुद्दों को देखते हुए, भारत ने डब्ल्यूटीओ सुधार एजेंडा के तहत सद्भावना, व्यापक चर्चा और रचनात्मक सहभागिता के लिए खुलापन दिखाया।

गोयल ने कैमरून में प्रवासी समुदाय से भी मुलाकात की, जो दो देशों के बीच संबंध मजबूत करने, सद्भाव बढ़ाने और देशों को करीब लाने का एक महत्वपूर्ण सेतु है।

भारतीय रिले टीमों का कमाल, नेशनल्स में रिकार्ड बनाकर वर्ल्ड रिले का टिकट किया पक्का

मुम्बई, 29 मार्च (एजेंसियां)। पहले इंटरनेशनल इनविटेशनल रिले और तीसरे नेशनल ओपन रिले प्रतियोगिता 2026 में पुरुषों की 4×400 और मिक्स्ड टीम 4×100 रिले स्पर्धाओं में भारत की बी टीम ने रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन किया। दमदार प्रदर्शन के बूते भारतीय रिले टीमों ने इस मई में बोत्सवाना के गैबोरोन में होने वाले वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

प्रतियोगिता में इंडिया बी टीम ने 4×100 मीटर मिक्स्ड रिले में 42.30 सेकंड का समय निकालते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया और नया रिकार्ड भी बनाया। इस प्रदर्शन के साथ टीम ने पहले के 43.44 सेकंड के रिकार्ड को तोड़ दिया। वहीं, भारत ए टीम ने 42.34 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल जीता। दोनों टीमों का प्रदर्शन इतना शानदार रहा कि उन्होंने आसानी से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारत ए टीम ने सीनियर मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले में भी दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हराया और 3:18.90 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। इस दौरान भारतीय एथलीटों ने बैटन एक्सचेंज में बेहतरीन तालमेल दिखाया, जो उनकी जीत का अहम कारण बना। प्रतियोगिता में भारत के अलावा नेपाल, मालदीव, भूटान, और श्रीलंका की टीमों ने भी हिस्सा लिया। भारतीय टीम के खिलाड़ियों में गुरिंदरवीर सिंह और तमिलारासु जैसे धावकों ने शानदार प्रदर्शन किया और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दर्शकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए पूरे आयोजन को जोशपूर्ण बनाया। भारत की 4×100 मिक्स्ड रिले टीम ने 42.30 सेकंड का समय निकालकर नेशनल ओपन रिले 2026 में एक नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया। लालू प्रसाद, उन्नति, हरिता और जयराम की चौकड़ी ने बैटन का आदान-प्रदान बेहद कुशलता से किया और जबरदस्त रफ्तार दिखाते हुए एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

जूनियर वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। तमिलनाडु की अंडर-20 महिला टीम ने 4×100 मीटर रिले में 48.38 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। वहीं, चंडीगढ़ की टीम ने अंडर-20 मिक्स्ड 4×100 मीटर रिले में 45.44 सेकंड के साथ गोल्ड मेडल जीता।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल के पहले ही मैच में क्लासेन को आउट दिये जाने पर वान ने उठाये सवाल

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत के साथ ही विवाद भी शुरु हो गये हैं। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए पहले ही मैच में हेनरिक क्लासेन के एक कैच को लेकर ये विवाद उठा है।

क्लासेन के कैच को बाउंड्री पर फिल साल्ट ने पकड़ लिया पर वह इसी दौरान सीमा रेखा के काफी करीब पहुंच गये इससे अंपायर ने क्लासेन को आउट दे लिया और उसी पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने सवाल उठाये हैं। वान ने सोशल मीडिया में लिख, मुझे ऐसा लगा जैसे साल्ट के पैर ने सीमा रेखा को छुआ हो। ऐसे में क्लासेन कों संदेह का लाभ मिलना था पर नहीं दिया गया। इससे आरसीबी को लाभ हुआ। अंपायर कैये यह कैसे बता सकते हैं पैर का कोई हिस्सा सीमा रेखा पर नहीं लगा।वान ने कहा कि साल्ट ने शानदार कैच पकड़ा, मगर कैच पकड़ने के दौरान वह बाउंड्री के काफी नजदीक थे।अंपायर ने फैसला तीसरे अंपायर पर छोड़ दिया। रिप्ले में थर्ड अंपायर ने देखा कि साल्ट बाउंड्री लाइन के काफी करीब थे पर यह कहना कठिन था कि उन्होंने सीमा रेखा को नहीं छुआ है पर तीसरे अंपायर ने कहा मुझे सीमा रेखा में कोई हलचल नहीं दिख रही है। जिस वजह से उन्होंने क्लासेन को आउट दिया।

आईपीएल के शुरुआती मैच में ही बने कई रिकार्ड

बेंगलुरु। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल के पहले ही मैच में एक साथ कई रिकार्ड बने हैं। इस मैच में आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही 202 रन बनाकर आईपीएल में सबसे तेजी से 200 रन बनाने का लक्ष्य अपने नाम किया। इससे पहले सबसे तेज 200 रनों का रिकार्ड राजस्थान रायल्स के नाम था जो उसने पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 15.5 ओवर में 212 रन बनाये थे। वहीं इस मैच में विराट कोहली ने नाबाद 69 रन बनाये। स प्रकार वह एक स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान ने 80 रनों की पारी के साथ ही अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किये। विराट ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 बार पचास रन बनाए हैं। वहीं एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा अर्धशतक के मामले में इंग्लैंड के जेम्स विंस दूसरे नंबर पर हैं। विंस के नाम द रोज बाउल, साउथैम्पटन में 27 अर्धशतक का रिकार्ड है। कोहली ने आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 4000 रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इसके अलावा वह टी-20 क्रिकेट में 13,572 रन के साथ पाकिस्तान के शोएब मालिक को पीछे छोड़ते हुए छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।वहीं सनराइजर्स ने इस मैच में 201 रन बनाने के साथ ही आरसीबी के खिलाफ खिलाफ सातवीं बार 200 से अधिक रन बनये हैं। वहीं सनराइजर्स के ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स इस बार खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी, लखनऊ सुपरजायंटस के खिलाफ शुरु करेगी अभियान

मुम्बई। अक्षर पटेल की कप्तानी में इस बार दिल्ली कैपिल्स का लक्ष्य आईपीएल खिताब जीतना रहेगा।

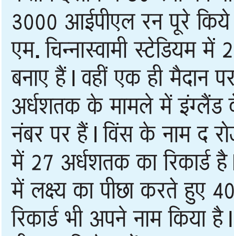

दिल्ली अपने अभियान की शुरुआत बुधवार पहली अप्रैल को लखनऊ सुपरजायंटस के खिलाफ मैच से करेगी। कैपिटल्स की टीम ने पिछले सत्र की शुरुआत अच्छी की थी पर बाद में वह अपनी लय खोने के कारण बाहर हो गयी थी। ऐमें में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटक लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शा पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है।

मुंबई ने तोड़ा हार का तिलिस्म, 13 साल बाद जीता सत्र का पहला मैच, रोहित-रिकेल्टन चमके

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के 13 सीजन का इंतजार आ-खिरकार खत्म हो गया है। हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली टीम ने 2026 सीजन का अपना पहला मुकाबला जीत लिया।

आखिरी बार मुंबई ने 2012 में सीजन का अपना पहला मुकाबला जीता था। लगातार 13 सीजन हार झेलने के बाद मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को वानखेड़े स्टेडियम में 6 विकेट से हराया। पहले बैटिंग करते हुए केकेआर ने 4 विकेट पर 220 रन बनाए थे। मुंबई ने 20वें ओवर में 5 गेंद रहते मैच जीत लिया। यह मुंबई इंडियंस का लीग में सबसे सफल रन चेज है। इससे पहले टीम ने 2021 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 219 रनों का टारगेट चेज किया था।

रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने तय कर दी जीत

मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। तीसरे ओवर में वैभव अरोड़ा के खिलाफ दोनों ने तीन छक्के मारे। रोहित शर्मा ने पावरप्ले में ही अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने 23 गेंद पर अपने आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी ठोकी। 6 ओवर के बाद मुंबई ने 80 रन ठोक दिए थे। रिकेल्टन ने 9वें ओवर में सुनील नरेन को दो छक्के मारकर 24 गेंद पर फिफ्टी पूरी की। इसी ओवर में मुंबई का स्कोर 100 के पार पहुंचा।

रोहित शर्मा शतक की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन 78 रन बनाकर आउट हो गए। 38 गेंद पर रोहित ने 6 चौके और 6 छक्के मारे। रिकेल्टन के साथ उन्होंने पहले विकेट के लिए 71 गेंद पर 148 रनों की साझेदारी बनाई। 8 गेंद पर 16 रन बनाकर सूर्यकुमार यादव आउट हुए। रिकेल्टन का पास भी शतक लगाने का मौका था लेकिन 81 रन बनाकर वह रन आउट हो गए। उनके बल्ले से 4 चौके और 8 छक्के निकले।

रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने केकेआर के लिए फिफ्टी ठोकी

टॉस हारने के बाद पहले खेलने उतरी केकेआर को कप्तान अजिंक्य रहाणे और फिन एलन ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। रहाणे ने पहले ओवर में बोल्ट की गेंद पर लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर पारी की शुरुआत की। कप्तान हार्दिक पंड्या की चौथे ओवर में लाइन और लेंथ की लगातार गलतियों का फायदा उठाकर केकेआर ने 26 रन बना लिए। 17 गेंद पर 37 रनों की पारी खेलने के बाद एलन पावरप्ले के आखिरी ओवर में शार्दुल ठाकुर का शिकार बने। केकेआर ने पावरप्ले में 78 रन बनाए।

केकेआर ने आठवें ओवर में ही 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया था और एक समय ऐसा लग रहा था कि रहाणे तिहरे अंकों (शतक) तक पहुंच जाएंगे। वह 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे थे। नौवें ओवर में ठाकुर ने कैमरन ग्रीन को आउट किया। फिर अपने तीसरे और पारी के 14वें ओवर में ठाकुर ने धीमी क्रॉस-सीम गेंद डालकर रहाणे को चकमा दे दिया, और वह कवर पर खड़े रोहित शर्मा को कैच देकर पवेलियन लौट गए। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 40 गेंद पर 3 चौके और 5 छक्कों की मदद से 67 रन बनाए।

अंत के ओवर्स में अंगकृष रघुवंशी ने 29 गेंद पर 51 और रिंकू सिंह ने 21 गेंद पर 33 रन बनाकर केकेआर को 220 रनों तक पहुंचा दिया। मुंबई इंडियंस के लिए शार्दुल ठाकुर ने तीन विकेट लिए। यह मुंबई इंडियंस के लिए उनका डेब्यू मुकाबला था। एक विकेट हार्दिक पंड्या को मिला।

विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने जीता मियामी ओपन 2026 का खिताब, सनशाइन डबल जीतने वाली बनीं पांचवीं खिलाड़ी

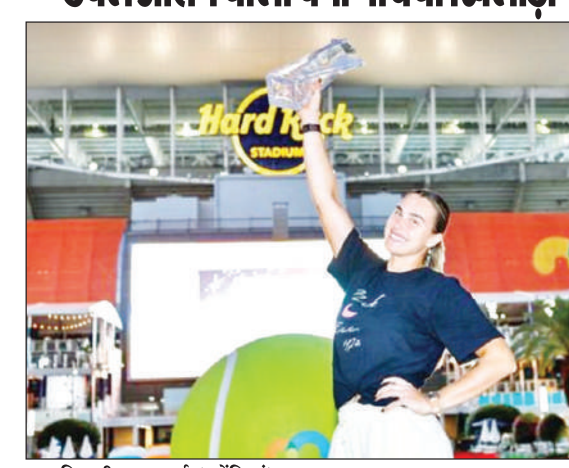

मियामी, 29 मार्च (एजेंसियां)।

मियामी ओपन 2026 के फाइनल में विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी कोको गाफ को शनिवार रात 6-2, 4-6, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने इस जीत के साथ इतिहास रच दिया और सनशाइन डबल पूरा करने वाली दुनिया की पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गईं। सनशाइन डबल में इंडियन वेल्स ओपन और मियामी ओपन दोनों खिताब लगातार जीतना शामिल होता है।

मैच की बात करें तो सबालेंका ने पहले सेट में 2-0 की बढ़त लेते हुए दबदबा बनाया और आसानी से सेट 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां गाफ ने एकमात्र ब्रेक हासिल कर 6-4 से सेट अपने नाम कर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचाया।

तीसरे सेट में सबालेंका ने फिर से नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने शुरुआती गेम में ही ब्रेक किया और लगातार शानदार सर्विस गेम खेलते हुए 5-3 की बढ़त बनाई। अंत में गाफ की बैकहैंड गलती के साथ सबालेंका ने मैच अपने नाम कर लिया।

पूरे मैच में सबालेंका ने अपने पहले सर्व पर 73 प्रतिशत अंक जीते और उन्हें सिर्फ दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। खास बात यह रही कि वह फाइनल तक बिना एक भी सेट गंवाए पहुंची थीं।

इस उपलब्धि के साथ सबालेंका ने इगा स्वियातेक, विक्टोरिया अजारेंका, किम क्लाइस्टर्स और स्टेफी ग्राफ जैसे दिग्गजों की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया।

इसके अलावा, सबालेंका का इस साल का रिकार्ड अब 23-1 हो गया है। उनकी एकमात्र हार आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में एलेना राइबाकिना के खिलाफ आई थी, जिसका बदला उन्होंने इंडियन वेल्स फाइनल और मियामी सेमीफाइनल में चुका लिया।

मोंटेकार्लो मास्टर्स में नहीं खेलेंगे जोकोविच

मियामी। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि फिट नहीं होने के कारण वह अगले माह होने वाले मोंटेकार्लो मास्टर्स से बाहर रहेंगे। जोकोविच इंडियन वेल्स में हार के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इससे माना जा रहा है कि अब वह फ्रेंच ओपन से ही वापसी करेंगे। जोकोविच दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भी नहीं खेल रहे हैं। वहीं आयोजकों और प्रशंसकों ने उम्मीद जतायी कि वह शीघ्र ही वापसी करेंगे। जोकोविच बीएनपी पारिबास ओपन में अंतिम बार जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हार गये थे। उसके बाद से ही उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। वहीं मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में ही बाहर हो गये थे। मोंटे कार्लो मास्टर्स टूर्नामेंट अगले माह 4 अप्रैल से शुरू 12 अप्रैल तक खेला जाएगा। ये साल 2011 के बाद यह पहली बार होगा जब जोकोविच इससा हिस्सा नहीं होंगे। 38 वर्षीय जोकोविच पिछले कुछ महीनों से कंधे की चोट से जूझ रहे हैं। मोंटे-कार्लो मास्टर्स का प्रायोजन दिग्गज कारोबारी रोलेक्स समूह करता है। ये पुरुष पेशेवर टेनिस खिलाड़ियों के लिए एक टेनिस टूर्नामेंट है जो आउटडोर क्ले कोर्ट पर खेला जाएगा।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना : अनाहत सिंह

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लास एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

धोनी के बाहर होने से मिल सकता है युवा कार्तिक को अवसर

गुवाहाटी, 29 मार्च (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआती मैचों से बाहर होने के कारण सोमवार को राजस्थान रायल्स के खिलाफ होने पहले मुकाबले में युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को अवसर दे सकती है। धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। ऐसे में वह शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। कार्तिक को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा है।

वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक बन गये हैं। सीएसके पिछले सत्र से ही इस खिलाड़ी को खरीदना चाहती थी। इसी कारण उसे हाई परफार्मेंस सेंटर में अभ्यास के लिए भेजा गया। कार्तिक मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के साथ विकेटकीपिंग भी करते हैं। ऐमें में टीम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना चाहेगी। कार्तिक ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणजी ट्राफी के पहले ही मैच में शतक लगाया था और इसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे। विजय हजारे ट्राफी 2024-25 में उन्होंने 445 रन बनाए और टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में उन्होंने 11 पारियों में 334 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 162.92 रहा। कार्तिक भी धोनी की तरत मैच फिनिशर बनना चाहते हैं। ऐसे में सीएसके में उन्हें एक बेहतर खिलाड़ी बनने का पूरा अवसर मिलने की संभावना है। फ्रैचाइजी कार्तिक को आगे बढ़ाकर अधिक से अधिक अवसर देने का प्रयास करेगी। ऐसे में अब देखना होगा कि कार्तिक अपने को साबित करने में कितना सफल रहते हैं।

सीसएसके टीम : रुतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, सरफराज खान / आयुष म्हात्रे, कार्तिक शर्मा, अकील हुसैन, नूर अहमद, मैट हेनरी, खलील अहमद/अंशुल कंबोज।

अब लीवरपूल को छोड़ रहे सालाह

लंदन। स्टार फुटबालर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं। सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा।

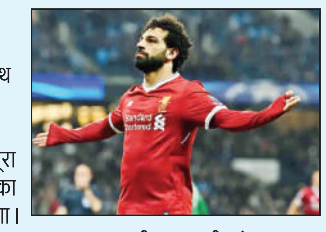

सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है। इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं। पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रा के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था। साथ ही कहा था कि मुख्य कोच आर्नेट स्लाट के साथ भी उनके संबंध खराब हो गये थे। था। उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं थीं पर अफ्रीका कप आफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी। अब देखना होगा कि वह अगला सत्र किस टीम से खेलते हैं।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आस्ट्रेलिया सरकार ईंधन, उर्वरक और जरूरी चीजें खरीदने की गारंटी देगी

सिडनी, 29 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से आस्ट्रेलिया भी प्रभावित हुआ है। तेल संकट जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए पीएम एंथोनी अल्बानीज के नेतृत्व में आस्ट्रेलियाई सरकार कदम उठा रही है। सरकार ने आवश्यक वस्तुओं की खरीद को सुरक्षित करने के लिए नए ईंधन सुरक्षा उपायों की घोषणा की है।

तेल संकट जैसी परिस्थितियों से निपटने पीएम अल्बानीज का अहम कदम

पीएम अल्बानीज और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने बताया कि सरकार सोमवार को संघीय संसद में एक विधेयक पेश करेगी। यह विधेयक मौजूदा निर्यात क्रेडिट एजेंसी को निजी क्षेत्र की ओर से ईंधन, उर्वरक और अन्य जरूरी चीजों की खरीद की गारंटी देने की अनुमति देगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम अल्बानीज ने कहा कि सीधे शब्दों में कहें तो, हम एक्सपोर्ट फाइनेंस आस्ट्रेलिया का इस्तेमाल करके जहाजों में भरकर आने वाले ईंधन की खरीद की गारंटी देंगे। इससे आस्ट्रेलिया में ईंधन की आपूर्ति बढ़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की ओर से मिलने वाला यह समर्थन कोई सामान्य कारोबारी प्रक्रिया नहीं होगी। इसके तहत सिर्फ वही अतिरिक्त आपूर्ति शामिल होगी, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इन नए उपायों से उन आयातकों का वित्तीय जोखिम कम होगा जो अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ये उपाय ऐसे समय में किए जा रहे हैं, जब पूरे आस्ट्रेलिया में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं और क्षेत्रीय इलाकों में इसकी भारी किल्लत हो रही है। बोवेन ने बताया कि शनिवार तक आस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय भंडार में 39 दिनों का पेट्रोल, 30 दिनों का डीजल और 30 दिनों का जेट ईंधन मौजूद था। इससे पहले पीएम अल्बानीज ने शुक्रवार को कहा था कि अल्पावधि में आस्ट्रेलिया की ईंधन आपूर्ति की स्थिति अच्छी नजर आ रही है, लेकिन आने वाले महीनों में हालात और भी मुश्किल हो सकते हैं। अल्बानीज ने मलेशिया और व्यापक आसियान क्षेत्र के साथ अपने सकारात्मक संवादों का भी जिक्र किया। अल्बानीज सोमवार को ईंधन संकट के मुद्दे पर राष्ट्रीय कैबिनेट की एक बैठक भी बुलाई है। इससे पहले, विपक्ष के नेता एंगस टेलर ने सरकार से अपील की कि वह तीन महीने के लिए ईंधन पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को अस्थायी तौर पर आधा कर दे।

न्यूज ब्रीफ

रायल एनफील्ड ने 10 लाख बाइक्स बेचने का बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। किसी एक वित्तीय वर्ष में घरेलू बाजार में रायल एनफील्ड ने पहली बार 10 लाख से ज्यादा बाइक्स बेचने का रिकार्ड बनाया है। कंपनी ने अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच 10,06,937 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। कंपनी की यह बिक्री पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 24 प्रतिशत अधिक है। इस बिक्री में मार्च के आंकड़े अभी शामिल नहीं हैं, जिससे कुल बिक्री और बढ़ने की संभावना है। इस शानदार प्रदर्शन के पीछे कंपनी की मजबूत प्रोडक्ट लाइनअप और ग्राहकों का बढ़ता भरोसा अहम भूमिका निभा रहा है। रायल एनफील्ड क्लासिक 350, रायल एनफील्ड बुलेट 350 और रायल एनफील्ड हंटर 350 जैसी लोकप्रिय बाइक्स ने बिक्री में बड़ा योगदान दिया है। खासतौर पर 350सीसी सेगमेंट में कंपनी की पकड़ बेहद मजबूत बनी हुई है, जहां उसका बाजार हिस्सा 90 प्रतिशत से अधिक बताया जा रहा है। कोविड के बाद प्रीमियम और पावरफुल बाइक्स की बढ़ती मांग ने भी कंपनी की सफलता को गति दी है। ग्राहकों का रुझान अब स्टाइलिश और दमदार मोटरसाइकिलों की ओर बढ़ा है, जिसका सीधा फायदा रायल एनफील्ड को मिला है। अनुमान है कि एफवाय 2026 के अंत तक कंपनी की कुल बिक्री 11 लाख यूनिट्स के करीब पहुंच सकती है, जो इसे बाजार में और मजबूत स्थिति में स्थापित करेगा। इसके साथ ही कंपनी ने नए माडल्स लान्च करने और कीमतों को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने की रणनीति अपनाई, जिससे इसकी लोकप्रियता और बढ़ी। आज रायल एनफील्ड केवल एक बाइक ब्रांड नहीं, बल्कि मिड-साइज मोटरसाइकिल सेगमेंट में अग्रणी खिलाड़ी बन चुकी है।

रियलमी 16 5जी भारत में जल्द होगा लान्च

नई दिल्ली। भारत में रियलमी ने अपने नए स्मार्टफोन रियलमी 16 5जी के लान्च की घोषणा कर दी है। यह स्मार्टफोन 2 अप्रैल को लान्च किया जाएगा। इसके साथ ही फलीपकार्ट व अन्य प्लेटफार्म्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। इस फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 7000एमएएच की पावरफुल बैटरी है, जो 60वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है। कंपनी इस बैटरी पर छह साल की वारंटी भी दे रही है। परफार्मेंस के लिए इसमें डायमेंसिटी 6400 टर्बो प्रोसेसर दिया गया है, जो स्मूद एक्सपीरियंस देने का दावा करता है। कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी रियर कैमरा आईआईएस सपोर्ट के साथ मिलेगा, जबकि फ्रंट में भी 50 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है। खास बात यह है कि इसमें सेल्फी मिरर के साथ नया कैमरा डिजाइन देखने को मिलेगा। फोन में 6.57 इंच का एफएचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो शानदार विजुअल एक्सपीरियंस प्रदान करेगा।

एमजी कामेट ईवी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल

नई दिल्ली। अमेरिका -इजराइल-ईरान के मध्य जारी लडाई का असर अब भारत में भी होने लगा है। देश में कहीं गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही है तो कहीं पेट्रोल-डीजल की किल्लत सामने आ रही है। ऐसे माहौल में कालाबाजारी भी चांदी काटने में लगे है। ऐसे हालात में इलेक्ट्रिक वाहन किफायती विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। खासतौर पर एमजी कामेट ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 7.49 लाख रुपए है। इसकी रनिंग कास्ट इसे और आकर्षक बनाती है। एमजी कामेट ईवी को फुल चार्ज करने में लगभग 18 यूनिट बिजली लगती है। यदि प्रति यूनिट कीमत 8 रुपए मानी जाए, तो कुल खर्च 144 रुपए आता है। कंपनी के अनुसार इसकी रेंज 230 किमी है, जबकि वास्तविक रेंज करीब 200 किमी मानी जाती है। इस हिसाब से प्रति किलोमीटर लागत करीब 72 पैसे पड़ती है। वहीं पेट्रोल कार में औसतन 15 किमी प्रति लीटर माइलेज के आधार पर प्रति किलोमीटर खर्च करीब 6.60 रुपए आता है। यानी हर किलोमीटर पर लगभग 5.88 रुपए की बचत संभव है। अगर कोई व्यक्ति महीने में 2000 किमी और साल में 24,000 किमी ड्राइव करता है, तो वह हर महीने करीब 11,760 रुपए और सालाना लगभग 1.41 लाख रुपए तक बचा सकता है। पांच साल में यह बचत 7 लाख रुपए के आसपास पहुंच सकती है, जिससे कार की लागत भी वसूल हो जाती है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 10.25 इंच की ड्यूल स्क्रीन, स्मार्ट कनेक्टिविटी, नेविगेशन और रियल-टाइम अपडेट जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

रूस ने पेट्रोल निर्यात रोकने का फैसला लिया, भारत ने कहा- ईंधन भंडार पर्याप्त, चिंता की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)।

वैश्विक अस्थिरता और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच रूस सरकार ने एक अप्रैल से पेट्रोल निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। रूसी उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। नोवाक ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्राथमिकता घरेलू ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखना है। रूसी ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार वर्तमान रिफाइनिंग दरें स्थिर हैं और देश के पास पर्याप्त रिजर्व मौजूद है।

कच्चा तेल और ईंधन का पर्याप्त भंडार सुरक्षित

दूसरी ओर भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और तेल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने मंत्रालयों की संयुक्त समीक्षा में कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष से वैश्विक आपूर्ति और कीमतें प्रभावित हुई हैं, लेकिन भारत के पास अगले दो महीनों के लिए कच्चा तेल और ईंधन का पर्याप्त भंडार सुरक्षित है। रूसी सरकार के मुताबिक निर्यात पर प्रतिबंध का फैसला घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए लिया गया है। पश्चिम एशिया में संकट के बीच भारत में किल्लत की आशंकाओं को लेकर पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दावा किया है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है।

भारत में घरेलू एलपीजी उत्पादन में 20प्रतिशत की वृद्धि

उन्होंने बताया कि भारतीय रिफाइनरियां 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर काम कर रहीं। घरेलू एलपीजी उत्पादन में 20प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सरकार के इन कदमों का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संकट के बावजूद भारतीय बाजार में आपूर्ति निरंतरता और कीमतों में स्थिरता बनाए रखना है।

पश्चिम एशिया तनाव का असर: महंगाई से हांफने लगी पाकिस्तान की जनता, एलपीजी की कीमतों में भारी उछाल; हालात चिंताजनक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर अब सीधे पाकिस्तान की आम जनता पर दिखने लगा है। देश में एलपीजी की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है, जिससे घरेलू बजट और परिवहन खर्च दोनों पर दबाव बढ़ गया है। एलपीजी सिलिंडर के दाम कितने बढ़े स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स और पाकिस्तान ब्यूरो आफ स्टैटिस्टिक्स के सेंसिटिव प्राइस इंडेक्स के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 11.67 किलोग्राम एलपीजी सिलिंडर की कीमत 3,150-3,968 रुपये से बढ़कर 3,900-5,135 रुपये तक पहुंच गई है। पंजाब के कई शहरों में कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। किस क्षेत्र पर पड़ा रहा असर कीमतों में इस बढ़ोतरी का सीधा असर परिवहन क्षेत्र पर भी पड़ा है। एलपीजी से चलने वाले रिक्शा, बस और मिनीबस के किराए बढ़ गए हैं, जिससे रोजाना यात्रा करने वाले निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। ईरान से आने वाली गैस सप्लाई में हुई गिरावट विशेषज्ञों के अनुसार, इस तेजी के पीछे वैश्विक कारण प्रमुख हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा ईद और नौरोज के दौरान ईरान से आने वाली गैस सप्लाई में भी गिरावट आई है, जो पहले 10,000 से 12,000 टन प्रतिदिन थी। क्या कहते हैं आंकड़े पाकिस्तान की कुल एलपीजी जरूरत लगभग 20 लाख टन सालाना है, जिसमें से करीब 12 लाख टन आयात करना पड़ता है, जबकि 8 लाख टन घरेलू उत्पादन से पूरा होता है। मार्च में तीन जहाजों के जरिए लगभग 20,000 टन एलपीजी की आपूर्ति हुई, लेकिन यह मांग के मुकाबले काफी कम साबित हुई। ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश के पास कच्चे तेल का भंडार केवल 11 दिनों के लिए पर्याप्त है। इसके अलावा डीजल 21 दिन, पेट्रोल 27 दिन, एलपीजी महज 9 दिन और जेट फ्यूल 14 दिन तक ही उपलब्ध है। पाकिस्तान अपनी करीब 70 प्रतिशत पेट्रोलियम जरूरतों के लिए मध्य पूर्व पर निर्भर है। ऐसे में क्षेत्रीय संघर्ष के कारण शिपिंग रूट और सप्लाई चेन प्रभावित होने से संकट और गहरा गया है। ईरान के साथ चल रही बातचीत स्थिति से निपटने के लिए सरकार ईरान के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल आपूर्ति की अनुमति पर बातचीत कर रही है।

रेमंड ग्रुप के फाउंडर विजयपत सिंघानिया नहीं रहे, 87 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)।

रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर विजयपत सिंघानिया का शनिवार शाम मुंबई में 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। परिवार के अनुसार उन्होंने शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। उनके बेटे गौतम सिंघानिया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस दुखद समाचार की पुष्टि की।

उद्योग जगत में शोक की लहर, दूरदर्शी नेतृत्व और साहसिक उपलब्धियों के लिए हमेशा याद किए जाएंगे

गौतम सिंघानिया ने अपने पिता को एक दूरदर्शी नेता, प्रेरणादायक व्यक्तित्व और समाजसेवी बताते हुए कहा कि उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती रहेगी। कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार उनका अंतिम संस्कार मुंबई के चंदनवाड़ी श्मशान में किया जाएगा। एलडी रुपारेल मार्ग स्थित हावेली में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। 1938 में जन्मे विजयपत सिंघानिया भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख नामों में शुमार थे। उन्होंने रेमंड ग्रुप का नेतृत्व 1980 से 2000 तक किया और इसे टेक्सटाइल उद्योग में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वे एक साहसी एविएटर भी थे। उन्होंने हाट एयर बैलून से ऊंचाई का विश्व रिकार्ड बनाया और 1988 में लंदन से दिल्ली तक माइक्रोलाइट उड़ान पूरी कर इतिहास रचा। उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने 2006 में पद्म भूषण से सम्मानित किया। साल 2015 में उन्होंने अपनी हिस्सेदारी बेटे को सौंप दी थी, जिसके बाद पारिवारिक विवाद भी चर्चा में रहे। बावजूद इसके उनके योगदान को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अंतिम...

कहा कि ईरान पूरी ताकत से सैन्य और जन समर्थन के साथ आगे बढ़ेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी हमले का जवाब ऐसा दिया जाएगा कि अमेरिका को अपने कदम पर पछताना पड़े। ईरानी नेता ने देशभर में हो रही जनभागीदारी की भी सराहना की और कहा कि मजदूरों से लेकर कलाकारों तक हर वर्ग युद्ध के समर्थन में एकजुट है, जिससे देश की स्थिति और मजबूत हुई है।

वहीं, अमेरिकी सैन्य तैयारियां इस टकराव के बढ़ने के खतरे को भी दिखाती हैं। किसी भी जमीनी अभियान में अमेरिकी सैनिकों को ड्रोन, मिसाइल हमलों और ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड जैसी ताकतों के कड़े जवाबी हमले का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप पहले सैनिक भेजने को लेकर हिचकिचाहट जता चुके हैं, लेकिन अब संकेत मिल रहे हैं कि अगर कूटनीति नाकाम रही तो अमेरिका तनाव बढ़ाने के लिए तैयार है। ईरान ने भी साफ कर दिया है कि उसकी जमीन पर किसी भी हमले का जवाब बिना किसी सीमा के दिया जाएगा। ऐसे में आशंका है कि सीमित सैन्य कार्रवाई भी पूरे क्षेत्र में बड़े युद्ध का रूप ले सकती है।

केमिकल...

कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए हैं जिनमें काले धुएं का गुबार आसमान की ओर जाता देखा जा सकता है। इस बीच आईडीएफ (इजरायल डिफेंस फोर्स) ने भी लोगों को वर्तमान हालात को देखते हुए सावधानी बरतने और बाहर न निकलने की सलाह दी है।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजरायल और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष टकराव चलता रहा है, जिसमें सीरिया, लेबनान और गाजा जैसे क्षेत्र अहम भूमिका निभाते रहे हैं। नियोत होवाव औद्योगिक क्षेत्र इजरायल का एक प्रमुख केमिकल और औद्योगिक हब है, जहां कई खतरनाक रसायनों का उत्पादन और भंडारण होता है। ऐसे में इस इलाके पर हमला सिर्फ सैन्य दृष्टि से ही नहीं बल्कि पर्यावरण और नागरिक सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद संवेदनशील माना जाता है।

बढ़ता जा रहा है तनाव

अब तक इस घटना में किसी बड़े मानवीय नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हालात की गंभीरता को देखते हुए सतर्कता बरती जा रही है। हाल के दिनों में ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच जंग के हालात और ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। हिजबुल्लाह जैसे ईरान-समर्थित संगठनों और इजरायल के बीच सीमा पर झड़पें बढ़ी हैं, जबकि इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों और सहयोगी नेटवर्क को निशाना बनाने की रणनीति अपनाई है।

केरोसीन...

सब्सिडी वाले केरोसिन (मिट्टी का तेल) की बिक्री धीरे-धीरे चरणबद्ध तरीके से बंद की गई। दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ ने 2018-2020 के बीच सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत केरोसिन की बिक्री बंद कर दी और खुद को केरोसिन मुक्त घोषित किया। पीडीएस के जरिए सब्सिडाइज केरोसिन की बिक्री रोकने के पीछे का मुख्य उद्देश्य प्रदूषण कम करना, पेट्रोल/डीजल में मिलावट रोकना और सब्सिडी का बोझ घटाना था। 2020 तक अधिकांश जगहों पर इसका डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क लगभग समाप्त हो चुका था। जिन राज्यों में अब भी एलपीजी और बिजली की पहुंच सीमित थी, वहां केरोसिन की सीमित आपूर्ति जारी रखी गई। सब्सिडी खत्म होने से खुले बाजार में भी इसकी कीमत बढ़ गई और एलपीजी कनेक्शन और गैस सिलेंडर की सुलभ उपलब्धता के कारण लोगों के बीच केरोसिन का उपयोग घट गया। धीरे-धीरे केरोसिन मार्केट से गायब हो गया और सरकार को इसे पूरी तरह प्रतिबंधित करने की जरूरत नहीं पड़ी।

भारत में एलपीजी संकट का कारण: होर्मुज जलसंधि का ब्लॉकेज

भारत में एलपीजी संकट के पीछे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष है। अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर 28 फरवरी, 2026 को हमला कर दिया। उन्होंने इस हमले के लिए ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को जिम्मेदार ठहराया। ईरान ने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बढ़ाने के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बाधित कर दिया। यह दुनिया के प्रमुख समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से होकर दुनिया की करीब 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति गुजरती है। होर्मुज के ब्लॉक होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है और इसमें भी करीब 50 फीसदी गैस खाड़ी देशों से लेता है। इसलिए सप्लाई चेन में किसी भी रुकावट का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ता है।

सरकारी कर्मचारियों...

बच्चों को उनके कर्तव्यों के प्रति सचेत करेगा।रेवंत रेड्डी ने कमजोर होते पारिवारिक बंधनों के लिए बदलती सामाजिक मान्यताओं और भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अपने माता-पिता की देखभाल करने की जिम्मेदारी बेटे और बेटी दोनों की समान रूप से है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र सरकार के मौजूदा कानूनों में प्रवर्तन की कमियों के कारण राज्य स्तर पर इस कड़े कानून की आवश्यकता महसूस की गई।

केरल में ...

रैली के बाद पीएम मोदी ने त्रिशूर में एक विशाल रोड शो किया, जहाँ उनकी एक झलक पाने के लिए सड़कों पर हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस रोड शो में केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और पद्मजा वेणुगोपाल जैसे प्रमुख एनडीए उम्मीदवार भी शामिल हुए। मोदी ने दोहराया कि एनडीए का संकल्प स्पष्ट हैहर नागरिक के लिए विकास, सम्मान और अवसर सुनिश्चित करना और केरल को जबरन पलायन से मुक्ति दिलाना।

चार देशों ...

इस दौरान क्षेत्रीय हालात के साथ-साथ सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, सैन्य स्तर पर भी संपर्क जारी है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस के साथ लगातार संपर्क में हैं।

वहीं, अमेरिका ने हाल ही में ईरान को 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव दिया था, जिसमें जलमार्ग खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने जैसी शर्तें शामिल थीं। हालांकि, ईरान ने इस प्रस्ताव को खारिज करते हुए अपने सुझाव पेश किए हैं। इस बैठक को क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

बैठक के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा, हमने क्षेत्र में जारी युद्ध को जल्द और स्थायी रूप से खत्म करने के संभावित तरीकों पर चर्चा की।

मंत्रियों और प्रतिनिधियों को इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच संभावित वार्ता को लेकर जानकारी दी गई। इसके अलावा चीन पाकिस्तान की उस पहल का समर्थन करता है, जिसके तहत ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत कराई जा सकती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस बात से बेहद खुश है कि ईरान और अमेरिका दोनों ने बातचीत के लिए पाकिस्तान पर भरोसा जताया है।

होर्मुज में बजा ...

225 मीटर और चौड़ाई 36.6 मीटर है।

ईरान ने जारी जंग के बीच 5 देशों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सुरक्षित रास्ता देने की जानकारी दी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह बंद नहीं है, बल्कि यह विशेष मार्ग उसके मित्र देशों के लिए खुला है। भारत समेत चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान के जहाज़ों को सुरक्षित रास्ता देने की अनुमति दी गई है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता, 20 जहाजों को मिली अनुमति

वहीं, ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान अब शांतिदूत की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान ने अमेरिका की 15-सूत्रीय शांति योजना ईरान तक पहुंचाने में मदद की है। यह संदेश बैक-चैनल के जरिए भेजा गया। बता दें, ईरान ने पाकिस्तान के 20 जहाज़ों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 30 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रसेन बैंक की 12वीं शाखा का बेगम बाज़ार में भव्य उद्घाटन

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

द अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने आज बेगम बाज़ार में अपनी 12वीं शाखा का भव्य उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री डी. जोएल डेविस (आईपीएस), संयुक्त पुलिस आयुक्त-ट्रैफिक, हैदराबाद सिटी थे, जिन्होंने आधिकारिक रूप से शाखा का शुभारंभ किया।

आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं से लैस है नई शाखा

क्षेत्र के निवासियों और व्यापारियों की सुविधा के लिए अन्य बैंकिंग सुविधाओं का उद्घाटन विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों- जी. शंकर यादव (कॉर्पोरेटर, बेगम बाज़ार), पुरुषोत्तम लाल भगेरिया, दामोदर डोबा (दामू गुरु) और अविनाश देवड़ा द्वारा किया गया। यह शाखा सातों दिन 24 घंटे एटीएम केंद्र, सुरक्षित लॉकर और एक पूर्ण विकसित शाखा द्वारा दी जाने वाली सभी आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं से सुसज्जित है।

पूरे तेलंगाना में विस्तार की योजना और नए लाइसेंस

इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केड़िया ने बताया कि हैदराबाद के जुड़वां शहरों में बैंक की कुल शाखाओं की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। उन्होंने जानकारी दी कि बैंक को आरबीआई और सहकारिता विभाग से पूरे तेलंगाना राज्य में अपने संचालन क्षेत्र का विस्तार करने की अनुमति मिल गई है।

बैंक अब राज्य के पड़ोसी जिलों और हैदराबाद के अन्य संभावित क्षेत्रों में नई शाखाएं खोलने पर विचार कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि बैंक अगले वित्तीय वर्ष में 4 से 5 नई शाखाएं खोलेगा और इसके लिए वार्षिक व्यवसाय योजना (एबीपी) 2026-27 के तहत आरबीआई को लाइसेंस के लिए आवेदन भी कर दिया गया है।

कारोबार में 30% की ऐतिहासिक वृद्धि का लक्ष्य

श्री केड़िया ने यह भी साझा किया कि अग्रसेन बैंक चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अपने व्यवसाय के आकार में 30% से अधिक की ऐतिहासिक और जबरदस्त वृद्धि दर्ज करने की राह पर है। उन्होंने सभी से बैंक की विभिन्न आकर्षक योजनाओं जैसे सावधि जमा और ऋण उत्पादों का लाभ उठाने का अनुरोध किया।

उद्घाटन समारोह में सीए नवीन कुमार अग्रवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), सुरेश कुमार अग्रवाल (उपाध्यक्ष), नारायण दत्त (अध्यक्ष-बीओएम) सहित निदेशक मंडल के सदस्य: मोहन अग्रवाल, गोपाल चंद अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती अंजू केड़िया, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सीए पंकज कुमार अग्रवाल और महावीर पित्ती (सदस्य बीओएम) उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथियों मेंरघुनंदन यादव, सूरजमल कंकानी, राजेश पचेरिया, श्री दामोदरदास विजयवर्गीय, गोविंद कंकानी, सुरेश कंकानी, नवल जाजू, मुकुंद डोबा, रामप्रकाश नागला, कन्हैयालाल उपाध्याय, डॉ. मोहन गुप्ता, लक्ष्मीनारायण राठी, गोविंद राठी, विकास अग्रवाल, प्रफुल्ल चंद गुप्ता, श्री सुशील शाह, विश्वनाथ अग्रवाल, पवन मंत्री एवं अन्य शामिल हुए। बैंक के महाप्रबंधक/सीईओ सीवी राव, डीजीएमआनंद अग्रवाल, शाखा प्रबंधक प्रसाद गोलेगांवकर और समस्त स्टाफ ने कार्यक्रम में शिरकत की।

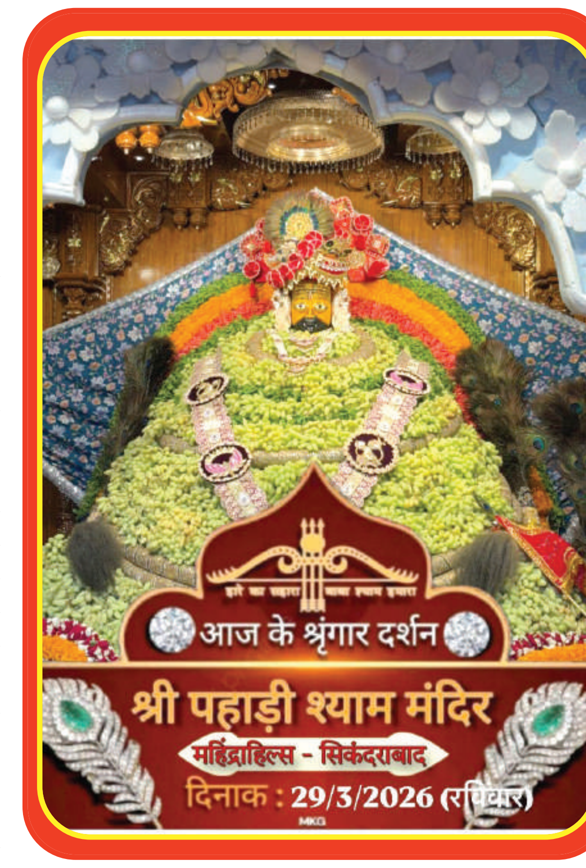

श्री रामनवमी शोभायात्रा में भाग लेते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी, सुनील साहू, विष्णु दास, परम यादव, रोशन साहू, पवन भाई एवं अन्य।

समर ट्रेंड्स स्पेशल हाईलाइफ एक्जीबिशन 10 अप्रैल से

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फैशन तथा लाइफस्टाइल एक्जीबिशन हाईलाइफ का आयोजन 10 से 12 अप्रैल, 2026 तक एचआईसीसी नोवोटेल में किया जाएगा।

समर ट्रेंड्स फैशन स्पेशल तीन दिवसीय हाईलाइफ प्रदर्शनी में लक्जरी फैशन तथा लाइफस्टाइल से जुड़े वैभवपूर्ण व विशिष्ट उत्पादों को प्रस्तुत किया जाएगा। इस संदर्भ में रविवार को बंजारा हिल्स में कर्टन रेजर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अवसर पर अभिनेत्री प्रियंका चौधरी, अभिनेत्री ऋतिका एवं अन्य द्वारा ब्रोशर लांच किया गया। जानकारी देते हुए बताया गया कि एचआईसीसी नोवोटेल में 10 अप्रैल से आयोजित होने वाली समर फैशन स्पेशल हाईलाइफ एक्जीबिशन में स्थानीय सहित देशभर से डिजाइनर भाग लेकर विविध प्रकार के फैशन तथा जीवनशैली पर आधारित उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। इनमें समर डिजाइनर वियर, ब्राइडल वियर, लाइफस्टाइल वियर, डिजाइनर तथा फ्यूजन वियर, एसेसरीज, ज्वेलरी, होम डेकोर तथा आने वाले त्योहारों व मौसम के अनुकूल उत्पादों सहित अन्य विविध प्रकार की आकर्षक वस्तुओं का वृहद संग्रह शामिल होगा।

जन्मदिन पर सेवा का संकल्प : अरुण विजयवर्गीय ने अन्नदान कर पेश की मिसाल

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने अरुण विजयवर्गीय के जन्मदिन के शुभ अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता और सेवा का प्रेरणादायक संदेश दिया गया।इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि जन्मदिन जैसे खास अवसर को सेवा और परोपकार के साथ मनाना समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है। अन्नदान को सबसे बड़ा दान मानते हुए सभी ने इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोविंद राम पटेरिया, अनिल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल , अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा, महेश गोयल, मीना गोयल, शर्मिला अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।इस अवसर पर सभी ने अरुण विजयवर्गीय को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

लाभ-लोभ के कारण सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को हो रहा नुकसान : जस्टिस एन. वेंकटरमना

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन. वेंकटरमना ने कहा कि आज के दौर में समाज में व्यक्ति का मूल्यांकन उसके चरित्र की बजाय उसकी संपत्ति से किया जा रहा है, जिसके कारण ईमानदारी, सत्य, करुणा और सेवा जैसे शाश्वत मूल्यों को गंभीर क्षति पहुँची है। वे बंजारा हिल्स स्थित ताज डेक्कन में बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा स्व. बदरीविशाल पित्ती की 98वीं जयंती पर आयोजित 20वें स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आधुनिक समाज आर्थिक प्रगति, विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी में आगे बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही मानवीय मूल्यों और विचारधाराओं के प्रति प्रतिबद्धता में गिरावट भी देखने को मिल रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि धन और प्रतिष्ठा के प्रति बढ़ते आकर्षण ने पारिवारिक संबंधों, पेशेवर नैतिकता और सामाजिक आचरण को प्रभावित किया है।

बदरीविशाल पित्ती के जीवन को बताया सेवा और मूल्यों का आदर्श

जस्टिस वेंकटरमना ने बदरीविशाल पित्ती को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे उस पीढ़ी के प्रतिनिधि थे, जिसके लिए सार्वजनिक जीवन समाज सेवा का माध्यम था। उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया, हैदराबाद मुक्ति संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई तथा समाजवादी विचारधारा से प्रेरित होकर राजनीति, कला, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने हिंदी पत्रिकाओं उदयम और कल्पना के माध्यम से बौद्धिक विमर्श को बढ़ावा दिया और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक संस्थाओं की स्थापना की।

लोकतंत्र और राजनीति में अवसरवाद पर जताई चिंता

अपने व्याख्यान में जस्टिस वेंकटरमना ने कहा कि विचारधारा केवल राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के मूल्यों की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीति में सिद्धांतों की बजाय अवसरवाद हावी होता जा रहा है, जिसके कारण दलबदल जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ रही हैं और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास कमजोर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा जनादेश को हस्तांतरणीय संपत्ति की तरह मानना लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है।

युवाओं से मूल्यों और जड़ों से जुड़े रहने का आह्वान

जस्टिस वेंकटरमना ने युवाओं से अपील की कि वे डिजिटल युग की चकाचौंध में वास्तविक मानवीय कर्तव्यों को न भूलें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देने से अधिक महत्वपूर्ण संकट में लोगों की वास्तविक सहायता करना है। युवाओं को अपनी मातृभाषा, संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों से जुड़े रहने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि संयम, आत्मनियंत्रण और नैतिकता ही सशक्त समाज की नींव हैं।

ट्रस्ट की सामाजिक गतिविधियों की दी जानकारी

कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के सीएमडी शरद बी. पित्ती ने बताया कि सेवा के अंतर्गत अनाथालय, वृद्धाश्रम एवं सरकारी स्कूलों में आवश्यक संसाधनों को उपलब्ध करवाकर उनके जीवन स्तर को बढाया जा रहा है। शरद बी.पित्ती ने बताया कि बत्तिनी गौड़ द्वारा दमा रोग के निवारण के लिए दिये जाने वाले मछली प्रसादम के दौरान मेगा कैंप 3-4 दिनों के लिए लगाया जाता है जिसमें 70000 से अधिक लोगों को निशुल्क भोजन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। मछली प्रसादम की सेवा के लिए बत्तिनी गौड़ परिवार की सराहना करते हैं। पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा वर्ष में 18 निशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाता है जिसमें नेत्र जांच, दंत जांच, हृदय रोग, अस्थि रोग, स्त्री रोग, फिजियोथेरेपी, जनरल फिजिशियन, ईसीजी 2डी ईको, बीएमडी , ईएनटी, आरबीएस व रक्तचाप की जांच कर निशुल्क दवाई एवं चश्में दिये जाते हैं इनमें मेडिकवर अस्पताल, किम्स सनशाइन अस्पताल, टीएक्स अस्पताल मुख्य सहयोगी है । शरद बी.पित्ती ने कहा कि ट्रस्ट के बड़े प्रोजेक्ट के अंतर्गत मेधावी छात्रों व जरूरतमंद स्नातक एवं स्नातकोत्तर को दी जाती है हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 600 से अधिक विद्यार्थियों को औसतन 70 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। पित्ती इंजीनियरिंग से जनरल वार्ड औरंगाबाद में हेग्रवार अस्पताल में पीडियाट्रिक ओपीडी को रिनोवेट करवाया गया जिसमें 90 लाख रुपये खर्च किये गये। अस्पताल में डॉक्टर ने बताया कि प्रीमैच्योर शिशु केयर के लिए अस्पताल को कई बार भारी खर्च होता है। ट्रस्ट ने उस अस्पताल के लिए वार्षिक 24 लाख रुपये की राशि नियोनेटल केयर के लिए खर्च की जाती है। यदि वह खर्च नहीं होती तो उसे अगले वर्ष के लिए उपयोग किया जाता है। उन्होंने कार्यक्रम में पधारे सभी का आभार प्रकट किया।इस अवसर पर हरियाणा व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भी बदरीविशाल पित्ती के व्यक्तित्व और उनके सामाजिक योगदान को प्रेरणादायी बताते हुए ट्रस्ट की गतिविधियों की सराहना की।

अवसर पर मुख्य अतिथि जस्टिस रमना राव का परिचय राधिका पित्ती ने दिया तथा पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का परिचय आशीष पित्ती ने दिया। कार्यक्रम का आभार ट्रस्टी अक्षय पित्ती ने व्यक्त किया तथा रात्रि भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अवसर पर जस्टिस सुदर्शन रेड्डी, अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, कैलाश केडिया, दीपक गुप्ता, निखिल रानासरिया, उर्मिला अग्रवाल, अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष बद्रीविशाल बंसल, विनय सी अग्रवाल, अजित गुप्ता, उमेश अग्रवाल, दुर्गाप्रशाद नरेठा, मनीष अग्रवाल, अंजनी कुमार अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, सुरेश सिंघल, सुरेन्द्र अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, नरेश चौधरी, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड, डॉ.मोहन गुप्ता, अग्रवाल समाज के मानद मंत्री विकास कुमार केशान, उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता, समस्ज सेवी गोपाल सिंह, महावीर प्रसाद अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, गोपाल मोर, अग्रसेन बैंक के चेयरमेन प्रमोद केडिया, वाईस चेयरमेन सीए नवीन अग्रवाल, महावीर बैंक के चेयरमेन अशोक कोठारी, पी.सी.पारख, शंकरलाल यादव, राधेश्याम जालू, लक्ष्मीनिवास शर्मा, अशोक चंद अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, सहित समाज के गणमान्य व्यक्ति भारी संख्या में उपस्थित थे।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने किया सेवा भारती ब्लड सेंटर का उद्घाटन, गरीबों के प्रति सेवा भाव की सराहना

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने रविवार को वंचितों के उत्थान में सेवा भारती के प्रयासों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संगठन समाज के गरीब और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। राज्यपाल ने सुल्तान बाज़ार में सेवा भारती डॉ. हेडगेवार ब्लड सेंटर का उद्घाटन किया और संगठन के सदस्यों व चिकित्सा पेशेवरों के साथ बातचीत की।

परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के तहत आने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्त-रदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत कोठी स्थित वाईएमआईएस में संचालित इस ब्लड बैंक को आधुनिक चिकित्सा उपकरण प्रदान किए हैं। समारोह के दौरान, राज्यपाल ने समुदाय के प्रति ईसीआईएल की अथक सेवा की सराहना की और आभार के प्रतीक के रूप में ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अनेश कुमार शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर ईसीआईएल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और प्रभारी (सीएसआर) डॉ. वेणुबाबू पी. भी उपस्थित थे।राज्यपाल शुक्ला ने उल्लेख किया कि हैदराबाद में आधुनिक सुविधाओं और उन्नत उपकरणों से लैस किसी ब्लड सेंटर का यह उनका पहला दौरा है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र जरूरतमंदों, विशेषकर आपातकालीन स्थितियों में, बहुत मददगार साबित होगा। उन्होंने जनता, विशेषकर युवाओं से स्वैच्छिक रक्तदान में भाग लेने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि रक्तदान अनगिनत जिंदगियां बचा सकता है।इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और सेवा भारती तेलंगाना के अध्यक्ष डी. दुर्गा रेड्डी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कामदा एकादशी पर राधे-राधे ग्रुप द्वारा सेवा का पुनीत कार्य

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में कामदा एकादशी के पावन अवसर पर इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क के पास नियमित अन्नदान (अनुदान) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा एवं मानवता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राजेश गुप्ता, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारडा सहित राधे-राधे ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर श्रद्धा और समर्पण के साथ सेवा कार्य को सफल बनाया।

ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि ऐसे धार्मिक अवसरों पर सेवा करना न केवल पुण्य का कार्य है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का भी एक माध्यम है। उन्होंने भविष्य में भी इसी तरह के सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का विशेष सदस्यता अभियान आरम्भ

पहले ही दिन 297 अग्रबंधुओं ने ग्रहण की सदस्यता

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा समाज के राघव रत्ना टावर स्थित कार्यालय में विशेष सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें पहले ही दिन 297 अग्रबंधुओं ने सदस्यता ग्रहण की। अभियान दोपहर 12 बजे से शाम 4:30 बजे तक बिना रुके लगातार संचालित किया गया।समाज के मीडिया एवं प्रेस चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान आर्थिक रूप से कमजोर अग्रबंधुओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है। उपस्थित सदस्यों ने समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता तथा कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।समाज से जुड़ने वाले सदस्यों को समाज द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। इनमें इंडक्शन चूल्हा वितरण, सिलाई मशीन सहायता, जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा, शिक्षा व चिकित्सा सहायता जैसी योजनाएँ शामिल हैं। समाज की इन सभी योजनाओं का लाभ केवल पंजीकृत सदस्यों को ही प्रदान किया जाता है।अभियान के दौरान पश्चिम जोन के जिला समन्वयक मुकुंद लाल अग्रवाल, उत्तर जोन के सुनील चोखानी, दक्षिण जोन की अल्का मिंडा तथा सेंट्रल जोन के अजय तुलस्यान सहित सभी जोन के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन उपस्थित रहे।कार्यक्रम के सफल संचालन में पवन डोकानिया, शीतल अग्रवाल, कमल अग्रवाल और इशिका अग्रवाल ने सहयोग प्रदान किया।उपस्थित अग्रबंधुओं के आग्रह पर समाज ने सदस्यता अभियान को आगे भी जारी रखने का निर्णय लिया है। इच्छुक व्यक्ति समाज के कार्यालय में जाकर अपना नाम पंजीकृत करवा सकते हैं, ताकि वे समाज की योजनाओं और गतिविधियों से जुड़कर उनका लाभ उठा सकें।

तुप्रान आयुर्वेद अस्पताल की बढ़ती लोकप्रियता ग्रामीण मरीजों का बढ़ा भरोसा

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तुप्रान स्थित आयुर्वेद अस्पताल सामाजिक चिकित्सा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है, जहां आयुर्वेदिक पद्धति से विभिन्न बीमारियों का सफल उपचार किया जा रहा है। अस्पताल की सेवाओं से संतुष्ट मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे इसकी लोकप्रियता भी बढ़ती जा रही है।अस्पताल की वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. रानी शर्मा के नेतृत्व में अनुभवी चिकित्सा स्टाफ मरीजों को समर्पित भाव से सेवाएं प्रदान कर रहा है। यहां मरीजों की समस्याओं का गहराई से अध्ययन कर उनके लिए उपयुक्त और व्यक्तिगत उपचार योजना तैयार की जाती है, जो इस संस्थान की प्रमुख विशेषता मानी जा रही है।अस्पताल में नाड़ी परीक्षण के माध्यम से रोग की पहचान की जाती है और उसके आधार पर शरीर शुद्धि (डिटॉक्स) सहित विभिन्न आयुर्वेदिक उपचार पद्धतियों का उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही आवश्यक आयुर्वेदिक औषधियां और संपूर्ण चिकित्सा सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाती हैं।अस्पताल में स्वच्छ वातावरण, बेहतर सुविधाएं और सहयोगी स्टाफ के कारण मरीजों को उपचार के दौरान अनुकूल माहौल मिलता है। यही कारण है कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां इलाज कराने के लिए आ रहे हैं और बेहतर परिणाम मिलने की बात कह रहे हैं।

महावीर जयंती पर गौसेवा को बढ़ावा: महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
2625वें भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के तहत श्री जैन सेवा संघ एवं लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण के संयुक्त तत्वावधान में रामंतपुर स्थित श्री पांडुरंग स्वामी गौ सेवा समिति गोशाला में गोमाता सेवा का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। भगवान महावीर के अहिंसा सिद्धांत से प्रेरित होकर चारा वितरण, भोग अर्पण और सेवा गतिविधियां जोरों पर रहीं।

मुख्य अतिथि तेलंगाना गोशाला फेडरेशन अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कहा कि तेलंगाना में गौसेवा जागरूकता बढ़ी है, परंतु सड़कों पर बेसहारा गायें दुर्घटनाओं, भूख, बीमारियों व प्लास्टिक प्रदूषण का शिकार हो रही हैं। हैदराबाद व करीमनगर में सड़क हादसे, अवैध परिवहन व गौ-हत्या की शिकायतें बढ़ी हैं; अट्टापुर-अरामघर में गौ रक्षकों व तस्करों की झड़पें हुईं।

लायंस इंटरनेशनल जीव कल्याण विभाग चेयरमैन प्रेम चंद मुनोत ने बकरीद से पूर्व 30 दिवसीय निगरानी, मवेशी बाजार बंदी व 'तेलंगाना काउ स्लॉटर प्रोहिबिशन एक्ट, 1977' के पालन की मांग की। तेलंगाना हाईकोर्ट के परिवहन दिशा-निर्देशों का उल्लेख कर उन्होंने अहिंसा-करुणा का संदेश फैलाने पर बल दिया। लायंस क्लब अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल व मानद मंत्री अनुराधा अग्रवाल ने सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। कार्यक्रम में आदर्श मुनोत, लक्ष्मीकांत दास आदि ने योगदान दिया।

श्री जैन सेवा संघ के तत्वावधान में आयोजित भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव अंतर्गत जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला मे लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार एवं मुकेश चौहान की प्रेरणा से एक लोरी घाँसचारा काय करते हुए गीरी सेवा परिवार के प्रवीण, नवीन, भरत, हितेश, जैनेश, गौरव, देवेश संभव, गौशाला के प्रबंधक प्रभु महाराज।

मिनिस्टर रोड पर शीतल जल सेवा का शुभारंभ

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर श्री सांचोरी वर्धमान जैन परिषद सिकंदराबाद-हैदराबाद ने सेवा एवं जीवदया के संकल्प के साथ मिनिस्टर रोड पर 'शीतल जल सेवा' (प्याऊ) का विधि-विधान से शुभारंभ किया। जैन रत्न रमेश पी. तातेड़ की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह सेवा आगामी तीन माह तक निरंतर जारी रहेगी।आयोजित कार्यक्रम में परिषद के अध्यक्ष चम्पालाल चन्दन, सचिव निमेश श्रीमाल, कोषाध्यक्ष मफतलाल भंसाली एवं प्रकल्प अध्यक्ष हितेश श्री श्रीमाल सहित शैलेश मुनोत, राकेश बोकाडिया एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में पी. डी. जाकोटिया, रमेश पी. तातेड़ के साथ मॉर्निंग वॉक एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने उनका आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

श्रीमद् भागवत कथा 9 अप्रैल से, तैयारियां पूरी

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में आगामी 9 से 15 अप्रैल तक भव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक सिद्धअम्बर बाजार स्थित बाहेती भवन में आयोजित होगा। कथा आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार सुबह 11:30 बजे बाहेती भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रतिदिन कथा के पश्चात सायं आरती के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था की जाएगी। इस प्रस्ताव को सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति दी। मुख्य संयोजक श्री महेश अग्रवाल ने सभी श्रद्धालुओं से प्रसाद व्यवस्था में सहयोग करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में श्री अंजनी कुमार अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना) तथा सह-यजमान श्री मनीष अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना) ने अपनी सहमति प्रदान की। दैनिक यजमानों में श्री वेणु गोपाल तोतला, श्री कृष्ण कुमार सौंथलिया अतापुर, श्री कमल किशोर कंकानी, श्री जमनालाल मनोहरलाल काकानी, श्री अशोक कुमार हिरावत जैन एवं श्री हीरालाल सोमानी शामिल हैं। समिति के सदस्यों ने सभी यजमानों का आभार व्यक्त किया और समाज के लोगों से तन-मन-धन से सहयोग कर इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की। साथ ही सभी श्रद्धालुओं, परिवारजनों, मित्रों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से कथा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का अनुरोध किया गया। प्रत्येक दिन कथा के उपरांत सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था भी रहेगी।बैठक में समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी, उपाध्यक्ष अशोक हिरावत, मंत्री महेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संजय राठी, संगठन मंत्री रमेश मोदनी सहित गोकुल भट्टड़, मुकेश शर्मा, नेमिचंद झा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

डॉ. अजय अग्रवाल बने अग्रवाल समाज युवा विभाग चेयरमैन

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अंतर्राष्ट्रीय जनसंपर्क चैंबर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय अग्रवाल को तेलंगाना राज्य अग्रवाल समाज के युवा करियर, शिक्षा परामर्श, प्रशिक्षण एवं रोजगार विभाग का चेयरमैन नियुक्त किया गया। वे लंदन में ब्रिटिश संसद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत गौरव पुरस्कार, दुबई में ग्लोबल आइकॉन पुरस्कार, महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन पुरस्कार और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के धारक हैं।डॉ. अजय अग्रवाल समाज के भूतपूर्व उपाध्यक्ष, प्रख्यात प्रेरक वक्ता और विभिन्न राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में अतिथि प्रशिक्षक रह चुके हैं। वे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जनसंपर्क एवं कॉर्पोरेट संचार विभाग के प्रमुख तथा भारतीय जनसंपर्क परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे कई सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों से जुड़े हैं तथा पीआर-ए टूल फॉर सक्सेस पुस्तक के लेखक हैं।

चैत्र मास नवपदजी की ओली: आत्मशुद्धि और कर्मनिर्जरा का पावन पर्व

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ श्वेतांबर जैन संघ, रसूलपुरा में प. पू. भावरत्नाश्रीजी म.सा. के शिष्यरत्न पू. सुक्रतरत्ना श्री जी म.सा. आदि ठाणा-03 की मंगलमयी छत्रछाया में जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नवपदजी की ओली जैन धर्म की अत्यंत महत्वपूर्ण साधना है, जो आत्मशुद्धि, पुण्य संचय और मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर करने वाली मानी जाती है। इस आर-ाधना के माध्यम से साधक अपने अशुभ कर्मों की निर्जरा कर शाश्वत सुख की प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ता है।

ओली के पाँचवें दिन श्रीपाल महाराजा की रास का वाचन किया गया, जिसमें उनके जीवन प्रसंगों के माध्यम से नवपद आराधना की महिमा का विस्तार से वर्णन किया गया। श्रीपाल-मयनाजी के जीवन में आए दुःखों का निवारण और उनके जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन को इस आराधना का प्रभाव बताया गया।

धार्मिक मान्यता के अनुसार नवपदजी की ओली पुण्यवर्धक, सुखदायी तथा कर्मनिर्जरा कराने वाली साधना है। इसमें नवें काल और नवें मंत्र की विशेष पूजा कराई जाती है, जो इसे अन्य अनुष्ठानों से विशिष्ट बनाती है।

संघ की ओर से यह मंगल भावना व्यक्त की गई कि इस पवित्र आराधना का महत्व घर-घर और जन-जन तक पहुंचे, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर सकें।

अत्तापुर रामबाग मंदिर में उल्लासपूर्वक मनाई गई रामनवमी

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र के अतापुर स्थित ऐतिहासिक रामबाग राम मंदिर (श्री रामचंद्र स्वामी मंदिर) में रामनवमी का त्यौहार बड़े उल्लास के साथ मनाया गया तथा दसमी के दिन मंदिर प्रांगण में विशाल रावण दहन किया गया। इस अवसर पर राम भक्तों ने श्री राम मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया तथा प्रातः एवं सायकाल भगवान राम, लक्ष्मण, जानकी की सुंदर पालकी झांकी निकाली गई। झांकी में सैकड़ों राम भक्तों ने 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए आसमान को गुंजायमान किया।

मंदिर सेवक ठाकुर अर्जुन सिंह ने बताया कि शुक्रवार को 11:00 बजे से श्री राम का जन्मोत्सव बड़े उल्लास के साथ, विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोचार के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री राम मंदिर फाउंडर भवानी प्रसाद भटनागर की बेटी पूजा भटनागर, राजेंद्र नगर बीआरएस प्रभारी कार्तिक रेड्डी, वनम श्रीराम रेड्डी, मुकेश रेड्डी, चिन्ना रेड्डी, राजेंद्रनगर डीसीपी, एसीपी, अतापुर सर्किल इंस्पेक्टर, राजेंद्र नगर भाजपा प्रभारी तोकला श्रीनिवास, एन मल्ला रेड्डी, कोमरिया, मंडल अध्यक्ष वेंकटेश शशिकांत शर्मा, श्री श्याम मित्र मंडल के सुरेश कुमार मोदी, मालीराम अग्रवाल, पवन नालपुरिया, सोहनलाल नेहरा, भास्कर रेड्डी, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रेसिडेंट बालू सुब्रह्मण्य, श्रीकांत मोहसिन, संदीप, अनिल, रघु, रमेश सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।दशमी के दिन मंदिर प्रांगण में विशाल मेले का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने खिलौने, मिठाई, आइसक्रीम एवं गहने की दुकानों पर खरीदारी की तथा झूलों में आनंद लिया। बाद में रात्रि को रावण दहन किया गया, जिसमें दहन से पहले राम-लक्ष्मण-जानकी की भव्य शोभायात्रा एवं पालकी झांकी निकाली गई। हजारों राम भक्तों ने जय श्री राम के नारे लगाते हुए पालकी को कंधों पर उठाया एवं रावण दहन स्थल पर लाए, उसके पश्चात हजारों राम भक्तों की मौजूदगी में रावण दहन किया गया।

महावीर जन्म कल्याणक पर नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैंप सम्पन्न

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
महावीर इंटरनेशनल अतुल्यनारी किरण केंद्र कोठी हैदराबाद द्वारा गनफाउंड्री स्थित गनफाउंड्री कम्युनिटी हॉल में रविवार दिनांक 27 मार्च 2026 को निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। श्री जैन सेवा संघ के तत्वावधान में भगवान जन्म कल्याणक महोत्सव के अंतर्गत यह कैंप प्रकाश चंद कमलाबाई ओसवाल, चेन्नई, शिकराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, गोकुल कमिटी परिवार, शांतिलाल सुरेश कुमार हर्षिक सिसोदिया परिवार, श्रीमती अनीता शांतिलाल डॉ. अनीश अक्षय पोकरणा परिवार के सहयोग से किया गया।

कैंप संयोजिका किरण साक्षी श्रीश्रीमाल एवं सहसंयोजिका किरण सीमा लोढा द्वारा प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 4 बजे तक आयोजित निशुल्क कैंप का उद्घाटन मिस इंडिया एशिया पेसिफिक एवं मॉडल डॉ. सुधा जैन के करकमलों से प्रारंभ हुआ। विशेष अतिथि के रूप में जोन प्रेसिडेंट किरण किनय जांगिड़ा, रिजन 10 के मंत्री शिलकुमार जैन, श्री जैन सेवा संघ के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनीश पोकरणा, शांतिलाल अस्पताल की चेयरपर्सन अनीता शांतिलाल पोकरणा, भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के प्रचार संयोजक रीश जागीरदार, जैन माइनॉरिटी काउंसिल के संयोजक मुकेश चौहान, समाजसेवी नरेश बोहरा जैन, गनफाउंड्री पार्षद डॉ. सुरेखा, भगवान मंडल के आदि ने भाग लिया।

कैंप में नेत्र परीक्षण, कार्डियो स्क्रीनिंग, बी.पी., ब्लड शुगर, ई.सी.जी., 2डी इको, बोन डेंसिटी टेस्ट, गायनोकोलॉजी, फिजिशियन, पाप स्मीयर टेस्ट, मैमोग्राफी आदि जांचें की गईं। कैंप में 149 लोगों ने पहले आओ पहले पाओ के आधार पर लाभ लिया; जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मे व दवाइयां वितरित की गईं। कैंप में नाश्ता, अन्नपूर्णा फूड कैंप (प्रकाशजी सुराणा, महावीर टांक, जसराज बोहरा के सहयोग से) एवं इक्षुरस वितरण (सुख सागर महिला मंडल) की व्यवस्था रही।महावीर इंटरनेशनल अतुल्यनारी किरण केंद्र कोठी हैदराबाद की चेयरपर्सन त्रिश्ना राकेश बंबोली, मंत्री किरण मोनिका लुंकर, कोषाध्यक्ष आरती गादिया, संयोजिका साक्षी श्रीश्रीमाल, सहसंयोजिका सीमा लोढा, शोभा बोहरा, पूजा सुर-ाणा, बबीता श्रीश्रीमाल, प्रेक्षा बंबोली, रेखा बंबोली, शैला मोला, शितल रांका, मोनिका सुराणा, प्राची सुराणा, पिंकी तातेड़, अंकिता सुराणा, परी, दिशा आदि उपस्थित रहीं। सभी डॉक्टरों, स्टाफ, दाताओं एवं सहयोगियों का अभिनंदन किया गया।

पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात में गूंजा राजस्थान

अभय जैन ग्रन्थालय और ज्ञान भारतम् मिशन ने बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

बीकानेर स्थित यह ग्रन्थालय आज पूरे देश के लिए एक मॉडल बनता जा रहा है..

नई दिल्ली/बीकानेर, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में ज्ञान भारतम् मिशन के तहत चल रहे पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान का विशेष उल्लेख करते हुए देशवासियों को इसकी महत्ता से अवगत कराया। इस दौरान बीकानेर संभाग मुख्यालय स्थित अभय जैन ग्रन्थालय के कार्यों को प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण और डिजिटलीकरण हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को इससे जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसी दिशा में राजस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए देशभर में

पहला स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश में अब तक हुए 13 लाख से अधिक पांडुलिपि सर्वेक्षण में से 12.50 लाख से अधिक का सफल सर्वे कर उन्हें ज्ञान भारतम् मिशन के पोर्टल पर अपलोड करने में अभय जैन ग्रन्थालय, बीकानेर के निदेशक ऋषभ नाहटा, (उपाध्यक्ष एवं समन्वय विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान जयपुर महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरीजी महाराज, जयप्रकाश शर्मा (उपनिदेशक पद्मश्री नारायण रामानंद दर्शन अध्ययन एवं पांडुलिपि शोध संस्थान जयपुर) तथा राजस्थान पाण्डुलिपि समन्वयक डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा, सर्वेक्षण अधिकारी मोहित बिस्सा सहित लव कुमार देराश्री, गौरव आचार्य एवं लक्ष्मीकांत उपाध्याय के सतत प्रयासों और सक्रियता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

ग्रन्थालय के निदेशक ऋषभ नाहटा के अनुसार, इस ऐतिहासिक अभय जैन ग्रन्थालय की स्थापना उनके पूर्वज अगरचंद नाहटा द्वारा भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा के संरक्षण के उद्देश्य से की गई थी। यह विशाल पांडुलिपि संग्रह उनके परिवार की वर्षों की साधना और समर्पण का परिणाम है, जिसे आज आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुँचाया जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, बीकानेर स्थित यह ग्रन्थालय आज पूरे देश के लिए एक मॉडल बनता जा रहा है, जहां परंपरा और आधुनिक तकनीक का उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मन की बात में किए गए उल्लेख के बाद राजस्थान और विशेष रुप से बीकानेर के लिए यह गर्व का क्षण है। यह उपलब्धि न केवल सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि भारत के बौद्धिक पुनर्जागरण की दिशा में एक मजबूत कदम भी मानी जा रही है।

बांसवाड़ा में पंडित दिन दयाल प्रशिक्षण अभियान का समापन, पूर्व सांवसद पाटिल ने कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश

बांसवाड़ा, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व सांसद बी.वी. पटेल ने रविवार को बांसवाड़ा शहर के रेड्डी संगम भवन में पंडित दिन दयाल प्रशिक्षण अभियान प्रोग्राम के तहत बांसवाड़ा, बिरकुर और नसुरुल्लाबाद मंडल के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित ट्रेनिंग क्लास के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।इस मौके पर बोलते हुए, पूर्व चझ बी.वी. पटेल ने नेताओं को पार्टी की विचारधारा, अंत्योदय दर्शन, संगठन को मजबूत करने, बूथ लेवल पर निर्माण, केंद्र सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का तरीका, गांव लेवल पर पार्टी को मजबूत करने और समाज सेवा के कार्यक्रमों में हिस्सा लेने जैसे मुद्दों पर ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने हर कार्यकर्ता से अनुशासन के साथ काम करने और पार्टी की विचारधारा को लोगों तक पहुंचाने और आने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए गांव और वार्ड लेवल पर सक्रिय रूप से काम करने को कहा।

उन्होंने सुझाव दिया कि लोगों को अपनी समस्याओं के बारे में पता होना चाहिए और उन्हें हल करने के लिए काम करना चाहिए। इस कार्यक्रम में जिला मुख्य सचिव श्रीनिवास रेड्डी, नरेंद्र रेड्डी, मानकी बात जिला प्रभारी नरेंद्र, टाउन अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष चिदारसालु जिला सचिव शंकर गौड़, भाजपा नगर पार्षद पाशम अमानी गज्जाला महेश, पूर्व विधानसभा संयोजक गुडुगुट्ला श्रीनिवास, पूर्व जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मंडल अध्यक्ष हनमंडलू यादव, साई किरण, श्रीनिवास किशन मोर्चा जिला महासचिव मोहन रेड्डी टाउन महासचिव चिरंजीवी अनिल सोशल मीडिया विधानसभा संयोजक शिवशंकर भाजपा नेता चंद्रशेखर गौड़ चीकटला राजू पाशम भास्कर रेड्डी नागराजू कोंडानी गंगाराम श्यामला श्रीकांत थोटा शंकर साई बाबा राजा सिंह महिला नेता रेणुका लक्ष्मी विजयलक्ष्मी और अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कुम्बर्थी रविंदर बने टीसीसी महबूबनगर जिला अध्यक्ष

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। 40 वर्षों तक चिकित्सा विभाग में समर्पित सेवा के बाद सेवानिवृत्त कुम्बर्थी रविंदर को तेलंगाना सिटिजन काउंसिल (टीसीसी) महबूबनगर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नियुक्ति पत्र महबूबनगर डीसीसी कांग्रेस अध्यक्ष ए. संजीव मुदिराज ने हैदराबाद के बशीरबाग स्थित उनके निवास पर प्रदान किया, जहां उन्हें शॉल और पुष्पमाला से सम्मानित किया गया।श्री रविंदर का जन्म महबूबनगर जिले के राजापुर मंडल के रायपल्ली गांव में हुआ। उन्होंने टीबी, एड्स, नशा विरोधी अभियान, तंबाकू-धूम्रपान जागरूकता, हृदय रोग, किडनी, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर और पोषण जैसे विषयों पर महबूबनगर, नागरकर्नूल, रंगारेड्डी व हैदराबाद में रैलियां, शिविर और संगोष्ठियां आयोजित कीं। टीसीसी में शांति, सांप्रदायिक सौहार्द, महिला-युवा-छात्र कल्याण के लिए उनके कार्य सराहनीय रहे; हाल ही में रंगारेड्डी के कंदूकूर पीएचसी से सेवानिवृत्ति ली।श्री मुदिराज ने कहा कि गरीब सेवा, ग्रामीण विकास व कल्याण योजनाओं का प्रसार जरूरी है; टीसीसी कार्यक्रमों में कांग्रेस का पूर्ण सहयोग रहेगा। इस अवसर पर टीसीसी राज्य अध्यक्ष डॉ. मिरुदोड्डी राज नारायण, समाज-सेवी शिवकुमार, समन्वयक जी. वेणुगोपाल, बिच्चुकारी सूर्य सहित अन्य ने शुभकामनाएं दीं।

बिहार समाज सेवा संघ ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को सौंपा ज्ञापन

सिकंदराबाद–पटना, सिकंदराबाद–वाराणसी और हैदराबाद–दरभंगा के बीच नियमित ट्रेनों की मांग

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार और तेलंगाना के बीच रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बिहार समाज सेवा संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात की। हिमायतनगर स्थित जिमखाना में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान हुई इस भेंट में संघ ने हैदराबाद में रह रहे लाखों प्रवासी बिहारियों की समस्याओं को देखते हुए दो प्रमुख रेल मार्गों पर नियमित ट्रेनें चलाने की मांग का ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि वर्तमान में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए कई महत्वपूर्ण रूटों पर

नियमित रेल सेवाओं की आवश्यकता अत्यंत बढ़ गई है। संघ के अनुसार त्योहारों, छुट्टियों और आपातकालीन परिस्थितियों में प्रवासी यात्रियों को अपने गृह राज्यों तक पहुंचने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लंबी वेटिंग लिस्ट और सीमित ट्रेनों के कारण यात्रियों को निजी बसों के महंगे किराए का सहारा लेना पड़ता है।

प्रतिनिधिमंडल ने निम्नलिखित मार्गों पर नियमित रेल सेवा शुरू करने या बढ़ाने की मांग रखी। जिसमें- सिकंदराबाद से पटना : इस मार्ग पर यात्रियों का दबाव अत्यधिक रहता है, जिसके कारण एक और दैनिक/नियमित ट्रेन की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

हैदराबाद-वाराणसी : हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों से बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी की यात्रा करने वाले तेलुगु भाषी तीर्थयात्रियों की बड़ी संख्या को देखते हुए सिकंदराबाद–वाराणसी के बीच नियमित रेल सेवा शुरू करने की मांग की गई। इससे दोनों प्रदेशों के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे।

हैदराबाद-दरभंगा : उत्तर बिहार के यात्रियों की सुविधा के लिए इस सीधे मार्ग पर नियमित ट्रेन सेवा प्रारंभ करने की भी मांग रखी गई।

बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा के नेतृत्व में हुई इस बैठक में प्रवासी समाज से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान भाजपा तेलंगाना प्रदेश प्रवासी प्रकोष्ठ के सह–संयोजक संजय सिंह और भाजपा हैदराबाद जिला प्रवासी संयोजक नवरत्न पासवान ने भी तकनीकी और सामाजिक पहलुओं पर अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी भवनाथ मिश्रा और अजय मिश्रा भी उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और इस विषय पर रेल मंत्रालय से वार्ता कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मराठी महाविद्यालय ने समाज को आत्मनिर्भर बनाने में निभाई अहम भूमिका

तेलंगाना की धरा पर एमएमवी के मराठी प्रतिभारत्नों का भव्य समागम

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा, समर्पण और त्याग के बल पर स्थापित संस्थाएं ही समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में स्थायी योगदान देती हैं। हैदराबाद का मराठी महाविद्यालय इसी भावना का उदाहरण है, जिसने वर्षों से समाज के शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह विचार मराठी साहित्य परिषद (मसाप) तेलंगाना की अध्यक्ष डॉ. विद्या देवधर ने व्यक्त किए।

वे मसाप-तेलंगाना द्वारा संचालित बड़ी चावड़ी, सुल्तान बाजार स्थित मराठी महाविद्यालय के पूर्व छात्र सम्मेलन 'माजी विद्यार्थ्यांची मांदियाली-2026' में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। सम्मेलन 29 मार्च को काचीगुड़ा स्थित होटल बालाजी में आयोजित किया गया।डॉ. देवधर ने कहा कि उस दौर में जब तेलुगु और उर्दू के अलावा अन्य भाषाओं के प्रति सरकारी रवैया उदासीन था, तब आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश गोपालराव एकबोटे, आगाशे और डी.पी. जोशी जैसी हस्तियों ने इस महाविद्यालय की नींव रखकर मराठी समाज को शिक्षा का सशक्त मंच प्रदान किया। विवेक वर्धिनी शिक्षण संस्था ने कक्षाएं संचालित करने के लिए स्थान देकर सहयोग किया। इस महाविद्यालय ने देश को शिक्षा, पत्रकारिता, रक्षा और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी दिए हैं।कार्यक्रम में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. सुरेश कुलकर्णी मानद अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्राचार्या शैलजा जोशी, डॉ. जी.के. माने, डॉ. कांचनमाला जतकर, प्रा. मीना देशपांडे, डॉ. शोभा शास्त्री और डॉ. गोविंद देशमुख सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने सम्माननीय अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रा. नरसिंग गवते और नंदू जोशी ने किया।सम्मेलन में पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित पूर्व छात्रों और अतिथियों का स्वागत हिंदवी फेटा पहनाकर तथा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट कर किया गया। इस अवसर पर मसाप के ऐतिहासिक त्रैमासिक 'पंचधारा' के नए अंक का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन भरत डामरे, बालाजी चिंचोले, नरसिंग गवते, धनराज तपसाले, बालाजी वाडीकर, चन्द्रशेखर घरणीकर, अनिल बिरादार, संतोष पिंपले, श्रीहरि जाधव, सुधाकर मगर और प्रकाश ढवले ने किया।

कक्षाएं पुनर्संचलित करने सेवाभावियों का सहयोग जरूरी : प्रो. कुलकर्णी

मराठी महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. सुरेश कुलकर्णी ने कहा कि यह गर्व की बात है कि मराठी के 22 विषय पढ़ाने वाला यह देश का एकमात्र महाविद्यालय है। मसाप-तेलंगाना द्वारा संचालित होने के बावजूद अनुदान रोके जाने से कक्षाओं का संचालन प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन कक्षाएं पुनः प्रारंभ करने के लिए तैयार है, लेकिन पर्याप्त आर्थिक सहयोग के अभाव में यह संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने समाज से अपने बच्चों को स्वभाषा में शिक्षा दिलाने के लिए आगे आने और सेवाभावियों से संस्थान को सहयोग देने की अपील की। साथ ही तेलंगाना सरकार से मराठी और हिंदी सहित सभी भाषाई अल्पसंख्यक संस्थाओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करने की मांग भी की।

पाँच तत्वों पर आधारित अनूठी पुस्तक केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को भेंट

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक सम्मानपूर्ण क्षण में लेखिका रूबी जैन ने अपनी पहली पुस्तक ट्रैवल ट्रस्ट ट्रांसफॉर्म केंद्रीय खान मंत्री जी. किशन रेड्डी को भेंट की। यह पुस्तक व्यक्तिगत रूपांतरण और आध्यात्मिक यात्रा को पाँच प्राचीन तत्वोंपृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाशके आधार पर प्रस्तुत करने वाला अपनी तरह का पहला मौलिक ढाँचा मानी जा रही है।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय अनुभव रखने वाली रूबी जैन एक आध्यात्मिक साधक और ज्योतिष की छात्रा भी हैं। लगभग 30 देशों की यात्रा के अनुभवों के आधार पर उन्होंने इस पुस्तक में आधुनिक पेशेवर जीवन और प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान के बीच एक सेतु स्थापित करने का प्रयास किया है।

पुस्तक में पाँचों तत्वों को व्यक्तिगत विकास के अलग-अलग चरणों के रूप में दर्शाया गया हैपृथ्वी स्थिरता और अनुशासन का, जल भावनात्मक उपचार का, अग्नि साहस

और आंतरिक शक्ति का, वायु स्पष्टता और विस्तार का तथा आकाश उच्च चेतना और आस्था का प्रतीक है। लेखिका के अनुसार यह ढाँचा आध्यात्मिकता को जीवन के व्यावहारिक अनुभवों के साथ जोड़ते हुए आत्म-परिवर्तन की एक स्पष्ट मार्गदर्शिका प्रस्तुत करता है।

रूबी जैन ने इस अवसर पर कहा कि यह पुस्तक केवल यात्राओं का वर्णन नहीं, बल्कि उस आंतरिक परिवर्तन की कहानी है जो जीवन के अनुभवों, आस्था और आत्म-खोज के माध्यम से विकसित होता है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को पुस्तक भेंट करने के अवसर को प्रेरणादायी बताते हुए आभार व्यक्त किया।

ट्रैवल ट्रस्ट ट्रांसफॉर्म यात्रा संस्मरण, आत्म-विकास और आध्यात्मिक चिंतन का मिश्रण है, जो पाठकों को भय, विश्वास, समर्पण और आत्मनिर्माण जैसे जीवन के महत्वपूर्ण आयामों से परिचित कराती है। यह पुस्तक ऑनलाइन मंच अमेजन पर उपलब्ध है।

सिकंदराबाद स्थित इम्पिरियल गार्डन में आयोजित होने वाले महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव में सांसद डॉ. लक्ष्मण को आमंत्रित करते हुए पदाधिकारी।

राधे-राधे ग्रुप बना सेवा और संवेदना की मिसाल : शिवानी अग्रवाल

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास रविवार को कामदा एकादशी के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में भक्ति, सेवा और समर्पण का वातावरण देखने को मिला। राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने पूरी निष्ठा के साथ जरूरतमंदों की सेवा करते हुए यह साबित किया कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए ऐसे छोटे-छोटे प्रयास भी अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिवानी अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और इसी भावना के साथ ग्रुप लगातार अन्नदान जैसे पुनीत कार्य करता आ रहा है। कामदा एकादशी जैसे पावन दिन पर किया गया यह सेवा कार्य विशेष महत्व रखता है और समाज में करुणा एवं सहयोग की भावना को और मजबूत करता है।कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, महेश अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, बिमल किशोर संघी, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन इलाकुर्ती, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, युवान केडिया एवं नमन संघी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

CHANGE OF NAME

I, **VAIKALYA** Spouse of Service No 15678288F Hav MAHADEV KAMBLE, Residing at Post:Kawatha, Teh:Omerga, Dist:Osmanabad, Maharashtra-413606 have changed my name from **VAIKALYA** to **VAIKALYA KAMBLE** vide affidavit dt:28-03-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No 15678288F Hav **MAHADEV KAMBLE**, Residing at Post:Kawatha, Teh:Omerga, Dist:Osmanabad, Maharashtra-413606 declare that my son name is changed from **SANSKAR MAHADEV K** to **SANSKAR MAHADEV KAMBLE** vide affidavit dt:28-03-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

रेवंत रेड्डी ने सीबीसीडी जांच का किया बचाव

बीआरएस पर ब्लैकमेल की राजनीति करने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अवैध खनन और अनियमितताओं के मामले में सीबीसीडी जांच का आदेश देने के अपनी सरकार के फैसले का बचाव किया है और बीआरएस पर 'ब्लैकमेल की राजनीति' और दलितों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए तीखा हमला किया।

मुख्यमंत्री ने रविवार को विधानसभा में कहा कि सरकार राजस्व बढ़ाने और गरीबों में इसके समान वितरण को सुनिश्चित करने के लिए सुधार कार्य कर रही है। राघवा कंस्ट्रक्शंस मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि खनन विभाग ने तथ्यों की पुष्टि कर 2025 में लंबित करों की वसूली कर ली है, जिससे सरकारी राजस्व सुरक्षित है। उन्होंने सदन समिति की मांग करने पर विपक्ष की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान ऐसी समितियों का राजनीतिक लाभ के लिए दुरुपयोग किया गया था। उन्होंने कहा, ''उनके विपरीत, हम ब्लैकमेल के लिए समितियां गठित नहीं करेंगे। हमने पिछले एक दशक में अवैध खनन और खनिज संपदा की लूट की सीबीसीडी जांच का सीधा आदेश दिया है।'' उन्होंने सभी दलों से जांच एजेंसियों को सबूत सौंपने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि अगर सीबीसीडी पर भरोसा नहीं है, तो सरकार सीबीआई जांच पर भी विचार कर सकती है। श्री रेड्डी ने बीआरएस पर अपने कार्यकाल के दौरान दलबदल को बढ़ावा देने और अब राजनीतिक लाभ के लिए इसका विरोध करने का भी आरोप लगाया। बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) को निशाना बनाते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तेलंगाना के गठन के बाद पहले मुख्यमंत्री के रूप में एक दलित को नियुक्त करने का उनका वादा पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के दौरान दलित नेताओं को दरकिनार कर दिया गया था, उन्होंने मंत्रिमंडल में सीमित प्रतिनिधित्व और विपक्ष के नेता भट्टी विक्रमार्क को पद से हटाए जाने का हवाला दिया। इसके विपरीत उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मौजूदा कांग्रेस सरकार ने कई दलित नेताओं को महत्वपूर्ण पद दिए हैं, जिनमें भट्टी विक्रमार्क को उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री, दामोदर राजा नरसिम्हा, सीताक्का, विवेक वेंकटस्वामी, अदलुरी लक्ष्मण, रामचंद्र नाइक, वेमुला वीरेशम और अड्डंकी दयाकर शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं ने बजट पेश करने के दौरान भट्टी विक्रमार्क का अपमान किया और दलित नेतृत्व को कमज़ोर करने के लिए कार्यवाही में बाधा डालने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि केसीआर दलित अध्यक्ष को संबोधित करने से बचने के लिए विधानसभा सत्रों में नहीं आ रहे हैं और विपक्ष पर दलितों को नेतृत्व की भूमिकाओं में रोकने का आरोप लगाया। इन टिप्पणियों से सदन में तीखी बहस छिड़ गई, जो मौजूदा बजट सत्र के दौरान सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी बीआरएस के बीच बढ़ते राजनीतिक टकराव को दर्शाती है।

मन की बात ने जनता से सीधा जुड़ाव मजबूत किया तेलंगाना की पहल को मिली सराहना : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम मन की बात अब एक ऐसा अनूठा मंच बन गया है, जो सीधे तौर पर देश की जनता से जुड़ता है और विभिन्न सामाजिक, आर्थिक तथा विकास संबंधी पहलों को सामने लाता है।

कार्यक्रम के ताजा संस्करण को देखने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों से मन की बात आम नागरिकों, नवाचार करने वालों और समाजसेवियों की प्रेरणादायक कहानियों को सामने ला रहा है और देशभर के गांवों व क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों को पहचान दिला रहा है।

उन्होंने बताया कि हर महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाला यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री और जनता के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित करने में सफल रहा है।

किशन रेड्डी ने खुशी जताई कि हालिया एपिसोड में तेलंगाना का विशेष उल्लेख किया गया। प्रधानमंत्री ने सूर्यापेट के युवाओं की उपलब्धियों और मंचेरियल जिला में सामुदायिक जल संरक्षण प्रयासों की सराहना की। उन्होंने राज्य की जनता की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वास्थ्य और युवा सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर लोगों को लगातार प्रेरित कर रहा है।

बुजुर्ग माता-पिता की सुरक्षा के लिए तेलंगाना सरकार का बड़ा कदम, विधानसभा में पेश हुआ नया विधेयक

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को विधानसभा में तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक, 2026 पेश किया। इस दौरान उन्होंने बुजुर्ग माता-पिता की सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता पर बल देते हुए इसे एक नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी बताया।

सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने श्रवण कुमार की कालजयी कथा का उल्लेख किया और उन्हें माता-पिता के प्रति अटूट भक्ति का सर्वोच्च प्रतीक बताया। उन्होंने इस आदर्श की तुलना आधुनिक समाज की बदलती वास्तविकताओं से की, जहाँ भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ अक्सर पारिवारिक जिम्मेदारियों पर हावी हो जाती है।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि आज के युग में नैतिक मूल्यों का ह्रास चिंता का विषय है।

हाल के एक वास्तविक उदाहरण का हवाला देते हुए, मुख्यमंत्री ने दिग्गज उद्योगपति विजयपत सिंघानिया की दुखद परिस्थितियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि अपनी पूरी संपत्ति और संपत्ति अपने बेटे के नाम करने के बावजूद, सिंघानिया को अपने अंतिम वर्षों में कथित तौर पर उपेक्षा और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं गिरते मूल्यों को दर्शाती हैं और मजबूत कानूनी सुरक्षा उपायों की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

भट्टी विक्रमार्क का जनप्रतिनिधियों को आह्वान

छत पर सोलर पैनल लगाएं और सौर क्रांति का नेतृत्व करें

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने रविवार को राज्य के सभी जनप्रतिनिधियों से सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने राज्य सरकार की ''मॉडल सोलर विलेज'' (आदर्श सौर ग्राम) पहल के हिस्से के रूप में जनप्रतिनिधियों को अपने आवासों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कर मिसाल पेश करने को कहा।विधानसभा हॉल में मंत्रियों, विधायकों और विधान पार्षदों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने उन्हें पत्र वितरित किए। इन पत्रों के माध्यम से उन्होंने सभी से इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया, जिसका उद्देश्य तेलंगाना को हरित ऊर्जा संचालित राज्य के रूप में बदलना है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि अपने निवास पर 2 किलोवाट का ग्रिड-कनेक्टेड सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित करे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जनता को व्यापक रूप से अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु नेताओं को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।ट्डिप्टी सीएम के अनुसार, इस तरह के प्रयासों से रिहायशी इलाकों को विकेंद्रीकृत बिजली उत्पादन केंद्रों में बदला जा सकता है। भट्टी विक्रमार्क ने नोट किया कि रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन न केवल घरेलू बिजली खर्च को कम

करने में मदद करेगा, बल्कि राज्य की हरित ऊर्जा क्षमता को भी मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने इच्छुक प्रतिनिधियों से अपने आवासीय पते और नवीनतम बिजली बिल की प्रतियों के साथ खैरादाबाद स्थित टीजीरेडको कार्यालय में आवेदन करने को कहा है। इन विवरणों के आधार पर, तकनीकी टीमें साइट सर्वेक्षण करेंगी और स्थापना की सुविधा प्रदान करेंगी। इस पहल को एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्बन तटस्थता प्राप्त करने और ऊर्जा-समृद्ध तेलंगाना के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

तेलंगाना विधानसभा में हंगामा: बीआरएस के प्रमुख विधायकों सहित कई सदस्य दो दिनों के लिए निलंबित

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने रविवार को सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालने के आरोप में भारत राष्ट्र समिति (इठड) के कई सदस्यों को दो दिनों के लिए निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई वर्तमान बजट सत्र के दौरान लगातार हो रहे हंगामे को देखते हुए की गई है।

निलंबित किए गए सदस्यों में पूर्व मंत्री के.टी. रामाराव, टी. हरीश राव, माधवरम कृष्ण राव, महिपाल रेड्डी, पद्म राव, चिंता प्रभाकर राव, कोत्ता प्रभाकर रेड्डी, सबिता इंद्रा रेड्डी, गंगुला कमलाकर, कौशिक रेड्डी, लक्ष्मा रेड्डी, अनिल जाधव और तलसानी श्रीनिवास यादव शामिल हैं।

विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को अध्यक्ष ने मंजूरी देते हुए इन

सदस्यों को सदन से बाहर जाने का निर्देश दिया।सदन में हंगामे के बीच मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने विधानसभा अध्यक्ष से एक विशेष अनुरोध किया। उन्होंने बीआरएस विधायक पादि कौशिक रेड्डी से जुड़े मामले को आगे की जांच के लिए एथिक्स कमेटी (आचार समिति) के पास भेजने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने उनके व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए गहन समीक्षा की बात कही।

विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि बजट सत्र जैसी महत्वपूर्ण चर्चाओं के दौरान सदन की गरिमा को बनाए रखना आवश्यक है। बार-बार चेतावनी के बावजूद कार्यवाही में बाधा डालने के कारण यह अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी पड़ी। निलंबन की इस कार्रवाई के बाद सदन में विपक्षी खेमे की ओर से तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

नाव चोरी मामले में दोषी साबित होने पर इस्तीफा दे दूंगा...: मस्तान राव

नेल्लोर (आंध्र प्रदेश), 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेल्लोर के राज्यसभा सांसद बीड़ा मस्तान राव ने पुडुचेरी से नौकाओं की रिहाई में अपने योगदान के आरोपों का पुरजोर खंडन किया है। उन्होंने कहा कि ये आरोप झूठे हैं और दोषी साबित होने पर वे इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मछुआरे ही उनके राजनीतिक विकास की रीढ़ रहे हैं।नाव चोरी मामले की गहन जांच की मांग करते हुए मस्तान राव ने कहा कि रिपोर्टों से पता चलता है कि नाव मालिकों ने नावों की मरम्मत के दौरान कावली के एक लॉज में ठहरे थे। उन्होंने सवाल उठाया कि इस्कापल्ली कापू तोतय्या के पास मौजूद चाबियां पुडुचेरी के नाव मालिकों तक कैसे पहुंचीं।इस घटना पर बोलते हुए उन्होंने कहा, यह तमिलनाडु, पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश और आंध्र प्रदेश के बीच पिछले 30-40 वर्षों से चला आ रहा अंतरराज्यीय विवाद है। इसलिए, हर बार छोटी-मोटी घटनाएं होती हैं, स्थानीय लोग हस्तक्षेप करते हैं और मुद्दों को सुलझाते हैं। लेकिन इस बार, चार भारी इंजन वाली नावें आंध्र प्रदेश के जलक्षेत्र में घुस गईं । उन्होंने नेल्लोर जिले के समुद्र तट पर बहुतायत में उपलब्ध मछलियों को पकड़कर स्थानीय मछुआरों को निशाना बनाया। स्थानीय मछुआरों ने उन्हें पकड़ लिया और मामले के हल होने तक नावों को जवाहरलाल नेहरू मछली पकड़ने के बंदरगाह पर रखने का फैसला किया। रातोंरात, सरकार और मछुआरा समुदाय के गांवों को बिना सूचना दिए नावों को छोड़ दिया गया। इसी से विवाद उत्पन्न हुआ।''सांसद ने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय समर्थन के बिना ऐसी चोरी नहीं हो सकती थी।उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बेवजह इस विवाद में घसीटा जा रहा है। भगवान राम के साक्षी के रूप में, मैं कहता हूं कि ये सभी आरोप निराधार हैं,'' उन्होंने सरकार से निष्पक्ष जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का आग्रह किया।मस्तान राव ने आगे सवाल किया कि उन्हें अपने ही गांव के मछुआरों से कोई विवाद क्यों होगा।उन्होंने कहा, ''मैंने केंद्र सरकार और राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि वे एक जांच आयोग गठित करें और तथ्यों का पता लगाकर उन्हें संबंधित समुदायों के समक्ष प्रस्तुत करें। ताकि इस मुद्दे का हमेशा के लिए समाधान हो सके। धन्यवाद।''उन्होंने यह भी स्पष्ट बयान दिया कि यदि नाव चोरी मामले में उनकी संलिप्तता साबित हो जाती है, तो वे राज्यसभा पद से तत्काल इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं।

बीआरएस ने मंत्री पोंगुलेटी को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की

केटीआर ने चेतावनी दी कि अगर तेलंगाना सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की तो वह राज्यपाल से संपर्क करेंगे

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भ्रष्टाचार और अवैध खनन के आरोपों को लेकर मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है ।विज्ञप्ति में कहा गया है कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है, तो पार्टी राज्यपाल के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराएगी और यदि आवश्यक हुआ तो इस मुद्दे को बड़े पैमाने पर सीधे जनता के समक्ष उठाएगी।केटीआर ने मंत्री के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीआरएस विधायक दल के उपनेता टी हरीश राव द्वारा किए गए खुलासों के बाद सरकार हिल गई है ।उन्होंने कहा कि हरीश राव ने सरकार से प्राप्त दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर राज्य सरकार में दूसरे नंबर के एक वरिष्ठ मंत्री से जुड़े एक बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया है। मंत्री के परिवार से जुड़ी कंपनी नियमों का उल्लंघन करते हुए अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त पाई गई थी।केटीआर ने सवाल उठाया कि सरकार ने अवैध खनन में शामिल अन्य कंपनियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की है, लेकिन राघवा कंस्ट्रक्शंस के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही है। उन्होंने संदेह जताया कि क्या यह निष्क्रियता कंपनी के मंत्री से संबंध के कारण है या मुख्यमंत्री की स्वयं की संलिप्तता के कारण।उन्होंने बताया कि हरीश राव द्वारा खुलासा किए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि अनियमितताएं हुई थीं। हालांकि, जिम्मेदारी लेने के बजाय, उन्होंने यह दावा करके पलटवार करने की कोशिश की कि सरकार ने खुद इस मामले का खुलासा किया था। केटीआर ने मुख्यमंत्री के इस दावे की आलोचना की कि कंपनी मंत्री पोंगुलेटी के दूर के रिश्तेदारों की है, और इसे बेतुका बताया।केटीआर ने कहा कि मंत्री की पत्नी, पुत्र और भाई सीधे तौर पर कंपनी से जुड़े हुए हैं और मंत्री स्वयं 2020 से 2022 के बीच इसके अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने मुख्यमंत्री पर

विरोधाभासी और भ्रामक बयान देने का आरोप लगाया, जो विश्वसनीयता की कमी को दर्शाता है।उन्होंने आगे आरोप लगाया कि राघवा कंस्ट्रक्शंस का मुख्यमंत्री द्वारा जोरदार बचाव करना इस मामले में उनकी स्वयं की संलिप्तता को दर्शाता है। उन्होंने कोडंगल लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तहत इसी कंपनी को ठेके दिए जाने का हवाला दिया और मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों से जुड़ी राज्य में बड़े पैमाने पर भूमि अनियमितताओं पर चिंता व्यक्त की।केटीआर ने पिछले ढाई वर्षों में लोगों के लिए कोई सार्थक काम करने में विफल रहने के लिए सरकार की आलोचना की, इसके बजाय सरकार ने मुकदमों, आयोगों और प्रतिशोध की राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया।सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि स्पष्ट सबूत होने के बावजूद मंत्री के पारिवारिक व्यवसाय के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि कानून के तहत ऐसे मामलों में दूसरी सूचना मिलने पर एक साल तक की कैद हो सकती है, फिर भी सरकार आरोपी को संरक्षण दे रही है।उन्होंने खनन मंत्री की इस बात के लिए भी आलोचना की कि उन्होंने इस मुद्दे को महज 4 लाख रुपये का मामला बताकर कम करके आंका, और कहा कि अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान एक ही दिन में 32 लाख रुपये के उल्लंघन का पता लगाया था।

बीआरएस ने राजस्व मंत्री की कथित अवैध खनन में भूमिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक कलवाकुंतला संजय कुमार ने रविवार को राजस्व हानि के सबूतों का हवाला देते हुए कथित अवैध खनन के लिए तेलंगाना के राजस्व मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।बीआरएस नेताओं ने गन पार्क में विरोध प्रदर्शन किया और सदन समिति से जांच कराने की मांग की। कुमार ने सरकार से त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया और धीमी प्रतिक्रिया पर निराशा व्यक्त की।एएनआई से बात करते हुए संजय कुमार ने कहा, राजस्व मंत्री राज्य के सारे राजस्व की लूट कर रहे हैं, और हमने सबूतों के साथ सरकार को यह स्पष्ट रूप से दिखा दिया है... हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह सदन समिति का गठन करे... लेकिन अभी तक सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया है। सरकार को राजस्व मंत्री के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए...तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने 2014 में राज्य के गठन के बाद से खनन पट्टों और अवैध खनन की सीबी-सीआईडी जांच की घोषणा की थी।मुख्यमंत्री ने जांच में सिरसिला रेत माफिया को भी शामिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें बीआरएस के पूर्व सांसद संतोष राव और उनके पिता रविंदर राव भी शामिल हैं। पूर्व एनआरएस मंत्री गंगुला कमलाकर से जुड़े कथित अवैध ग्रेनाइट खनन और बीआरएस राज्यसभा सांसद वद्दीराजू रविचंद्र की कंपनी के साथ-साथ राघवा कंस्ट्रक्शंस से जुड़ी खनन गतिविधियों की भी जांच की जाएगी।मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि जांच का उद्देश्य इन आरोपों के पीछे की सच्चाई का पता लगाना है।इसके अलावा, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने कहा कि आज भी जब मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के कथित खनन अनियमितताओं पर सवाल

उठाए गए, तो मुख्यमंत्री ने विपक्ष को धमकियों से जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के लिए धमकाना एक आदत बन गई है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि बीआरएस ऐसी धमकियों के आगे कभी नहीं झुकेगी।मूसी परियोजना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए केटीआर ने आरोप लगाया कि इसके नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री की इस बात के लिए आलोचना की कि वे चुनावी वादों को पूरा करने के लिए धन की कमी का दावा कर रहे हैं, जबकि साथ ही मूसी परियोजना के तहत लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा कर रहे हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने पिछली बीआरएस सरकार द्वारा तैयार की गई 16,000 करोड़ रुपये की व्यापक योजना को खारिज कर दिया है और अब भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए अनुमानों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रही है।केटीआर ने याद दिलाया कि पिछली सरकार ने मूसी नदी के लिए सीवेज ट्रीटमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर का काम लगभग पूरा कर लिया था और कालेश्वरम परियोजना के माध्यम से पानी लाने की योजना भी बनाई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.